@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 12 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 151 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत की सख्ती के बाद बांग्लादेश से छिनी पारगमन सुविधा

कोलकाता, 11 अप्रैल। केंद्र सरकार की ओर से पारगमन सुविधा रद्द किए जाने के बाद बांग्लादेश का पारगमन माल से लदा कोई भी ट्रक नौ अप्रैल से पेट्रापोल सीमा से नहीं आया है। यह सुविधा बांग्लादेश के लिए बहुत लाभकारी थी। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित पेट्रापोल भूमि बंदरगाह पर भारत के रास्ते दोबारा निर्यात के लिए बांग्लादेश से भेजा जाने वाला पारगमन माल वित्त वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान 46 प्रतिशत बढ़ गया था। भारत ने 29 जून 2020 से भारतीय भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों के माध्यम से और बाद में भारतीय बंदरगाहों तथा हवाई अड्डों के माध्यम से बांग्लादेश से तीसरे देशों को भेजे जाने वाले निर्यात माल के पारगमन की अनुमति दी थी। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के चलते इस साल 8 अप्रैल को केंद्र सरकार ने पारगमन सुविधा को रद्द कर दिया। पारगमन सुविधा का मतलब एक देश से माल दूसरे देश ले जाने के लिए किसी तीसरे देश के बंदरगाह, हवाई अड्डे या परिवहन मार्ग का अस्थायी उपयोग करना होता है। पेट्रापोल क्लियरिंग एजेंट्स स्टाफ वेलफेयर एसोसिएशन (पीसीएएसडब्ल्यूए) के उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में 2,357.27 करोड़ रुपये मूल्य की 4,733 खेप लेकर 3,473 ट्रक पेट्रापोल के जरिये बांग्लादेश से भारत में प्रवेश किए। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4,861 ट्रकों ने 3,446.66 करोड़ रुपये मूल्य की 7,772 खेपों का परिवहन किया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में ट्रक आवाजाही में 36 प्रतिशत की वृद्धि और कार्गो मूल्य में 46 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। पेट्रापोल लैंड पोर्ट मैनेजर कमलेश सैनी ने बताया कि बांग्लादेश से तीसरे देशों को जाने वाले किसी भी ट्रक ने 9 अप्रैल से पेट्रापोल सीमा में प्रवेश नहीं किया है। अगले आदेश तक स्थिति ऐसी ही रहेगी। हालांकि, बांग्लादेश के साथ सामान्य प्रत्यक्ष आयात-निर्यात गतिविधि निर्बाध रूप से जारी है। नौ अप्रैल से पहले बांग्लादेश से आए लगभग 50-60 ट्रकों में से लगभग 15-20 ट्रक यूरोप और अमेरिका जैसे पश्चिमी बाजारों के लिए तैयार कपड़ों से भरे कंटेनर ले जा रहे थे।

हमें संस्कृति को बचाना है: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

अशोकनगर, 11 अप्रैल। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- आनंदपुर धाम आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मेरा मन अभिभूत है, मंदिर में दर्शन करने के बाद हृदय आनंद से भर गया है। जिस भूमि का कण-कण संतों की भूमि है, उस अशोकनगर में शोक भी आने से डरता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्यप्रदेश के अशोकनगर के ईसागढ़ स्थित श्री आनंदपुर धाम पहुंचे। यहां उन्होंने परमहंस अद्वैत मत के तीन प्रमुख मंदिरों के दर्शन किए। उन्होंने आनंद सरोवर में पुष्प अर्पित किए। इसके बाद मोती हॉल पहुंचकर परमहंस अद्वैत मत के वर्तमान गुरु से मुलाकात की और फिर सत्संग हॉल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रवार को ग्वालियर से हैलीकॉप्टर द्वारा श्री आनंदपुर धाम आगमन हुआ। श्री आनंदपुर धाम स्थित हैलीपेड से सीधे मंदिर परिसर में दर्शन करने पहुंचे। मोदी ने श्री आनंदपुर धाम में परम पावन पूजा स्थल महातीर्थ श्री आनंद सर मंदिर परिसर में चार मंदिरों के दर्शन किए। पीएम मोदी ने अपने उद्बोधन की शुरुआत सच्चिदानंद नमः से की। उन्होंने कहा कि आनंदपुर धाम आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यहां आकर मन अभिभूत है, मंदिर में दर्शन करने के बाद हृदय आनंद से भर गया है। जिस भूमि का कण-कण संतों की भूमि है, उस अशोकनगर में शोक भी आने से डरता है। मुझे वैशाखी और महाराज जी के अवतरण दिवस में शामिल होने का अवसर मिला है। प्रथम पादशाही सहित सभी संतों को प्रणाम करता हूं। आज के ही दिन द्वितीय पादशाही ने समाधि ली थी और तृतीय पादशाही लीन हुए थे। आनंदपुर धाम की अद्वैत परंपरा है कि नर सेवा ही नारायण सेवा का आधार है और इसे आनंदपुर धाम अच्छे से निभा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा अस्पताल, गौशाला, स्कूल और पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। हमारी सरकार के प्रयास भी यही हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से गरीबों को अनाज मिल रहा है। आयुष्मान योजना से इलाज, पीएम आवास योजना से घर और जल जीवन मिशन से पानी की समस्या का समाधान हो रहा है। प्रकृति सुरक्षित रहे, इसके लिए एक पेड़ मां के नाम से लगाया जा रहा है। देश में करोड़ों पेड़ लगाए गए हैं। सबका साथ, सबका विश्वास यही हमारी सरकार का संकल्प है। देश को बहुत कुछ दिया है, अब

उसके विकास की जिम्मेदारी भी हमें दी गई है। पीएम मोदी ने कहा कि चंदेरी हैंडलूम को नई ऊंचाई मिली है। चंदेरी साड़ी को जीआई टैग दिया गया है। उज्जैन सिंहस्थ की तैयारी जोरों पर हैं। राम वन गमन पथ का कार्य जारी है। हमारा मध्य प्रदेश अजब-गजब है, अब उसे नई पहचान भी मिलेगी। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। कुछ लोग संस्कृति से कट गए हैं, हमें अपनी संस्कृति को बचाना है। आनंदपुर ट्रस्ट इस दिशा में बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को मोती महल में श्री परमहंस अद्वैत मत परम्परा के प्रमुख गुरु महाराज से शिष्टाचार भेंट की। यह विशेष भेंट आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विषयों पर केंद्रित रही, जिसमें देश की आध्यात्मिक चेतना और नैतिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने पर पारस्परिक संवाद हुआ। इस विशेष भेंट ने न केवल आध्यात्मिक जगत में उत्साह का संचार किया, बल्कि यह भी दर्शाया कि देश के नेतृत्व और आध्यात्मिक संस्थाओं के बीच सकारात्मक संवाद सतत रूप से जारी है। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को दोपहर लगभग 3.30 बजे अशोकनगर जिले के श्री आनंदपुर धाम पहुंचे।

लोगों के मौलिक अधिकार के बारे में भी सोचे एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नसीहत देते हुए कहा कि एजेंसी को लोगों के मौलिक अधिकार के बारे में भी सोचना चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने नागरिक आपूर्ति निगम घोटाला मामले को छत्तीसगढ़ से नई दिल्ली स्थानांतरित करने की ईडी की याचिका पर नाराजगी जताते हुए यह बात कही। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने ईडी से पूछा कि आखिर उसने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत यह याचिका कैसे दायर की, जबकि यह अनुच्छेद निजी व्यक्तियों से संबंधित है। संविधान का अनुच्छेद 32 देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों के सांविधानिक संरक्षण से जुड़ा है। यह अनुच्छेद मौलिक अधिकारों का हनन होने की स्थिति में व्यक्ति विशेष को सीधे सुप्रीम कोर्ट में अपना मामला पेश कर इन अधिकारों को बहाल करवाने का अधिकार देता है। पीठ के सवाल

पूछने पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगते हुए कहा कि ईडी के भी मौलिक अधिकार हैं। इसी पर पीठ ने कहा, यदि ईडी के पास मौलिक अधिकार है तो उसे लोगों के मौलिक अधिकार के बारे में भी सोचना चाहिए। हालांकि पीठ ने राजू को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। ईडी ने पिछले साल दावा किया था कि पूर्व आईएएस अधिकार अनिल टुटेजा ने इस घोटाले में छत्तीसगढ़ में उसे मिली अग्रिम जमानत का दुरुपयोग किया था।

तुलसी गबार्ड की दलील को चुनाव आयोग ने नकारा

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। चुनाव आयोग ने अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड के उस बयान को खारिज कर दिया है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को असुरक्षित बताया गया है। आयोग ने कहा कि देश में इस्तेमाल की जाने वाली ईवीएम साधारण कैलकुलेटर की तरह काम करती हैं, जो इंटरनेट या इंफ्रारेड से जुड़ी नहीं होती हैं। वोटों में हेराफेरी करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम को हैक करने के तुलसी गबार्ड के बयान का हवाला देते हुए चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि कुछ देश इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम का उपयोग करते हैं जो इंटरनेट समेत कई निजी नेटवर्क और कई प्रणालियों, मशीनों और प्रक्रियाओं का मिश्रण है। वहीं, भारत में इस्तेमाल ईवीएम को इंटरनेट, वाईफाई या इंफ्रारेड से नहीं जोड़ा जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि ईवीएम की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कानूनी जांच की गई है। राजनीतिक दलों की ओर से भी चुनाव के कई चरणों इनकी जांच की जाती है, जिसमें मतदान शुरू होने से पहले मॉक पोल आयोजित करना शामिल है। आयोग के सूत्रों ने यह भी बताया कि राजनीतिक दलों के सामने मतगणना करते समय पांच करोड़ से अधिक पेपर ट्रेल मशीन (वीवीपैट) पर्चियों का सत्यापन और मिलान किया गया है।

कमीशन मांगे जाने पर लोकायुक्त के पास जाएं ठेकेदार: डीके शिवकुमार

बंगलूरू, 11 अप्रैल। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को सुझाव दिया कि यदि किसी ने ठेकेदारों से उनके बिलों के भुगतान के लिए कमीशन की मांग की है, तो उन्हें लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए। उनकी यह प्रतिक्रिया कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ (केएससीए) की तरफ से आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कमीशन का खतरा अब पिछली भाजपा सरकार से भी अधिक गंभीर हो गया है। कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ ने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और दो अन्य वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के कार्यालयों में अदृश्य दलाल सक्रिय हैं। वहीं इन आरोपों का जवाब देते हुए डिप्टी सीएम शिवकुमार ने मंत्रियों की संलिप्तता से इनकार किया और कहा, अगर किसी ने ठेकेदारों से बिलों के भुगतान के लिए कमीशन मांगा है, तो उन्हें लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए। हमारे मंत्री सतीश जरकीहोली और बोसराजू इसमें शामिल नहीं हैं। विधानसभा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, अगर ठेकेदारों से कमीशन मांगा जाता है, तो उन्हें लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज करानी चाहिए। इस दौरान डीके शिवकुमार ने सवाल किया कि ठेकेदारों को बिल भुगतान के बारे में मंत्री से क्यों पूछना चाहिए? क्या उन्हें (ठेकेदारों को) विभाग के बजट की जानकारी नहीं है? जब अनुदान ही नहीं है तो उन्होंने ठेका कैसे ले लिया? उन्होंने कहा भाजपा के कार्यकाल में अकेले मेरे विभाग ने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के ठेके दिए थे। विधायक इन ठेकों के बिलों के भुगतान का अनुरोध कर रहे हैं।

सीएम विजयन के पूर्व मुख्य प्रधान सचिव के खिलाफ होगी सीबीआई जांच

सौरभ शर्मा

तिरुवनंतपुरम, 11 अप्रैल। केरल हाईकोर्ट ने केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन के पूर्व मुख्य प्रधान सचिव केएम अब्राहम के खिलाफ सीबीआई को एफआईआर दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया है। यह आदेश सेवानिवृत्त अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में दिया गया। जस्टिस के बाबू ने शिकायतकर्ता कोट्टायम निवासी जोमन पुथेनपुरकल की याचिका पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी केएम अब्राहम के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को जांच का आदेश दिया। अब्राहम पूर्व में अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) पद पर भी रह चुके हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट, उसके समक्ष पेश अन्य सामग्री तथा जांच के दौरान अब्राहम की ओर से बचाव में पेश दलीलों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण के आधार पर प्रथमदृष्टया यह स्थापित होता है कि अब्राहम के पास आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक चल एवं अचल संपत्ति है। वीएसीबी की जांच की विश्वसनीयता संदिग्ध जस्टिस ने कहा कि मामले में सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) की जांच जनता में विश्वास पैदा नहीं करेगी तथा इसकी जांच की विश्वसनीयता 'संदिग्ध' है। एकल पीठ ने कहा कि प्रारंभिक जांच करते समय वीएसीबी ने अब्राहम को

बचाने के इरादे से उनके की ओर से अर्जित कुछ संपत्ति को जानबूझकर बाहर रखा। पीठ ने 74 पेज के आदेश में कहा कि विचित्र बात यह है कि जांच रिपोर्ट की जांच और सत्यापन वीएसीबी के निदेशक ने किया। राज्य सतर्कता विभाग की ओर से अब्राहम को बचाने का जानबूझकर प्रयास किया गया। आदेश में कहा गया कि राज्य एजेंसियों की निष्पक्ष कार्यप्रणाली में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए निष्पक्ष, ईमानदार और पूर्ण जांच के लिए वर्तमान मामले की जांच सीबीआई की ओर से की जानी चाहिए। एकल पीठ ने कहा, विशेष न्यायाधीश का आदेश त्रुटिपूर्ण सीबीआई जांच का आदेश देते हुए हाईकोर्ट ने जांच आयुक्त-सह-विशेष न्यायाधीश, तिरुवनंतपुरम के 2017 के आदेश को भी रद्द कर दिया, जिन्होंने अब्राहम के खिलाफ याचिकाकर्ता की शिकायत को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा कि विशेष न्यायाधीश का आदेश त्रुटिपूर्ण और पूर्णतः अनुचित था। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि अब्राहम ने सेवा में रहते हुए मुंबई में तीन करोड़ रुपये का एक अपार्टमेंट, तिरुवनंतपुरम में एक करोड़ रुपये का एक अन्य अपार्टमेंट खरीदा था और कोल्लम जिले के कडप्पाक्कडा में तीन मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया था, जिसकी कीमत आठ करोड़ रुपये है। हालांकि अब्राहम ने इन आरोपों का खंडन किया था।

मुंबई हमले की जांच में एनआईए का सहयोग करेगी सरकार: सीएम फडणवीस

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 11 अप्रैल। 26/11 मुंबई हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर मैं मुंबईकरों की ओर से पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। एनआईए मामले की जांच कर रही है। हम जांच में एनआईए की पूरी मदद करेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि 26/11 मुंबई हमलों के आरोपी और साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर राणा को भारत लाया गया है। मैं मुंबईकरों की ओर से प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं कि साजिशकर्ता को भारतीय न्यायिक प्रणाली का सामना करने के लिए भारत लाया गया। कसाब को कानून के अनुसार फांसी दी गई, लेकिन साजिशकर्ता हमारी हिरासत में नहीं था। यह हमारे लिए एक बोझ था। उन्होंने कहा कि अब साजिशकर्ता एनआईए के पास है। वे मामले की जांच कर रहे हैं। अब एनआईए जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में निर्णय लेगी। हमें जो भी जानकारी चाहिए, हम एनआईए से लेंगे। अगर उन्हें किसी सहायता की आवश्यकता होगी तो हम मुंबई पुलिस के माध्यम से पूरा सहयोग करेंगे। मुंबई हमलों को लेकर 2010 में दिग्विजय सिंह की ओर से की गई टिप्पणी पर सीएम फडणवीस ने कहा कि सबसे पहले मैं

उन लोगों को जवाब नहीं देता जो बेवकूफों की तरह बोलते हैं। जब कसाब को फांसी दी गई और उसके बाद जब डेविड हेडली का बयान हमारी न्यायालय में दर्ज किया गया, तो यह पूरी तरह से स्पष्ट हो गया कि यह पूरी साजिश पाकिस्तान में रची गई थी। इसलिए जो लोग अन्य साजिश सिद्धांतों का प्रचार करते हैं, मैं उन्हें जवाब नहीं देना चाहता। अब मुख्य साजिशकर्ता हमारी हिरासत में है और अब और भी चीजें सामने आएंगी। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में सार्वजनिक परिवहन के लिए एकल कार्ड मुंबई 1 जल्द ही शुरू किया जाएगा। एकल कार्ड का उपयोग मेट्रो, मोनो रेल, उपनगरीय लोकल ट्रेनों और सार्वजनिक परिवहन बसों में यात्रा के लिए किया जा सकता है। कार्ड एक महीने में तैयार हो जाएगा। वहीं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मुंबई के लोकल नेटवर्क के लिए 238 नई एसी ट्रेनों को मंजूरी दी जाएगी। महाराष्ट्र में 1,73,804 करोड़ रुपये के रेलवे कार्य चल रहे हैं और इस वर्ष 23,778 करोड़ रुपये के नए कार्यों को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पूर्वी महाराष्ट्र में गोंदिया-बल्लारशाह रेलवे लाइन को मंजूरी दे दी गई है और इससे विदर्भ तथा पड़ोसी छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के बीच संपर्क बढ़ेगा। इस परियोजना में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 4,019 करोड़ रुपये होगी।

यूपी को निवेश हब बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम होगा मजबूत

लखनऊ, 11 अप्रैल। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दस खरब डालर तक पहुंचाने के लिए इन्वेस्ट यूपी की पुनर्संरचना की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में इन्वेस्ट यूपी के निवेश मित्र, सिंगल विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए हैं। ताकि, प्रदेश में निवेश करने वाले उद्यमियों को आसानी से क्लियरेंस मिल सके और अधिक से अधिक एमओयू को धरातल पर उतारा जा सके। इन्वेस्ट यूपी को और अधिक प्रभावशाली बनाने एवं प्रदेश में अधिक से अधिक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए निवेश मित्र और सिंगल विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम की सभी समस्याओं को दूर किया जा रहा है। निर्देशों के मुताबिक सिंगल विंडो अधिनियम 2024 को प्रभावी तौर पर लागू किया जा रहा है। इस महीने से ही सिस्टम एग्रीगेटर की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ताकि, अलग-अलग विभागों के डाटा को लेकर एक ही स्थान पर निराकरण किया जा सके। सूचना और सुविधा देने के लिए टर्नअराउंड समय को कम किया जा सकेगा। प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए अनावश्यक विलंब की स्थिति में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने व उच्च स्तर के अधिकारियों तक सीधे ऑनलाइन शिकायत करने की सुविधा दी गई है।

योग्य-अयोग्य शिक्षकों की सूची जारी करेगी सरकार

नरेश मल्होत्रा

कोलकाता, 11 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में नौकरी गंवाने वाले 25,752 शिक्षकों को शुक्रवार को थोड़ी राहत मिली। स्टाफ सिलेक्शन कमिशन (एसएससी) कार्यालय के बाहर जारी हड़ताल के बीच दोपहर बाद शिक्षामंत्री ब्रात्य बसु के साथ नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मंडल ने बैठक की। बैठक में एसएससी के चेयरमैन भी मौजूद थे। इस बैठक के बाद शिक्षकों के प्रतिनिधि ने बताया कि शिक्षकों की मांग स्वीकार करते हुए एसएससी ने भरोसा दिया है कि 21 अप्रैल तक योग्य-अयोग्य शिक्षकों की सूची प्रकाशित की जाएगी। यह भी आश्वासन दिया गया है कि 22 लाख परीक्षार्थियों की ओएमआर शीट की प्रतिलिपि प्रकाशित की जाएगी। हालांकि, यह भी बताया गया कि ओएमआर की वास्तविक मिरर इमेज मौजूद नहीं है। अगर होती, तो सीबीआई उसे ढूंढ पाती। सीबीआई के पास जो प्रतिलिपि है, वही प्रकाशित की जाएगी। एसएससी चेयरमैन सिद्धार्थ मजूमदार ने कहा कि उन्होंने योग्य और अयोग्य की सूची बनानी शुरू कर दी है, और यह कार्य रविवार तक पूरा हो सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने ब्रात्य बसु के साथ बैठक में आगे की कानूनी प्रक्रिया को लेकर भी चर्चा की। रिव्यू पिटीशन (पुनर्विचार याचिका) दायर करने से पहले किस प्रकार की बातचीत होनी चाहिए, इस पर भी बात की गई। नौकरी से निकाले गए अभ्यर्थियों की ओर से मेहबूब मंडल ने कहा, अभी हमें राहत नहीं मिली है। राहत उस दिन मिलेगी जब हम कानूनी रूप से जीतकर वापस लौटेंगे। इससे पहले शुक्रवार को योग्य शिक्षक-शिक्षिका अधिकार मंच के सदस्यों की अपील पर एसएससी भवन तक रैली निकाली गई। रैली सॉल्टलेक के करुणामयी से एसएससी भवन तक एक निकाली गई। इसमें भारी संख्या में नौकरी गंवाने वाले और उनके परिजनों और परिचितों ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए और न्याय की मांग की। इस बीच, एक एनजीओ ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अवमानना नोटिस भेजा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उन्होंने राज्य में 25,000 से अधिक स्कूलों की नौकरी रद्द करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जानबूझकर आलोचना की। नोटिस में कहा गया कि ममता बनर्जी ने 7 अप्रैल को कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान कुछ ऐसे बयान दिए जो भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय की गरिमा को सीधे चुनौती देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के वकील सिद्धार्थ दत्ता ने बताया कि वह उत्तर 24 परगना जिले के नबानगर स्थित एनजीओ 'आत्मदीप' की ओर से

यह नोटिस भेज रहे हैं। नोटिस में कहा गया, आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप सार्वजनिक या किसी भी माध्यम से ऐसा कोई बयान न दें जिससे यह धारणा बने कि 3 अप्रैल 2025 के माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश लागू नहीं होंगे या उन्हें नजरअंदाज किया जा सकता है। इसके साथ ही ममता बनर्जी से अपने बयान के लिए सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की गई है। कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भाजपा सांसद अभिजीत गांगोपाध्याय को शुक्रवार को गो बौक के नारे सुननने पड़े। भूख हड़ताल पर बैठे प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे अपने आंदोलन में किसी भी राजनीतिक शख्सियत को शामिल नहीं करना चाहते, जबकि गांगोपाध्याय ने वहां से रवाना होने से पहले दावा किया कि उनके खिलाफ नारे लगाने वाले प्रदर्शनकारी अति-वामपंथी समर्थित हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां सिर्फ नैतिक समर्थन देने आया था। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने भाजपा नेता अभिजीत पर कटाक्ष करते हुए कहा, सुना है कि अभिजीत को जब उन्होंने नौकरी से निकाले गए अभ्यर्थियों के धरना स्थल पर जाने की कोशिश की, तो गो बैक के नारे सुनने पड़े। यह तो होना ही था। उन्होंने गर्व से कहा था कि मैंने इनकी नौकरी छीनी है। कितना अमानवीय उल्लास था वह। फिर वे वहां गए, तो क्या अभ्यर्थी उन्हें भगाएंगे नहीं। इस तरह की दोहरी राजनीति करने वालों का चेहरा बेनकाब कर देना चाहिए।

सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को किया ढेर, ऑपरेशन जारी

किश्तवाड़, 11 अप्रैल। किश्तवाड़ जिले के उपमंडल छात्रू के जंगल में मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर रखी है। आतंकियों की तलाश में बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। खोजी कुत्ते भी लगाए गए हैं। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर छात्रू में नायदगाम के जंगलों में पिछले तीन दिनों से आतंकियों की तलाश की जा रही थी। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे आतंकियों के साथ संपर्क हुआ और गोलीबारी शुरू हो गई। मुठभेड़ में तीन आतंकी को मार गिराया गया। बताया जा रहा है कि मारे गए आतंकी पाकिस्तान के सैफुल्लाह मॉड्यूल का हिस्सा थे। यह वही मॉड्यूल है जिसने 15 जुलाई 2024 को डोडा में सेना की टीम पर घात लगाकर हमला किया था। वहीं, अन्य आतंकियों की तलाश में जंगल में सेना, पुलिस व सीआरपीएफ जवानों के साथ पैरा कमांडो भी उतारे गए हैं। एसएसपी आमोद अशोक नागपुरे ने कहा, जंगल में कई और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। ऊंचे पहाड़ों, नीचे नदी और घने जंगल के कारण यह बहुत दुर्गम इलाका है। इसके बावजूद बहादुर जवान सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, घेरे में आए आतंकी इन जंगलों में पिछले 8 से 9 महीने से सक्रिय हैं। किश्तवाड़, डोडा व रामबन रेंज के डीआईजी श्रीधर पाटिल ने कहा, किश्तवाड़ में एक आतंकी को मार गिराया गया है। क्षेत्र में अन्य आतंकी घेर लिए गए हैं। जब तक वे सभी समाप्त नहीं हो जाते, ऑपरेशन जारी रहेगा। जोफड़ के कुलतियां में बुधवार को हुई मुठभेड़ के बाद से आतंकियों की तलाश शुक्रवार को भी जारी रही। पुलिस और सुरक्षाबल जंगलों को खंगाल रहे हैं। अभियान का दायरा बढ़ाया गया है। 9 अप्रैल को जोफड़ के जंगलों में सुरक्षाबलों की आतंकियों के साथ तीन घंटे मुठभेड़ चली थी।

ट्रम्प ने न्यूयॉर्क के निकट हेलिकॉप्टर दुर्घटना के कारणों का शीघ्र खुलासा करने का लिया संकल्प

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि परिवहन सचिव न्यूयॉर्क के निकट हेलिकॉप्टर दुर्घटना की जांच कर रहे हैं और शीघ्र ही इसके कारणों का खुलासा किया जाएगा। श्री ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, हडसन नदी में भयानक हेलिकॉप्टर दुर्घटना। ऐसा लगता है कि छह लोग, पायलट, दो वयस्क और तीन बच्चे, अब हमारे बीच नहीं हैं। दुर्घटना का फुटेज भयावह है। भगवान पीड़ितों के परिवारों और मित्रों को आशीर्वाद दें। परिवहन सचिव सीन डफी और उनके प्रतिभाशाली कर्मचारी काम पर लगे है। वास्तव में क्या हुआ और कैसे हुआ, इसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी! न्यूयॉर्क शहर के अधिकारियों के अनुसार हडसन नदी में दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलिकॉप्टर में पायलट, दो वयस्क और तीन बच्चों समेत छह लोग सवार थे। इनमे चार की तुरंत मृत्यु हो गई, दो की अस्पताल में मृत्यु हो गई। हेलिकॉप्टर ने दिन के मध्य में मैनहट्टन शहर से उड़ान भरी और 20 मिनट बाद नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान में स्पेन का एक परिवार सवार था।

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढहने से अब तक 221 की मौत, राहत और बचाव कार्य बंद

सेंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सेंटो डोमिंगो (नेशनल डिस्ट्रिक्ट) में मंगलवार सुबह हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 221 हो गई। यह हादसा जेट सेट नाइट क्लब की छत ढह जाने से हुआ था। वाकये के वक्त गायिका रूबी पेरेज का संगीत कार्यक्रम चल रहा था। हादसे में 59 वर्षीय पेरेज के अलावा मेजर लीग बेसबॉल के पूर्व पिचर ऑक्टेवियो डोटेल, पूर्व खिलाड़ी टोनी ब्लैंको और मोंटेक्रिस्टी प्रांत के गवर्नर नेल्सी क्रूज की भी मौत हो गई। जेट सेट नाइट क्लब में हुई इस दुर्घटना में अब तक अधिकारियों ने 146 लोगों की पहचान कर ली है और मलबे से 189 लोगों को बचा लिया है। एनबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, डोमिनिकन गणराज्य उत्तर अमेरिका महाद्वीप में एक कैरिबियाई देश है। राष्ट्रीय अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने गुरुवार सुबह मृतकों के नामों की सूची जारी की और साथ ही एक बयान में कहा कि फॉरेंसिक डॉक्टरों और पैथोलॉजिस्ट की टीमें अभी भी सभी शवों का पोस्टमार्टम करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। मलबे से निकाले गए शेष शवों की पहचान की जा रही है। देश के आपातकालीन संचालन (ईओसी) केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने गुरुवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में मृतकों की संख्या की पुष्टि की।

काठमांडू में हिंसा के आरोपित राजशाही समर्थक नेता दुर्गा प्रसाई को भारत के असम से गिरफ्तार किया गया

काठमांडू। नेपाल में राजशाही के समर्थन में हुए आंदोलन का नेतृत्व करने वाले नेता दुर्गा प्रसाई को भारत के असम से गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस ने असम की राजधानी गुवाहाटी की पुलिस के सहयोग से प्रसाई को गुरुवार शाम गिरफ्तार किया। वहां से नेपाल पुलिस प्रसाई को कड़ी सुरक्षा के बीच रात को ही नेपाल सीमा तक लाई। वहां से उन्हें विमान से काठमांडू लाया गया। पुलिस का कहना है कि 28 मार्च को काठमांडू में राजशाही के समर्थन में हुए प्रदर्शन का नेतृत्व प्रसाई ने किया। इस दौरान हुई हिंसा, तोड़फोड़ आगजनी, लूटपाट और हत्या के प्रयास में प्रसाई का हाथ है। पुलिस ने बताया कि काठमांडू को हिंसा की आग में झोंककर अपनी गिरफ्तारी की आशंका से प्रसाई फरार हो गए। नेपाल पुलिस ने बताया कि उनके भारत में छुपे होने की आशंका के मद्देनजर वहां की पुलिस से समन्यवय किया गया। प्रसाई को गुवाहाटी से गुरुवार रात गिरफ्तार कर सिलीगुड़ी होते हुए नेपाल के काकडभिट्टा सीमा तक लाया गया।

मिस अर्थ बांग्लादेश मेघना आलम को 30 दिन जेल में रहना होगा, कोर्ट ने सुनाई सजा

ढाका। बांग्लादेश की मशहूर मॉडल और मिस अर्थ बांग्लादेश 2020 की विजेता मेघना आलम को 30 दिनों तक जेल में रहना होगा। ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट सेफतुल्लाह ने मेघना आलम को नजरबंदी अधिनियम के तहत गुरुवार देररात लगभग साढ़े दस बजे 30 दिनों की जेल की सजा सुनाई है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, अदालत के सूत्रों ने आज इसकी पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार, मेघना आलम को डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) पुलिस ने रात करीब 10:30 बजे अदालत के समक्ष पेश किया। अदालत ने डीबी की याचिका मंजूर करते हुए मेघना की हिरासत का आदेश जारी कर दिया।

हिंसक टकराव व भूख संकट से, लाखों लोगों के लिए नाज़ुक हालात

एजेंसी
संयुक्त राष्ट्र । विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी जारी की है कि दक्षिण सूडान में बढ़ते हिंसक टकराव के बीच, देश के पूर्वोत्तर हिस्से में 77 लाख से अधिक लोग गम्भीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं. बताया गया है कि सूडान में हिंसा के कारण देश में वापसी करने वाले लोगों के लिए हालात ज़्यादा ख़राब हैं. विनाशकारी स्तर पर भूख से जूझ रहे लोगों की कुल संख्या में से क़रीब 50 फ़ीसदी इन्हीं में से हैं.दक्षिण सूडान में पहले से ही समुदाय नाजुक हालात मे रह रहे हैं, और 11 लाख से अधिक विस्थापितों के वहाँ पहुँचने से मौजूदा संसाधनों पर भीषण दबाव है और राहत प्रयास प्रभावित हुए हैं. आगामी दिनों में यह संकट और गहराने की आशंका है. इसके मद्देनज़र, यूएन खाद्य एजेंसी ने दानदाताओं से अपना समर्थन बढ़ाने की अपील की है, ताकि मानवीय तबाही को टाला जा सके.वर्षों की अस्थिरतादक्षिण सूडान ने वर्ष 2011 में सूडान से स्वाधीनता हासिल की थी, मगर उसके बाद से ही यह टकराव और अस्थिरता से जूझता रहा है.वर्ष 2013 में राष्ट्रपति सल्वा कीर के वफ़ादार सैन्य बलों और पूर्व उप राष्ट्रपति रिएक मचार के समर्थकों में गृहयुद्ध भड़क उठा था. कई वर्षों तक जातीय हिंसा, सामूहिक अत्याचार और मानवीय संकट जारी रहने के बाद 2018 में नाजुक हालात में एक शान्ति समझौते पर सहमति हुई.मगर, परस्पर विरोधी सैन्य बलों के बीच बढ़ती झड़पों और आम नागरिकों पर हमलों के बीच पिछ्ले महीने के अन्त में, मुख्य विपक्षी नेता और प्रथम उप राष्ट्रपति रिएक मचार को नज़रबन्द किए जाने की ख़बरें थी, जिससे देश में फिर से गृहयुद्ध छिड़ने की आशंका है.हिंसक टकराव, बीमारियाँमौजूदा संकट केवल स्थानीय आबादी को भरपेट भोजन न मिल पाने तक ही सीमित नहीं है. देश के अपर नाइल प्रान्त में हैज़ा संक्रमण का प्रकोप है. यूएन एजेंसी ने प्रभावित इलाक़ों के लिए हवाई मार्ग से 35 मीट्रिक टन राहत सामग्री रवाना की है.यूएन की साझेदारी में विश्व भर में खाद्य सुरक्षा पर नज़र रखने वाले प्लैटफ़ॉर्म के अन्तर्गत, किसी देश या क्षेत्र में भूख सम्बन्धी स्थिति को पाँच वर्गों में विभाजित किया गया है.इनमें चौथा चरण, आपात स्थिति और पाँचवा चरण, विनाशकारी या अकाल जैसे हालात हैं.WFP का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्र में साढ़े चार लाख से अधिक लोगों तक खाद्य सहायता मुहैया कराना है, मुख्यतः आपात व विनाशकारी स्तर पर खाद्य असुरक्षा से जूझ रही आबादी के लिए.मगर, लड़ाई की वजह से सहायता प्रयासों में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है और छह इलाक़ों में लड़ाई व असुरक्षा की वजह से खाद्य वितरण भी बन्द किया गया है.दोराहे पर महिलाएँहिंसक टकराव का दायरा बढ़ने और भूख संकट के गहरा होने का ख़ामियाज़ा स्थानीय महिलाओं व लड़कियों को भुगतना पड़ रहा है. असुरक्षित हालात की वजह से अनेक महिलाएँ अपनी जान बचाकर भागने के लिए मजबूर हुई हैं।

जिनपिंग 14 से 18 अप्रैल तक वियतनाम, मलेशिया, कंबोडिया का राजकीय दौरा करेंगे

एजेंसी
बीजिंग। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव एवं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 14 से 18 अप्रैल तक वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया का राजकीय दौरा करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी। उसने बताया कि श्री जिनपिंग वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव टो लैम और वियतनाम समाजवादी गणराज्य के राष्ट्रपति लुओंग कुओंग के निमंत्रण पर यह दौरा करेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रपति 15 से 18 अप्रैल तक मलेशिया और कंबोडिया का राजकीय दौरा करेंगे। वह मलेशिया के राजा सुल्तान इब्राहिम और कंबोडिया के राजा नोरोदम सिहामोनी के निमंत्रण पर दोनों देशों की यात्रा पर जा रहे हैं।

'ट्रेड वॉर से किसी को फायदा नहीं', यूएस टैरिफ का ब्रिटेन और जापान के प्रधानमंत्रियों ने जताया विरोध

एजेंसी
लंदन । ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा से बात की। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि ट्रेड वॉर से किसी को फायदा नहीं होगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब अमेरिका ने अधिकांश देशों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। इसके साथ ही स्टील, एल्यूमीनियम और कार के पार्ट्स पर 25 प्रतिशत का आयात टैरिफ लगाया हुआ है। अमेरिका के नए और विवादास्पद टैरिफ सेट ने हाल के हफ्तों में तनाव बढ़ा दिया है, जिसने वैश्विक बाजारों को बुरी तरह प्रभावित किया है। अमेरिका की तरफ से लगाए गए टैरिफ पर अन्य देशों की भी तीखी प्रतिक्रिया आई हैं। अर्थशास्त्रियों और निवेशकों की ओर से इस फैसले की आलोचना की गई है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने पहले स्वीकार किया था कि यह संभावना नहीं है कि अमेरिका सभी ब्रिटिश आयातों पर नया 10 प्रतिशत टैरिफ

हटाएगा। प्रधानमंत्री, अमेरिकी राष्ट्रपति को ब्रिटिश कारों पर लगे 25 प्रतिशत टैरिफ को हटाने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटिश अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि बढ़ती अनिश्चितता, कमजोर निर्यात और बढ़ती लागत से देश के प्रमुख क्षेत्रों में विकास और रोजगार पर असर पड़ने की संभावना है। जापान ने घोषणा की है कि वह अगले सप्ताह तक टैरिफ वार्ता के लिए आर्थिक पुनरोद्धार मंत्री रयोसेई अकाजावा को अमेरिका भेजने की योजना बना रहा है। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि जो व्यापारिक साझेदार देश 9 जुलाई तक अमेरिका के साथ समझौता करने में सक्षम नहीं हैं, तो वहां से अमेरिका आने वाले सामानों पर मूल रूप से घोषित पारस्परिक दर पर टैरिफ लगाया जाएगा।

चीन कभी डरा नहीं : 'टैरिफ युद्ध' पर शी जिनपिंग

एजेंसी
बीजिंग । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को कहा कि टैरिफ युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। उन्होंने कहा कि चीन कभी किसी पर निर्भर नहीं रहा और किसी से डरा नहीं। जिनपिंग ने स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। चीन ने 12 अप्रैल से अमेरिकी वस्तुओं पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने का फैसला किया, जिससे कुल प्रभावी दर 125 प्रतिशत हो जाएगी। इससे एक दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी वस्तुओं पर 145 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। समाचार एजेंसी के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले 70 वर्षों से अधिक समय में देश ने आत्मनिर्भरता और कठिन संघर्ष के जरिए विकास हासिल किया। उन्होंने कहा कि चीन कभी दूसरों की दया पर निर्भर नहीं रहा और किसी भी अनुचित दमन से नहीं डरा। राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि चाहे बाहरी दुनिया में कोई भी बदलाव क्यों न हो, चीन उम्मीदों से भरा रहेगा और अपने मामलों को अच्छी तरह चलाने पर ध्यान केंद्रित रखेगा। चीनी राष्ट्रपति

ने कहा कि चीन और यूरोपीय संघ (ईयू) दोनों ही विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों आर्थिक वैश्वीकरण और मुक्त व्यापार की दृढ़ समर्थक हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने आर्थिक सहजीवन का घनिष्ठ संबंध स्थापित किया है, उनका सम्मिलित आर्थिक उत्पादन विश्व के कुल उत्पादन का एक तिहाई से अधिक है। राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि आर्थिक वैश्वीकरण, अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक वातावरण की रक्षा और एक तरफा धमकी के खिलाफ चीन और यूरोपीय संघ को मिलकर काम करना होगा। वहीं सांचेज ने कहा कि चीन यूरोपीय संघ का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। स्पेन हमेशा यूरोपीय संघ-बीजिंग संबंधों के विकास का समर्थक रहा है। सांचेज ने कहा कि यूरोपीय संघ खुले और मुक्त व्यापार के लिए प्रतिबद्ध है और एकतरफा टैरिफ वृद्धि का विरोध करता है। उन्होंने कहा कि व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। स्पेनिश पीएम ने कहा, स्पेन और यूरोपीय संघ अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को बनाए रखने, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के आम हितों की रक्षा करने के लिए चीन के साथ संचार और समन्वय को मजबूत करने के लिए तैयार हैं।

सशस्त्र टकरावों की बढ़ती जटिलताएँ, यूएन शान्तिरक्षा अभियानों के लिए नई चुनौतियाँ

एजेंसी
वाशिंगटन। मौजूदा दौर में, सशस्त्र संघर्ष के बाद युद्धविराम अक्सर नाजुक हालात में लागू किए जा रहे हैं और हिंसक टकरावों का पहले से अनुमान लगा पाना कठिन साबित हो रहा है. इस पृष्ठभूमि में, संयुक्त राष्ट्र शान्तिरक्षा को बढ़ते राजनैतिक तनावों, जानबूझकर फैलाई जाने वाली ग़लत सूचनाओं समेत अन्य चुनौतियों के बीच अपने तौर-तरीक़ों में आवश्यकता के अनुसार तेज़ी से बदलाव लाना पड़ रहा है. संयुक्त राष्ट्र शान्ति अभियानों के प्रमुख ज्याँ पिएर लाक्रोआ ने सोमवार को सुरक्षा परिषद में सदस्य देशों के राजनयिकों को सम्बोधित करते हुए मौजूदा तौर-तरीक़ों में बदलाव लाने पर बल दिया. उन्होंने कहा, ÷युद्धविराम की निगरानी अब केवल उपस्थिति तक सीमित नहीं हो सकती है, यह ज़मीनी हालात को तेज़ी से समझने और उसके अनुरूप क़दम उठाने के बारे में है.÷ यूएन अवर महासचिव ने बताया कि टैक्नॉलॉजी में प्रगति से, शान्तिरक्षकों को वास्तविक समय में जटिल परिस्थितियों में निगरानी रखने में मदद मिल रही है, जिसकी वजह से उनकी उन स्थानों पर शारीरिक मौजूदगी ज़रूरी नहीं है.इसके समानान्तर, सदस्य देशों, विशेष रूप से सरक्षा परिषद द्वारा समर्थित एक राजनैतिक प्रक्रिया, शान्ति व सुरक्षा बनाए रखने के लिए अहम है.शान्ति अभियान मामलों के प्रमुख लाक्रोआ ने कहा कि शान्तिरक्षा, युद्धविराम निगरानी व्यवस्था का एक अभिन्न अंग हो सकती है, मगर किसी भी युद्धविराम की सफलता का दायित्व केवल युद्धरत पक्षों पर ही निर्भर है.दायित्व निभाने की चुनौतियाँलेबनान में संयुक्त राष्ट्र अन्तरिम बल के प्रमुख लेफ़्टिनेंट जनरल अरोल्डो लज़ारो साएन्ज़ ने अपने सम्बोधन में राजनैतिक प्रक्रिया के महत्व पर बल दिया. यूएन मिशन, को वर्ष 1978 में स्थापित किया गया था, जिसके शासनादेश को 2006 में प्रस्ताव 1701 के तहत फिर से परिभाषित किया गया. इस प्रस्ताव में लेबनान में हिज़्बुल्लाह गुट और इसराइल के बीच 34 दिनों तक चले युद्ध के बाद इस टकराव पर विराम लगाने का आग्रह किया गया था. इसके अन्तर्गत, का दायित्व युद्धविराम की निगरानी करना, दक्षिणी लेबनान में लेबनानी सशस्त्र बलों की तैनाती का समर्थन करना और मानवीय सहायता के लिए मार्ग मुहैया कराना है. 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इसराइल में हमास और अन्य फ़लस्तीनी सशस्त्र गुटों के हमलों के बाद, इसराइली सुरक्षा बलों और हिज़्बुल्लाह के बीच युद्ध भड़कने से, लिए शान्तिरक्षा प्रयासों में चुनौतियाँ उत्पन्न हुईं. नवम्बर 2024 में दोनों पक्षों के बीच टकराव समाप्त करने पर सहमति होने तक, इस दायित्व को निभा पाना मुश्किल साबित हो रहा था.लेफ़्टिनेंट जनरल लज़ारो ने कहा कि टकराव पर विराम के बाद और स्थाई युद्धविराम की अनुपस्थिति में, एक बड़ी बाधा यह है कि सभी पक्ष, प्रस्ताव 1701 के तहत अपने तयशुदा दायित्वों की अलग-अलग व्याख्या करते हैं।

ग़ाज़ाः सहायता आपूर्ति पर पाबन्दी के बीच, रोटी बनाने वाली 25 बेकरी हुई बन्द

एजेंसी
ग़ाज़ा। ग़ाज़ा पट्टी में सीमा चौकियों की नाकेबन्दी के कारण मानवीय सहायता की आपूर्ति पर लगाई गई पाबन्दी अपने दूसरे महीने में प्रवेश कर गई है. दैनिक आवश्यकताओं के लिए सामान की बढ़ती क़िल्लत से भूख व कुपोषण का ख़तरा फिर से गहरा रहा है. खाद्य सहायता और खाना पकाने की गैस की अनुपलब्धता के कारण रियायतों दरों पर चलने वाली 25 बेकरी बन्द हो गई हैं, और दुकानों में बची हुई खाद्य वस्तुओं की क़ीमतें आसमान छू रही हैं।

म्याँमारः 'मुझे हर समय फिर से भूकम्प आने का डर सताता है'

एजेंसी
संयुक्त राष्ट्र । म्याँमार में दस दिन पहले आए विनाशकारी भूकम्प से सबसे अधिक बच्चे प्रभावित हुए हैं. इनमें से कई बच्चों ने अपने घर, अपने स्कूल और कई मामलों में तो अपने पूरे परिवार को ही खो दिया है. इस आपदा से हुई तबाही के बाद, लोग अब भी सदमे में हैं और उन्हें फिर से भूकम्प के झटके आने की चिन्ता निरन्तर बनी हुई है. 28 मार्च को स्थानीय समयानुसार 1 बजे से ठीक पहले आया 7.7 तीव्रता का यह भूकम्प, हाल के वर्षों का सबसे शक्तिशाली भूकम्प था.क्षेत्र में भूकम्प पश्चात झटके अभी भी जारी हैं. संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने आगाह किया है कि दोबारा भूकम्प आने के डर से बच्चे, अत्यधिक गर्मी, व साफ़-सफ़ाई की कमी के बीच खुले में सोने को मजबूर हैं. उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सम्बन्धी आपातस्थिति पैदा हो सकती है. नवीनतम आँकड़ों के मुताबिक़, भूकम्प में 3500 से अधिक लोगों की जान चली गई है, लगभग 5000 घायल हुए हैं और 200 अभी भी लापता हैं.म्याँमार में जवाबी कार्रवाई का जायज़ा लेने गए, संयुक्त राष्ट्र के राहत सहायता प्रमुख ने ज़रूरतमन्द समुदायों की हर सम्भव मदद करने की संगठन की प्रतिबद्धता को दोहराया.संयुक्त राष्ट्र आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लैचर ने शनिवार को राजधानी नेपीडॉ में आपदा से तबाह हुए क्षेत्रों का दौरा करते हुए कहा, संयुक्त राष्ट्र यहाँ मौजूद है - हम यहीं रहकर उन्हें सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे. लेकिन हम चाहते हैं कि इसमें दुनिया भी हमारा साथ दे. सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इस समुदाय को अपने जीवन का पुनर्निर्माण करने के लिए हर सम्भव मदद मिले. उन्होंने अन्तरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा सहायता में वृद्धि करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसका सबसे अधिक प्रभाव सबसे कमज़ोर समुदायों पर पड़ा है. उन्होंने कहा, ÷एक बात जिसने मुझे सबसे ज़्यादा अचम्भित किया, वो ये है कि आम तौर पर आपको यह लगता है कि भूकम्प से सभी लोगों पर एक समान प्रभाव पड़ता है. लेकिन वास्तव में निर्धनतम समुदाय पर इसका सबसे ज़्यादा असर होता है, क्योंकि उनके पास जवाबी कार्रवाई करने, घर बदलने, अन्य स्थानों पर जाने या फिर पुनर्निर्माण के लिए संसाधान नहीं होते.÷शिक्षा से वंचितभूकम्प से, म्याँमार की पहले से ही कमज़ोर शिक्षा व्यवस्था को गहरा झटका लगा है.सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कम से कम 1,824 स्कूल क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं, जिससे हज़ारों बच्चे शिक्षा से महरूम हो गए हैं.मलबे में तब्दील हुए स्कूलों को देखकर यह चिन्ता बढ़ गई है कि अनगिनत बच्चे, ख़ासतौर पर ग़रीब समुदाय के बच्चे, अपनी पढ़ाई में पिछड़ जाएँगे - या शायद फिर कभी स्कूल वापस नहीं लौट पाएँगे.कोई त्वरित या आसान समाधान नहींसंयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने चेतावनी दी है कि इससे उबरने का कोई त्वरित या आसान तरीक़ा नहीं है. म्याँमार में यूनीसेफ़ की संचार प्रमुख, एलियाना ड्राकोपोलोस ने यूएन न्यूज़ को बताया, कई बच्चों ने अपने माता-पिता, अपने दोस्तों को खो दिया है और उन्हें एक ऐसे स्थान की ज़रूरत है जहाँ उन्हें मनोवैज्ञानिक सहायता मिल सके तथा हालात सामान्य होने का अहसास मिल सके.' 'यह कल्पना करना बेहद कठिन है...फिलहाल हमें इस आपातस्थिति से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई पर ध्यान देना है।

यूक्रेन : विस्थापितों, हिंसा पीड़ितों के लिए और अधिक समर्थन की अपील

एजेंसी
संयुक्त राष्ट्र । आपात राहत मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी टॉम फ़्लैचर ने आगाह किया है कि यूक्रेन में 1.3 करोड़ लोग को जल्द से जल्द मानवीय सहायता की आवश्यकता है. रूसी सैन्य बलों के हमलों की वजह से विस्थापन, मानसिक सदमे और अति-आवश्यक सेवाओं के विध्वंस से उनके जीवन पर गहरा असर हो रहा है. यूएन अवर महासचिव ने मंगलवार को सुरक्षा परिषद की एक बैठक के दौरान अन्तरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि ज़रूरतमन्दों के लिए समर्थन और हिंसा की चपेट में आए आम नागरिकों की रक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे. पिछ्ले कुछ हफ़्तों में, रूसी सैन्य बलों द्वारा किए गए हमलों में यूक्रेन के कई शहरों में बच्चों समेत आम नागरिक मारे गए हैं. स्वास्थ्य केन्द्रों, मकानों, स्कूलों, खेलकूद मैदानों समेत बुनियादी प्रतिष्ठानों को भीषण क्षति पहुँची है.अवर महासचिव फ़्लैचर ने शुक्रवार को ड्निप्रो क्षेत्र के घनी आबादी वाले क्रिविय रिह शहर में हुए हमले में कम से कम 9 बच्चों के मारे जाने की निन्दा की. नागरिक मौतों व रिहायशी इलाक़ों में विध्वंस के इन क्रूर तरीक़ों को रोका जाना होगा.÷उन्होंने अन्तरराष्ट्रीय मानवतावादी क़ानून के तहत युद्धरत पक्षों से आम नागरिकों व बुनियादी प्रतिष्ठानों की रक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है.आम नागरिकों पर ÷ताबड़तोड़ हमले किए जाने पर सख़्त पाबन्दी है. युद्ध किस तरह से लड़ा जाएगा, उसकी सीमाएँ तय की जानी होंगी.÷विस्थापन व हताशायूक्रेन में युद्ध जारी युद्ध आम नागरिकों के सामूहिक तौर पर विस्थापित होने की एक बड़ी वजह है.

करीब 37 लाख यूक्रेनी नागरिक अपने घर से बेघर हैं और देश की सीमाओं के भीतर विस्थापन का शिकार हुए हैं. वहीं, 70 लाख लोग अन्य देशों में शरणार्थी के तौर पर रह रहे हैं.रूस के कुर्स्क, बेलगोरॉड और ब्रिएन्स्क नामक क्षेत्रों में आम नागरिकों के हताहत होने और आधारभूत ढाँचे को क्षति पहुँचने की ख़बर है.आपात राहत प्रमुख फ़्लैचर ने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय मानवतावादी क़ानून के तहत युद्धरत पक्षों का यह दायित्व है कि ज़रूरतमन्द आबादी तक बेरोकटोक, मानवीय राहत पहुँचाई जाने की अनुमति दी जाएगी, वे भले ही कहीं भी हों.मगर, यूएन मानवीय सहायता एजेंसियों ने बताया है कि वे दोनेत्स्क, ख़ेरसॉन, लुहान्स्क और ज़ैपोरिझ्झिया में रूसी नियंत्रण वाले इलाक़ों में क़रीब 15 लाख आम नागरिकों तक पहुँचने में असमर्थ हैं।

पाकिस्तान ने मानवाधिकार संगठनों के आह्वान को ठुकराया, कहा-अफगान नागरिक कार्ड धारकों मुल्क से जाना ही होगा

एजेंसी
इस्लामाबाद। पाकिस्तान से अफगान नागरिकों के निर्वासन को रोकने के मानवाधिकार संगठनों के आह्वान को संघीय सरकार ने ठुकरा दिया। गृह राज्यमंत्री तलाल चौधरी ने कड़े शब्दों में कहा कि अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों के प्रत्यावर्तन की समय सीमा में किसी भी तरह का विस्तार नहीं किया जाएगा। यह समय सीमा 31 मार्च को समाप्त हो चुकी है। एसीसी कार्ड धारक अफगानिस्तान के नागरिकों को मुल्क से जाना ही होगा।

ग़ाज़ा : ज़रूरतमन्द आबादी के लिए जीवनरक्षक सहायता सुनिश्चित करने का आग्रह

एजेंसी
संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने ग़ाज़ा पट्टी में पिछ्ले एक महीने से मानवीय सहायता आपूर्ति न होने पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुए, इसराइल से राहत क़ाफ़िलों को अनुमति देने की अपील की है. उन्होंने मंगलवार को न्यूयॉर्क मुख्यालय में पत्रकारों के साथ बातचीत में इसराइल व हमास के बीच युद्धविराम लागू किए जाने और सभी बन्धकों की बिना शर्त रिहाई का भी आग्रह किया है. इसराइली प्रशासन ने 2 मार्च को ग़ाज़ा में सहायता आपूर्ति पर पाबन्दी थोप दी थी, जिसके बाद से वहाँ भोजन, ईंधन, दवाओं व बाज़ारों के लिए सामान पहुँचाना सम्भव नहीं हो पाया है.7 अक्टूबर 2023 को हमास व अन्य हथियारबन्द गुटों द्वारा इसराइल पर हमला किए जाने के बाद ग़ाज़ा युद्ध क़रीब 15 महीने तक जारी रहा, जिसके बाद इस वर्ष जनवरी महीने में युद्धविराम पर सहमति हुई थी.मगर क़रीब दो महीने बाद, इसराइली बमबारी और ज़मीनी सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू हो गई है, जबकि हमास द्वारा इसराइली शहरों पर रॉकेट दागे जा रहे हैं.मौत का अन्तहीन चक्रयूएन के शीर्षतम अधिकारी ने क्षोभ जताया कि ग़ाज़ा में सहायता ठप हो चुकी है, और भयावह हालात की ओर ले जाने वाले दरवाज़े फिर खुल गए हैं. ग़ाज़ा एक ऐसा स्थान बन गया है, जहाँ लगातार लोगों की जान जा रही है और आम नागरिक मौत के एक अन्तहीन चक्र में हैं.उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इसराइल पर किए गए हमले के बाद से कुछ बातें स्पष्ट हैं, मुख्य रूप से यह कि युद्धविराम कारगर हैं.लड़ाई पर विराम होने के बाद बन्धकों की रिहाई हुई, ज़रूरतमन्द आबादी तक जीवनरक्षक सहायता पहुँचाई गई और यह साबित हुआ कि मानवीय सहायता समुदाय अपना दायित्व निभा सकता है. उम्मीदें हुई चकनाचूरमहासचिव गुटेरेश ने कहा कि कई सप्ताहों तक बन्दूकें शान्त रहीं, बाधाओं को दूर किया गया, लूटपाट ख़त्म हो गई और हम ग़ाज़ा पट्टी के हर हिस्से में सहायता पहुँचाने में कामयाब रहे. मगर, समझौता दरकने के साथ ही यह सब ख़त्म हो गया.उन्होंने कहा कि ग़ाज़ा में फ़लस्तीनी परिवारों और इसराइल में बन्धकों के परिवारों की उम्मीद फिर से क्षीण हो रही है, जिनसे उन्होंने सोमवार को मुलाक़ात की थी. इस वजह से, महासचिव ने फिर से सभी बन्धकों की बिना शर्त रिहाई, एक स्थाई युद्धविराम और मानवीय सहायता अभियान के लिए पूर्ण रूप से रास्ता मुहैया कराने का आग्रह किया है.उन्होंने यूएन मानवतावादी संगठनों के शीर्ष अधिकारियों द्वारा सोमवार को जारी एक संयुक्त वक्तव्य का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने उन दावों को ख़ारिज किया है, जिनके अनुसार, ग़ाज़ा में सभी का पेट भरने के लिए पर्याप्त भोजन मौजूद है.न्याय व जवाबदेहीयूएन प्रमुख ने ध्यान दिलाया कि ग़ाज़ा में एक क़ाबिज़ शक्ति के तौर पर इसराइल को अन्तरराष्ट्रीय क़ानून के तहत अपने तयशुदा दायित्वों को पूरा करना होगा.उन्होंने जिनीवा कन्वेंशन का ज़िक्र किया, जिसमें आबादी के लिए भोजन व मेडिकल सामान सुनिश्चित करने के दायित्व को निर्धारित किया गया है. साथ ही, अस्पतालों, सार्वजनिक स्वास्थ्य, साफ़-सफ़ाई समेत अन्य सेवाओं की व्यवस्था भी करनी होगी।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

राहुल गांधी ही कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी समस्या हैं : मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी पार्टी के लिए सबसे बड़ी समस्या राहुल गांधी हैं। गुजरात में कांग्रेस के अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि कांग्रेस से उन नेताओं को रिटायर हो जाना चाहिए जो अब प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। भाजपा ने खड़गे के इस बयान को राहुल गांधी के साथ जोड़ा है। भाजपा का मानना है कि खड़गे ने यह बयान राहुल गांधी के संदर्भ में दिया है।मुख्तार अब्बास नकवी ने समाचार एजेंसी बातचीत के दौरान कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सबसे पहले पार्टी से राहुल गांधी को रिटायर करना होगा क्योंकि उनकी पार्टी के लिए राहुल गांधी ही सबसे बड़ी समस्या हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे जब इसका अध्ययन करेंगे तो उन्हें पता चल जाएगा। तहव्वुर राणा को भारत लाने पर भाजपा नेता ने कहा कि जो कोई भी देश का दुश्मन है या जिसने देश के खिलाफ अपराध किया है, उसे देश के कानून के तहत सजा होगी। यह कांग्रेस के नेतृत्व वाले तुष्टिकरण का युग नहीं है, जहां देश की सार्वजनिक संपत्ति लूटने वालों को सुरक्षित मार्ग दिया जाता था।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण नए भारत के संकल्प का प्रतिबिंब: शहजाद पूनावाला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण कोई आम प्रत्यर्पण नहीं है, ये नए भारत के संकल्प का प्रतिबिंब है। इसे 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परिभाषित करते हुए कहा था। कि अगर कोई भारत की अखंडता, एकता, सुरक्षा, अस्मिता या किसी भी निर्दोष भारतवासी पर हमला करने की जुर्रत करेगा तो भारत ऐसे आतंकी को पाताल से भी खोज कर न्याय के पथ पर लाने का काम करेगा। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह मोदी सरकार की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है कि मुंबई हमले का मुख्य साजिशकर्ता और 160 से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या का दोषी, आतंकी तहव्वुर राणा को भारत लाकर न्याय के कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। यूपीए शासन में आतंक को बढ़ावा देने वाले देशों को 'एमबीएन' यानि 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' का दर्जा दिया जाता था लेकिन अब अगर उरी या पुलवामा जैसे हमले होते हैं, तो उन्हें 'एमबीएन' नहीं, बल्कि -एमटीडे? यानि 'मुंहतोड़ जवाब' का दर्जा दिया जाता है। यह वही नया भारत है, जिसकी ध्वनि 26/11 की हर बरसी पर गूंजती है कि इंडिया विल नेवर फॉरगिव, इंडिया विल नेवर फॉरगेट। चाहे वह पाताल में ही क्यों न हो, भारत आतंकियों की गर्दन पकड़ कर उन्हें न्याय के मार्ग पर लाने की ताकत रखता है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस यूपीए शासन के दौरान वोटबैंक तुष्टीकरण के लिए आतंकियों पर कार्रवाई नहीं करती थी, जिसकी सजा आतंकवाद झेलने वाले निर्दोष लोगों को मिलती थी। पूनावाला ने कहा कि पूरे भारतवर्ष का जैन समुदाय भगवान महावीर के जन्मकल्याणक, जिसे हम महावीर जयंती कहते हैं, मना रहा है।

भगवान महावीर ने हमेशा अहिंसा, सत्य, शांति और न्याय का संदेश दिया और इन्हीं सिद्धांतों को अपनाने का मार्ग दिखाया। आज उन्हीं सिद्धांतों पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में काम कर रही सुरक्षा एजेंसियों, आतंकवाद विरोधी एजेंसियों, अभियोजन और खुफिया एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह सिर्फ 138 भारतीय पीड़ितों के लिए ही नहीं, बल्कि 26/11 हमले में मारे गए अमेरिका, इजराइल, फ्रांस, जर्मनी, इटली और मलेशिया सहित 17 से 18 देशों के नागरिकों के लिए भी न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। आज तुकाराम ओंबले से लेकर मेजर संदीप उन्नीकृष्णन, हवलदार गजेंद्र सिंह से लेकर मुंबई पुलिस के वीर अधिकारी विजय सालस्कर तक, हर शहीद सुरक्षाकर्मी, हर एनसीजी कमांडो के प्रति यह भारत की भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। यह एक स्पष्ट संदेश भी है कि भारत अपने सुरक्षा कर्मियों की शहादत और बलिदान को कभी नहीं भूलेगा। पूनावाला ने कहा कि आज जब तहव्वुर राणा को भारत लाया जा रहा है तो यह दृश्य पूरी दुनिया देख रही है। यह संदेश हर उस आतंकी, साजिशकर्ता और मास्टरमाइंड के लिए है कि चाहे आप दुनिया के किसी कोने में, किसी गुप्त स्थान में क्यों न छिपे हों, मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत आपको ढूंढ निकालेगा और आपके छिपने की जगह से बाहर निकालकर न्याय के कटघरे तक लाने का कार्य करेगा। पिछले 10 वर्षों में आतंक और आतंकवाद के प्रति हमारे दृष्टिकोण में एक बड़ा बदलाव आया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी को लेकर ममता को अवमानना नोटिस

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर टिप्पणी करने को लेकर एक वकील ने अदालत की अवमानना का नोटिस भेजा है। मामला 2016 की एसएससी भर्ती प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले से जुड़ा है, जिसमें पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। इससे करीब 26 हजार अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। ममता बनर्जी ने हाल ही में एक सभा में बेरोजगार हुए अभ्यर्थियों के पक्ष में बोलते हुए कहा था कि सरकार उनकी नौकरियां वापस दिलाने का प्रयास कर रही है। इसी बयान को आधार बनाकर वकील ने अदालत की अवमानना का आरोप लगाते हुए नोटिस भेजा है। उधर इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रभावित बेरोजगारों के पक्ष में खड़ी हैं। घोष ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि मुख्यमंत्री नौकरी गंवाने वालों का समर्थन कर रही हैं और उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास कर रही हैं। इस प्रक्रिया में बाधा

डालने के लिए ही अदालत की अवमानना का नोटिस भेजा गया है। कुछ लोग कानूनी जटिलताएं खड़ी कर इस प्रक्रिया की रफ्तार धीमी करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री न्यायपालिका का सम्मान करती हैं और निष्पक्ष न्याय में विश्वास रखती हैं। पुनर्विचार की मांग करना अदालत की अवमानना नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राम-वाम वोट से नहीं जीत सकते तो कोर्ट में जटिलता पैदा करते हैं।

महिपालपुर से दिल्ली पुलिस ने एक बांग्लादेशी नागरिक को दबोचा

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने भारत में अवैध रुप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को महिपालपुर इलाके से गिरफ्तार किया। आरोपित मोहम्मद 15 वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। आरोपित को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बांग्लादेश भेजने के लिए निर्वासन केंद्र में भेज दिया गया है। एसीपी विजय सिंह ने बताया कि स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर विजय बालियान की टीम अवैध प्रवासियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। इसी कड़ी में टीम को सूचना मिली कि महिपालपुर इलाके में एक अवैध बांग्लादेशी नागरिक रह रहा है। पुलिस ने संदिग्ध मोहम्मद की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खुद को भारतीय नागरिक बताया, लेकिन सही दस्तावेज दिखाने में वह असफल रहा। जिसके बाद सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह मोंटो पुत्र मो. यूसुफ निवासी ग्राम मोलूगंज, थाना सोलुमखुला, जिला बागिरहाट, बांग्लादेश का रहने वाला है। 15 वर्ष से भारत में गैर कानूनी तरीके से रह रहा था। अधिकारी ने बताया कि कानूनी औपचारिकताओं के बाद मोहम्मद को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) निर्वासन केंद्र भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि और अधिक अवैध प्रवासियों का पता लगाने और निर्वासित करने के लिए अभियान जारी है।

इजराइली राजदूतों ने तहव्वुर राणा पर हार न मानने के लिए भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा के अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण के बाद इजराइल ने भारत सरकार की हार न मानने वाली कोशिशों की सराहना की है। इजराइल के राजदूत और राजनयिक ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति बताया है। भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अज़ार ने बयान जारी कर कहा, मैं आतंकवादियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए भारत सरकार की दृढ़ता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हम उन भयानक हमलों के लिए जवाबदेही की दिशा में उठाए गए इस कदम का स्वागत करते हैं, जिनमें इजराइलियों सहित कई लोगों की जान चली गई थी। वहीं, भारत में पूर्व इजराइली राजदूत मार्क सोफ़र ने भी आतंकी मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा पर हार न मानने के लिए भारत सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राणा के प्रत्यर्पण से आतंकवादियों को एक कड़ा संदेश जाता है कि भारत कभी हार नहीं मानेगा। उन्होंने आगे

कहा कि भारतीय सरकार और उसके अधिकारी प्रशंसा के योग्य हैं जिन्होंने हार नहीं मानी और 17 साल से ज़्यादा समय से आतंकवादियों का पीछा किया और उन्हें न्याय के कटघरे में खड़ा किया।एक अन्य पूर्व इजराइली राजदूत डेनियल कार्मोन ने भी राणा के प्रत्यर्पण पर खुशी जताई है। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा, 26/11 के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा के अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक और कानूनी जीत है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर, गृह मंत्री अमित शाह और एनएसए अजीत डोभाल और उनकी टीमों को बधाई। उन्होंने आगे कहा कि आखिरकार न्याय मिलेगा। पीड़ित परिवारों को मुंबई त्रासदी के बारे में कुछ हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में कहीं भी आतंकवादियों को कोई माफी या दया नहीं मिलेगी। राजदूत के अलावा मध्यपश्चिम भारत में इजराइल के राजनायिक कोबी शोशानी का मानना है कि राणा का भारत आना मोदी सरकार की एक बड़ी कामयाबी है। शोशानी ने कहा, मैं भारत सरकार को बधाई देना चाहूंगा क्योंकि यह निश्चित रूप से मोदी सरकार, भारतीय कूटनीति के लिए एक बड़ी सफलता है। वर्षों की कोशिशों के बाद उसे भारत लाया जा सका है। इस घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नरेन्द्र मोदी के बेहतर रिश्ते की भी भूमिका रही है।

भाजपा 20 अप्रैल से 5 मई तक देशभर में 'वक्फ सुधार जनजागरण अभियान' चलाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी देशभर में 20 अप्रैल से लेकर 5 मई तक वक्फ सुधार जनजागरण अभियानचलाएगी। इसका उद्देश्य कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के झूठ का पर्दाफाश कर मुस्लिम भाई-बहनों को इस कानून की सच्चाई एवं लाभ से परिचित कराना है। इस संबंध में भाजपा केन्द्रीय कार्यालय में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें नेताओं को इस अभियान के बारे में जानकारी दी गई। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि केंद्रीय कार्यालय में आयोजित वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 के माध्यम से वक्फ की जमीनों के बेहतर प्रबंधन, पारदर्शिता व सदुपयोग सुनिश्चित करती है। इस कानून के उपरांत वक्फ की संपत्ति का उपयोग गरीब मुसलमानों को विशेषाधिकार देने के साथ ही उनकी

शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित कराने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। जेपी नड्डा ने कहा कि हमारे गरीब मुस्लिम भाई-बहनों को लंबे समय से बरगलाने वाले कांग्रेस और उसके सहयोगी दल तुष्टीकरण की राजनीति से ग्रसित हैं। वक्फ बिल को लेकर मुस्लिम समुदाय को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी देशभर में 20 अप्रैल से लेकर 5मई तक वक्फ सुधार जनजागरण अभियान चलाएगी। इसके जरिये हमारे कार्यकर्ता कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के झूठ का पर्दाफाश कर मुस्लिम भाई-बहनों को इस कानून के सत्य व लाभ से परिचित कराएंगे। उल्लेखनीय है कि देश में नया वक्फ कानून लागू हो चुका है। केंद्र सरकार ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। 8 अप्रैल को वक्फ संशोधन बिल लागू होने से पहले विधेयक को संसद के दोनों सदनों से पास होने के लिए भेजा गया था।

रोजगार प्रोत्साहन योजना परझ्र राहुल गांधी ने पीएम मोदी से पूछा सवाल

नई दिल्ली, 11 अप्रैल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को रोजगार प्रोत्साहन योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछा। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी रोज नए नारे गढ़ते हैं, लेकिन युवा अब भी वास्तविक अवसरों का इंतजार कर रहे हैं। क्या यह एक और जुमला है? एक्स पर पोस्ट में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद पीएम मोदी ने जोर-शोर से रोजगार प्रोत्साहन योजना की घोषणा की थी। इसमें युवाओं को रोजगार देने का वादा किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि योजना की घोषणा किए लगभग एक साल हो गया है। मगर सरकार ने इस पर अब तक कुछ नहीं किया। योजना के लिए आवंटित किए गए 10,000 करोड़ रुपये भी वापस कर दिए गए हैं। इससे साफ है कि प्रधानमंत्री बेरोजगारी को लेकर कितने गंभीर हैं। राहुल गांधी ने कहा कि केवल बड़े कॉरपोरेट्स पर ध्यान केंद्रित करके, निष्पक्ष व्यापार की बजाय मित्र राष्ट्रों को बढ़ावा देकर, उत्पादन की बजाय असेंबली को प्राथमिकता देकर और भारत के स्वदेशी कौशल की उपेक्षा करके नौकरियां पैदा नहीं की जा सकतीं। करोड़ों नौकरियां सृजित करने का तरीका एमएसएमई में बड़े पैमाने पर निवेश, निष्पक्ष बाजार, स्थानीय उत्पादन नेटवर्क को समर्थन और सही कौशल वाले युवा ही हैं।

डीपीडीपीए का मकसद सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता के साथ निजता मजबूत करना: अश्वनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम (डीपीडीपीए) को लेकर जताई गई शंकाओं का जवाब दिया है। उनका कहना है कि अधिनियम सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता बनाए रखते हुए गोपनीयता की आवश्यकता को सुसंगत बनाता है। डीपीडीपी अधिनियम की धारा 3 के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है। जयराम रमेश ने केन्द्रीय मंत्री को पत्र लिखकर कहा था कि डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 की धारा 44(3) वस्तुतः सूचना अधिनियम, 2005 के तहत मिले अधिकारों को समाप्त कर देगी। उन्होंने इस धारा को रोकने, समीक्षा करने और हटाए जाने का आग्रह किया था।इसके जवाब में मंत्री वैष्णव ने कहा कि यह

संशोधन व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक करने से नहीं रोकता बल्कि इसका उद्देश्य गोपनीयता अधिकारों को मजबूत करना और कानून के संभावित दुरुपयोग को रोकना है। कानूनी दायित्वों के तहत जरूरी जनप्रतिनिधियों और मनरेगा जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों से जुड़ी व्यक्तिगत जानकारी आरटीआई अधिनियम के तहत सार्वजनिक की जाती रहेगी। वैष्णव ने अपने जवाब में पुट्टस्वामी मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का जिक्र किया है। कोर्ट ने कहा था कि निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकार के रूप में संरक्षित जीवन के अधिकार का एक अभिन्न अंग है। निजता का यह अधिकार व्यक्तिगत सूचना की सुरक्षा से निकटता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इसी को देखते हुए नागरिक समाज और व्यापक परामर्श प्रक्रिया के दौरान सूचना के अधिकार और निजता के अधिकार के बीच सामंजस्यपूर्ण प्रावधानों की आवश्यकता पर जोर दिया गया था।

गोकुलपुरी हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली।उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में प्रेम-प्रसंग से नाराज भाइयों द्वारा बहन के प्रेमी की चाकू से गोदकर हत्या करने के मामले में पुलिस टीम अन्य आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि उनके बेटे के ऊपर चार लोगों ने हमला किया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए भी पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में कर लिया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि अभी तक जांच में दो ही आरोपित सामने आए है। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच के दौरान अगर किसी ओर की भूमिका सामने आयेगी तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं मृतक हिमांशु की मां लक्ष्मी ने आरोपितों के खिलाफ फांसी की मांग की है। उल्लेखनीय है कि सोमवार देर रात गोकुलपुरी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक को चाकू मार दिया है। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीपुलिस ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

NAME CHANGE

I hitherto known as KULDEEP SINGH s/o ISHWAR SINGH r/o 203,Dada wali Gali, Village Bagdola, Sector -8, Dwarka Bagdola, South West Delhi -110077 have changed my name and shall hereafter be known as KULDEEP YADAV.

NAME CHANGE

I, SACHIN S/o CHANDER PAL SINGH R/o B-150, JHARERA VILLAGE, DELHI CANTT, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110010, have changed my name from SACHIN to SACHIN KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JC-735596W Rank-NB/SUB Name-NISHANT KUMAR residing at VILL-DAUDBAT, PO-SAHJATPUR, TEHSIL-JAGDISHPUR, DIST-BHAGALPUR, BIHAR-812005, have changed my minor son's name from NISCHAL to NISCHAL KUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 11/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MANOJ KUMAR S/O KEWAL KRISHAN , residing at 21B 1ST FLOOR RAMESH NAGAR DELHI-110015. have changed my name to MANOJ AGGARWAL for all future purpose

NAME CHANGE

I, Gaurav Sahai s/o Shanti Prasad Sahai r/o RA-8, Ground Floor, Inderpuri, New Delhi - 110012 have changed my name to GOURAV SAHAI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, VAISHALI GARG W/O CHANDER SHEKHAR, residing at 9/4719, F/F, OLD SEELAMPUR GANDHI NAGAR, EAST DELHI-110031. have changed my name to VAISHALI AGGARWAL for all future purpose

PUBLIC NOTICE

Transfer of Allotment Rights

Notice for transfer of allotment rights in Respect of Unit No 901, Tower J, Project Name SS Coralwood, Sector 84, Gurugram (Haryana) Consequent upon intestate death of Ramesh Kumar Narang who was the allottee of the Subject cited property as per record died on 13th-AUG-2022 and has no registered or un-registered will, Leaving behind following Legal heirs.

1. Usha Narang
2. Sachin Narang
3. Sheetal
4. Mohit Narang

Who intended to apply for transfer of the said unit being the legal heirs and Request for transfer in the name of Mr. Mohit Narang. If any person having any objection against the transfer of the said unit He/She can submit objections in writing at the below mentioned address along with supporting documents within 30 days from the day of Publications of the notice, otherwise the company, i.e. M/S SS Group Pvt Ltd, may accord Permission as per company policy and may not entertain subsequent claim if any.

LEGAL PRIDE LLP
Office: S-553-54, Gautam Complex, School Block, Shakarpur, Delhi-110092
legalpride1947@gmail.com, Mob.9654780108

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना आम जनता को दी जाती है कि मेरे मुवक्किल श्री मसूद अशरफ, पुत्र स्वर्गीय शुजात अशरफ, निवासी गली नं. 2/3, चौथी मंजिल, हाथीवाला के पास, संगम विहार, वजीराबाद, दिल्ली-110084, ने श्री अमित मल्ला, पुत्र श्री ए.के. मल्ला, निवासी एफ-150, बी.के. दत्त कॉलोनी, नई दिल्ली-110003 को अपना अटॉर्नी होल्डर बनाया है और साथ ही 19.01.2021 को उनके पक्ष में लाल डोरा संपत्ति संख्या 1151/3, महरौली, नई दिल्ली के संबंध में नई दिल्ली, भारत में निष्पादित एमओयू, वसीयत का विलेख भी निष्पादित किया है, जिसका क्षेत्रफल 11.5 बीघा और 8.5 बीघा है। इस नोटिस के माध्यम से, मेरे मुवक्किल ने श्री अमित मल्ला के पक्ष में निष्पादित दिनांक 19.01.2021 के उपरोक्त सभी दस्तावेजों को रद्द कर दिया है और उनसे खुद को वापस ले लिया है। अब, श्री अमित मल्ला मेरे मुवक्किल के अटॉर्नी होल्डर नहीं हैं और इसलिए, श्री अमित मल्ला को मेरे मुवक्किल की ओर से उक्त अटॉर्नी के माध्यम से दिए गए किसी भी कार्य, विलेख या सौदा करने से परहेज करने का निर्देश दिया जाता है। अटॉर्नी, वसीयत, एमओयू दिनांकित 19.01.2021 रद्द किया जाता है।

अनुभव अग्रवाल (एडवोकेट)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आकाश उर्फ सोनू, पुत्रः** श्री जेवा मनाद, **पता** : आर सी नं. 72, गली नं. 14, प्रगति विहार, खोड़ा कॉलोनी, गाज़ियाबाद (उ.प्र.) ने मुकदमा **FIR No. 65/2012 U/s 411 / 379 / 356 / 34 IPC, थानाः गाजीपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आकाश उर्फ सोनू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आकाश उर्फ सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 65/2012 U/s 411 / 379 / 356 / 34 IPC, थानाः गाजीपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **आकाश उर्फ सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सचिन
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी—03
कमरा नं. 16, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4522/ED/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रदीप कुमार, पुत्र श्री दीप चंद निवासी मकान नं. बी-51, बहता हाजिपुर, गाजियाबाद, उ.प्र.** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 292/02, भा.द.सं. की धारा 279/338 के तहत, थाना विवेक विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **प्रदीप कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **प्रदीप कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 292/02, भा.द.सं. की धारा 279/338 के तहत, थाना विवेक विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **प्रदीप कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.05.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री स्वाती शर्मा
एलडी. मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4477/SHD/2025

PUBLIC NOTICE

It is informed to public at large that my client Virender Singh Malhotra S/o Late Sh. Malik Roop Chander Singh Malhotra R/o 1/90, Subhash Nagar, New Delhi and he is co-owner and in possession of 1/90, Subhash Nagar, New Delhi for past several years and my client cancelled the Agreement dated 17-12-2024 of Mrs. SEEMA DUA W/O RAJEEV DUA R/O 894A HIG-2, SEC.29, FARIDABAD, HARYANA-121008 and GAURAV SIKKA and on 15-1-2025 they illegally taken signature under and the said agreement/documents are false, forged and fabricated and the said persons have no right, title over the said property of my client and my client already given complaints against them and further initiate action in civil as well as criminal against them and if anyone deals with him which will be at his/her own risk and consequences and my client will not be responsible for his/her/their acts.

Sumit Gaba
Advocate T-7,
Tis Hazari Courts Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री रोहित यादव एवं श्रीमती अंजू यादव संपत्ति संख्या 380/3, माप 100 वर्ग गज, जो कि खसरा संख्या 13381/10049/7085/5398/4227/1712 से संबंधित है, जो ग्राम गुरुग्राम, जो अब प्रेम नगर कॉलोनी के नाम से जाना जाता है, नगर निगम गुरुग्राम की सीमा में, तहसील एवं जिला गुरुग्राम में स्थित है, को श्रीमती ममता एवं श्री शेर सिंह से खरीदने का इरादा रखते हैं। श्रीमती ममता एवं श्री शेर सिंह ने उपरोक्त संपत्ति को श्रीमती सुमन एवं श्रीमती रमा से दिनांक 16.06.2014 को पंजीकृत बिक्री विलेख के माध्यम से खरीदा था। उक्त संपत्ति को बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, दूसरी मंज़िल, स्ट्ह-6, सेक्टर-14, पुरानी दिल्ली-गुरुग्राम रोड, गुरुग्राम, हरियाणा-122001 द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। निम्नलिखित मूल श्रृंखला दस्तावेज़ (चेन डॉक्यूमेंट) खो गया है- मूल बिक्री विलेख दिनांक 30.07.2012, जो पंजीकरण संख्या 10782, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 13008/2290, पृष्ठ संख्या 106/96-97 पर दिनांक 30.07.2012 को उप-पंजीयक कार्यालय, गुरुग्राम में पंजीकृत किया गया था, जो उपरोक्त संपत्ति से संबंधित है। , जिसका एलआर संख्या है- 20250000244267 दिनांक 10.04.2025 को पुलिस कंप्यूटर केंद्र, तकनीकी सेवा मुख्यालय, लखनऊ में। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शकील खान, पुत्र** : शबीर खान, **पताः** मकान नं. 21ए, 10 फुटा रोड, बुध विहार, शनि बाज़ार, विजय नगर, गाजियाबाद, उ.प्र. ने कोर्ट मुकदमा सं **3075/2017** और **FIR No. 315/2016 U/s 498A / 406 / 34 IPC, थानाः गाज़ीपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शकील खान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शकील खान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि कोर्ट मुकदमा सं **3075/2017** और **FIR No. 315/2016 U/s 498A / 406 / 34 IPC, थानाः गाज़ीपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शकील खान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
रीतिका कंसल
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी (महिला कोर्ट—02)
कोर्ट नं. 24, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4570/ED/2025
(Court Matter)

ऋण वसूली न्यायाधिकरण—II, दिल्ली के समक्ष।
चौथी मंजिल जीवन तारा बिल्डिंग पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली—110001।
बैंक और वित्तीय संस्थानों को देय ऋण वसूली अधिनियम 1993 की धारा 19(4) के तहत नोटिस, ऋण वसूली न्यायाधिकरण के नियम 12 और 13 के साथ पढ़ा गया (प्रक्रिया नियम) 1993) के मामले में

फा. 1486/2023 — दिनांकः 20.12.2024

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड — बनाम — आवेदक
मेसर्स एसएसवीएस ट्रांसलॉजिटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और अन्य — प्रतिवादी

प्रतिवादी को

डी 1. मेसर्स एसएसवीएस ट्रांसलॉजिटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हाउस नंबर 598 स्ट्रीट नंबर 39ई ब्लॉक ई—1 मोलरबैंड एक्सटेंशन बदरपुर दिल्ली 44 इसके अलावा हाउस नंबर 662 लव कुश मार्केट में राज कंपाउंड के पास केआई स्टील कंपनी के सामने लाल कुआं गाजियाबाद यूपी—201001 **डी 2.** श्रीमती सोनू कुमारी सिंह हाउस नंबर 598 स्ट्रीट नंबर 39ई ब्लॉक ई—1 मोलरबैंड एक्सटेंशन बदरपुर दिल्ली — 44 **डी 3.** श्री हरि किशोर सिंह लोहिजरा लोहत्रा गोपाल गंज बिहार —841423

जबकि उपर्युक्त आवेदक (ओं) ने रुपये की वसूली के लिए मामला दर्ज किया है। आपके विरुद्ध **रु. 24,77,027.11/— (रुपये चौबीस लाख सतहत्तर हजार सत्ताईस और ग्यारह पैसे मात्र)** का मामला दर्ज किया गया है और जहां न्यायाधिकरण की संतुष्टि के लिए यह दर्शाया गया है कि सामान्य तरीके से आपको इसकी तामील करना संभव नहीं है, इसलिए यह नोटिस विज्ञापन द्वारा दिया जा रहा है जिसमें आपको निर्देश दिया गया है कि आप न्यायाधिकरण में **दिनांक 05.05.2025 को प्रातः 11.00 बजे** उपस्थित हों। कृपया ध्यान दें कि उल्लिखित दिन से पूर्व आपकी उपस्थिति में चूक होने पर मामले की सुनवाई और निर्धारण आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा। सभी मामलों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या भौतिक रूप से उठाया जाएगा और उस उद्देश्य के लिएः — (i) सभी वकील / मुकदमेबाज "सिस्को वेबएक्स" एप्लिकेशन ध सॉफ्टवेयर डाउनलोड करेंगेः (ii) माननीय पीठासीन अधिकारी / रजिस्ट्रार द्वारा लिए जाने वाले मामलों की सुनवाई की तारीख के लिए "मीटिंग आईडी" और पासवर्ड को डीआरटी आधिकारिक पोर्टल यानी कतज.हवअ.पद पर दैनिक कारण सूची में प्रदर्शित किया जाएगा। (iii) किसी भी आपात स्थिति में वकील ध मुकदमेबाज संबंधित अधिकारी से फोन नंबर 23748478 पर संपर्क कर सकते हैं। ट्रिब्यूनल के मेरे हस्ताक्षर और मुहर के तहत यह 20 दिसंबर, 2024 को ट्रिब्यूनल के आदेश से दिया गया,

अनुभाग अधिकारी डीआरटी— II, दिल्ली

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रोहित, पुत्रः** श्री विनोद झा, **पता** : मकान नं. ई—9, न्यू विकास नगर, संतोष इंटर कॉलेज के सामने, लोनी, गाजियाबाद, (उ.प्र.) ने मुकदमा **FIR No. 261/2020 U/s 379 / 356 / 411 IPC, थानाः विवेक विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रोहित** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रोहित** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 261/2020 U/s 379 / 356 / 411 IPC, थानाः विवेक विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रोहित** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री स्वाति शर्मा
मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4490/SHD/2025
(Court Matter)

NAME CHANGE

I, Ankit Gupta R/o A3/24C, Green Appartments, Paschim vihar, New Delhi -110063,have changed the name of my Daughter's namely Ira Gupta to Iraa Gupta and she shall hereafter be known as Iraa Gupta for all purpose

NAME CHANGE

I, No-15812080H Rank-HAV Name-MAHENDRA SINGH RAJPOOT residing at VILL-BHATERA CHOUKI, WARD NO-2, PUMP HOUSE ROAD, DIST-BALAGHAT, MADHYA PRADESH-481001 have changed my minor son's name from KRISHNA RAJPOOT to KRISHNA RAJPUT for all future purposes vide Affidavit dated 11/04/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, VINITA RAJPOOT Wife of No-15812080H Rank-HAV Name-MAHENDRA SINGH RAJPOOT residing at VILL-BHATERA CHOUKI, WARD NO-2, PUMP HOUSE ROAD, DIST-BALAGHAT, MADHYA PRADESH-481001, have changed my name from VINITA RAJPOOT to VINITA RAJPUT for all future purposes vide Affidavit dated 11/04/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I Rajesh Morya Army No 14668328N c/o Nandrm Morya 136/A seetala Mata chauraha jhuggee jhopadee Mandsaur Madhya Pradesh pin 458001 inform that the date of Birth of My wife Sangeeta Morya has been mentioned wrongly as 18/9/1988, whereas the correct Date of Birth is 08/10/1987 in my official record , which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, D Shivraj alias shivraj S/O Deepak R/O A-170/A, Madrasi Camp Jal Vihar Lajpat Nagar South Delhi 110024 Have changed my name to Shivraj Deepak for all future purposes.

तावडू में दुकानों तथा अन्य प्रतिष्ठानों के अलावा रेहडियों पर छोटे-छोटे बच्चे कार्य कर रहे, प्रशासन मौन

एजेंसी

तावडू। विश्व बालश्रम निषेध दिवस व अन्य योजनाओं पर सरकार पानी की तरह पैसा बहा रही है। लेकिन धरातल पर इसका असर नहीं हो पा रहा। क्षेत्र में शासन-प्रशासन जानकर भी अनजान बना है। नगर व क्षेत्र में चाय की दुकान, होटलों पर, मैकनिक की दुकान, कपडे की दुकान व परचून की दुकानों तथा अन्य प्रतिष्ठानों के अलावा रेहडियों पर छोटे-छोटे बच्चे कार्य कर रहे हैं। विश्व बालश्रम निषेध दिवस के दिन भी इन बच्चों को बाल मजदूरी करते देखा गया। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय कैबिनेट ने बालश्रम कानून में संसोधन कर 14 वर्ष तक के बच्चे से कार्य कराने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है और 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों को खतरनाक उद्योगों में काम करने पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई हुई है। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आई एल ओ) के प्रस्ताव 138 व 182 का अनुपालन सुनिश्चित कर दिया है। कानून में संशोधन से बाल श्रम पर रोक लगनी चाहिए। लेकिन प्रशासन की लापरवाही से क्षेत्र में बाल श्रम उन्मूलन कानून की धज्जियां उड रही हैं। क्षेत्र में अब नौनिहालों का जीवन गर्त में जा रहा है। क्षेत्र के नौनिहाल जिनका अभी पढने व खेलने का समय है, लेकिन कुछ नौनिहालों के हाथ में कटौरा देख लोगों का मुहं शर्म से झुक जाता है। चाइल्ड राइटस एंड यू क्राई द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट में भी जनगणना आंकडों के हिसाब से देश में 5 से 18 वर्ष की उम्र का गयारवां बच्चा बाल मजदूरी कर रहा है।

तावडू में ट्रकों से सरिया चोरी करने वाले 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी

तावडू। उपमंडल के गांव सुनारी के समीप से पुलिस ने सूचना पर ट्रकों से सरिया चोरी करने वाले 5 लोगों को काबू कर लिया। पुलिस ने नामजद 5 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस क्राईम की रोकथाम के लिए गांव खोरी कलां बस स्टैंड पर मौजूद थी कि सूचना मिली कि कई ट्रक चालक एसबीएस कम्पनी खुसखेडा राजस्थान से सरिया लोड करके सोहना की तरफ जाते हैं और यह चालक अपने मालिक व कम्पनी के मालिक को बिना बताए चोरी से अपने ट्रकों से सरिया लिपिन स्कूल के सामने खाली प्लाट मे नामपता नामालुम व्यक्ति ट्रकों से सरिया उत्तारकर बेचकर चोरी करते है। पलिस ने सूचना पर बताए गए स्थान पर रेड मारी। जहा पर एक ट्रेलर में लोड सरियो में से बंडल सरिया 20 एमएम को 3 व्यक्ति ट्रैक्टर की सहायता से लोहे के बेल से खींचकर उतारते हुए दिखाई दिए। जिनको पुलिस ने काबू कर लिया। जिन्होंने अपनी पहचान जिला नूंह के गांव कोटला निवासी अजहर, दूसरे व्यक्ति ने अपनी पहचान सारे खुर्द निवासी सद्दाम के रूप में कराई। तीसरे व्यक्ति ने अपनी पहचान गांव सुनारी निवासी सगीर के रूप में कराई, वहीं चौथे व्यक्ति ने अपनी पहचान भी गांव सुनारी निवासी नियामत के रूप में कराई। वही पूछताछ पर चोरी शुदा सरिया सुनारी निवासी आबिद को बेचना बतलाया। पुलिस ने उक्त नामजद लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

जले की सुल्तानपुर झील के आस-पास अवैध निर्माण करने की लगी है होड़

गुरुग्राम। साइबर सिटी से मात्र करीब 15 किलोमीटर की दूरी पर फर्रुखनगर-गुरुग्राम मार्ग पर स्थित सैकड़ों एकड़ में फैला सुल्तानपुर झील राष्ट्रीय पक्षी उद्यान के आस-पास दिन-प्रतिदिन अवैध निर्माण होने के कारण पक्षी प्रेमियों में उपायुक्त से गुहार लगाई है। गौरतलब है कि गुरुग्राम-फर्रुखनगर मार्ग स्थित सुल्तानपुर राष्ट्रीय पक्षी उद्यान पर न केवल देशी, बल्कि हजारों किलोमीटर अपनी उड़ा भरकर विदेशों से भी सैकड़ों पक्षी मौसम परिवर्तन के दौरान सुल्तानपुर झील में देखे जाते हैं। जिनका दीदार करने के लिए दिसम्बर जनवरी माह में दूर दूर से लोग आकर पक्षियों को निहारते हैं तथा खुशी का अनुभव महसूस करते हैं। नियम के अनुसार सुल्तानपुर झील से 300 मीटर की परिधि के दायरे में किसी प्रकार के निर्माण कार्य पर सरकार द्वारा रोक लगाई गई है, लेकिन इसके बावजूद भी इस दायरे में न केवल अवैध निर्माण किया हुआ है, बल्कि बंगले व फार्म हाउस भी बनाए हुए हैं। नियम के अनुसार इस क्षेत्र के आस-पास रहने वाले व्यक्तियों जिनकी पुस्तैनी जमीन है, उन लोगों को ही मकान बनाने की अनुमति दी जाती है।

स्वस्थ माता ही स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है: डा. तमन्ना

कनीना। प्रधानमंत्री सुरक्षा मातृत्व योजना के तहत आज लगने वाले कैंप में आई गर्भवती महिलाओं की जांच कर उनको निशुल्क परामर्श भी दिया गया। उक्त जानकारी देते हुए डा. तमन्ना ने बताया हर महीने की 9 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षा मातृत्व योजना के तहत गर्भवती महिलाओं की जांच कर उनको निशुल्क दवाइयां वितरित की जाती है, ताकि उनका वह उनके पेट में पल रहे शिशु को स्वस्थ रखा जा सके। इसी कड़ी में आज लगभग 118 महिलाओं की जांच कर उनको दवाई दी गई। उन्होंने यह भी बताया कुछ महिलाओं में खून की कमी पाई गई उनको हरी सब्जी फल अंडे दूध का प्रयोग करने की सलाह दी गई।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी के विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों संग की बैठक

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने वीरवार को अपने शास्त्री कॉलोनी निवास स्थान पर रेलवे विभाग, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग, एनएचएआई व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ अम्बाला छावनी से सम्बंधित चल रही परियोजनाओं बारे समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बीते कल उन्होंने अम्बाला छावनी में चल रही परियोजनाओं के तहत रिंग रोड, टांगरी नदी से मिट्टी की खुदाई कार्य का, शहीदी स्मारक व अन्य जगहों का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान उन्हें सम्बंधित कार्यो के तहत कुछ कमियां नजर आई, जिस बारे आज बैठक लेकर इन कमियों को दूर करते हुए कार्यों को तेजी से करने बारे निर्देश दिए हैं।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि टांगरी नदी से मिट्टी (6 फुट) खुदाई के कार्य के तहत सरकार, एनएचएआई व एमसी का एमओयू हुआ हैं। इस समझौते के तहत यहां से (6 फुट) जो मिट्टी

उठाई जाएगी वह राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्य के लिए प्रयोग होगी। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे यहां पर लेवल के तहत यहां से मिट्टी उठान का जो कार्य किया जा रहा है उस गतिविधि पर पूरी नजर रखे। लेवल अनुसार ही यहां से मिट्टी का उठान होना चाहिए। टागरी नदी के तहत चंदपुरा से लेकर जहां तक मिट्टी उठान का कार्य होगा वह एक समान लेवल पर होना चाहिए। यानि नदी की चौड़ाई एक जैसी होनी चाहिए। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने बैठक के दौरान यह भी कहा कि टांगरी नदी की जमीन के तहत कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा किया हुआ हैं। लगभग 108 एकड़ जमीन की म्यूटेशन एमसी के नाम हैं। इसके तहत सिंचाई विभाग, नगर परिषद व पुलिस को लेकर जिसने भी अवैध रूप से इस जमीन पर कब्जा किया हुआ है उसे वहां से हटवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि टांगरी नदी से 6 फुट मिट्टी उठवाने का मकसद यहीं है कि यह गहरी हो सके और वर्षा के दिनों में जो जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है वह न हो। खुदाई के कार्य के तहत संबंधित विभागों का एक-एक कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहें ताकि नियमानुसार ही मिट्टी का उठान हो सकें। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को यह भी कहा कि दोनों साईडों पर लेवल सम्बधी निशान लगवाना सुनिश्चित करें ताकि 6 फुट से ज्यादा मिट्टी का उठान न हो सकें। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने बैठक के अध्यक्षता के तहत लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से बंधे वाली सडक़ के चौड़ाकरण के कार्य की प्रगति बारे जानते हुए उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए कि यहां पर 6 फुट सडक़ को चौड़ा करने का जो प्रावधान है उसे करना सुनिश्चित करें।

सोनीपत में भगवान महावीर जयंती का पर्व धूमधाम एवं श्रद्धा से मनाया गया

सोनीपत। अहिंसा, शांति, करुणा, प्रेम और सहयोग का सन्देश देश-दुनिया को देने वाले भगवान महावीर जयंती का पर्व धूमधाम एवं श्रद्धा से मनाया गया। जैन मंदिरों में सुबह भगवान की शांति धारा के बाद पालकी यात्रा एवं शोभा यात्रा निकाली गई जिसमे जैन धर्मावलम्बी नाचते गाते भगवान के भक्ति गीत गाते चल रहे थे। कार्यक्रमों में मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे नगर निगम मेयर राजीव जैन एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन ने सेक्टर 15 में झंडी दिखाकर पालकी यात्रा का शुभारम्भ करने के बाद कहा कि सफल एवं सार्थक जीवन के लिए भगवान महावीर सी गुणवत्ता जन-जन में स्थापित करने और महावीर को जीवन का हिस्सा बनाने और उसमे ढलने का प्रयास करें। राजीव जैन ने आगे कहा कि करोना काल में ब्रिटैन की संसद में करोना से मुक्ति के लिए नवकार मन्त्र का जाप और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नवकार मन्त्र दिवस के अवसर पर दिया गया सन्देश पानी बचाने, एक पेड़ माँ के नाम लगाने, स्वच्छता, वोकल फॉर लोकल, देश दर्शन, प्राकृतिक खेती, स्वस्थ जीवन शैली, योग एवं खेल जीवन में लेन तथा गरीबों की सहायता के नो संकल्प हमें जीवन में अपनाने होंगे यही भगवान महावीर के जन्म कल्याणक मानाने की सार्थकता है।

कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने बरवाला अनाज मंडी का निरीक्षण किया

अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के दिए निर्देश

एजेंसी

हिसार। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर सिंह गंगवा ने आज हिसार के बरवाला की

अनाज मंडी का निरीक्षण कर रबी फसल खरीद प्रबंधन का जायजा लिया। कैबिनेट मंत्री ने किसानों व व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के तुरंत समाधान के निर्देश दिए और सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों को फसल बेचने में किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद की जा रही है और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी का स्पष्ट निर्देश है कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी हर समस्या के निराकरण के लिए तत्पर है। उन्होंने किसानों से कहा कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़े तो वे तुरंत उन्हें सूचित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखी जाए और किसानों के भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी न हो। निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने बरवाला मंडी में आधुनिक सुविधाएं बढ़ाने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और किसानों की सुविधा के लिए और बेहतर प्रबंधन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा के किसान समृद्ध हों और उन्हें उनकी मेहनत का पूरा लाभ मिले।

हिसार में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात होंगे 11 आईपीएस व 37 डीएसपी

एजेंसी

हिसार। संविधान निर्माता डॉ. भीमराम आंबेडकर जयंती पर हिसार एयरपोर्ट का लोकार्पण करने आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियां में सुरक्षा एजेंसियां लगी हुई है। इसके साथ ही हरियाणा पुलिस ने भी पीएम दौरे के दृष्टिगत सुर?क्षा व्यवस्था बनानी शुरू कर दी है। जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतीक गहलोत ने बताया कि पीएम दौरे के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए है। सुरक्षा के तहत रैली स्थल के आसपास नाकाबंदी की गई है और रैली में आने वाले आमजन की

सुविधा के लिए पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के आगमन पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए 11 पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी, 37 डीएसपी सहित लगभग 2500 पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। पंडाल में प्रवेश करने वालो की चेकिंग के लिए डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर लगाए गए है। साथ ही एचएचएमडी सहित पुलिस कर्मचारियों की नियुक्ति भी की गई है, जहां हर व्यक्ति की गहनता से जांच की जाएगी। ये रहेगी पार्किंग व्यवस्थाअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों के लिए पार्किंग व्यवस्था की गई है। सिरसा, बरवाला और बगला की तरफ से आने वालों के लिए पुलिस लाइन एरिया, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, महिला कॉलेज, वॉटर वर्क्स पर पार्किंग व्यवस्था की गई है। हांसी, रायपुर और मिर्जापुर की तरफ से आने वालो के लिए एमजी क्लब के पास, एचटीएम मिल की खाली जगह, गवर्मेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज में पार्किंग व्यवस्था की गई है। साथ ही जींद, बरवाला, नरवाना और तलवंडी राणा से होकर आने वाले आगंतुकों के लिए एयरपोर्ट के पीछे पार्किंग व्यवस्था की गई है।

धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को चार हजार रुपये प्रति एकड़ की दे रहें सब्सिडी : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि धान की सीधी बिजाई (डीएसआर) अपनाने वाले कृषकों के लिए हरियाणा सरकार 4000 रुपये प्रति एकड़ की सब्सिडी दे रही है। खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा पूरे देश में यह सबसे अधिक राशि है। पारंपरिक रोपाई विधियों के विपरीत, जिसमें अत्यधिक पानी की आवश्यकता होती है, डीएसआर में पौधों को रोपाई करने की जरूरत नहीं होती और पानी की खपत एवं श्रम लागत भी कम होती है। कृषि मंत्री राणा दिल्ली के पूसा संस्थान के एपी शिंदे सभागार में आईआईटी दिल्ली के उन्नत भारत अभियान के तहत काउट्रिशन फाउंडेशन एवं एग्रीटेक इनोवेशन सोशल फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय किसान कुंभ-2025 के समापन सत्र

में संबोधित कर थे। इस मौके पर किसान कुंभ आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों के साथ देशभर से आए किसानों और आयोजन समिति के सदस्यों का आभार जताया। कृषि मंत्री राणा ने कहा कि अनाज भंडारण में देश के साथ सबसे बड़ा योगदान हरियाणा व पंजाब में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब भारत अनाज को आयात करने वाला देश नहीं, बल्कि निर्यात करने वाला, दुनिया में सबसे अधिक खाद्य उत्पादन करने वाला दूसरा देश बन चुका है। कृषि मंत्री ने कहा कि अब सबसे बड़ी चुनौती जमीन को बचाने की है, रासायनिक खेती से बचने की है। इसकी वजह से कैंसर जैसे भयानक रोग बढ़ रहे हैं। इसका इलाज है प्राकृतिक और जैविक खेती। इससे कृषक समाज की लागत कम होगी और आर्थिक स्थिति भी सुधरेगा। इस मौके पर उन्होंने किसानों कहा कि खेती के साथ जल बचाना भी हमारा लक्ष्य है। हरियाणा सरकार इसके लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

आरती सिंह राव ने शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

रेवाड़ी। गांव भालखी माजरा के वीर सपूत जगुआर विमान हादसे में शहीद हुए भारतीय वायुसेना के जांबाज फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव को श्रद्धांजलि देने के लिए हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव आज उनके निवास स्थान सेक्टर 18, रेवाड़ी पहुंचीं। उन्होंने शहीद के परिवार से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और प्रदेश सरकार की ओर से गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं। मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि सिद्धार्थ यादव जैसे वीर सपूत देश की असली पहचान होते हैं। उन्होंने बताया कि 2 अप्रैल की रात एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान जब जगुआर विमान में तकनीकी खराबी आई, तब फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव ने अदम्य साहस दिखाते हुए अपने को-पायलट को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। इसके बाद उन्होंने विमान को घनी आबादी वाले इलाके से दूर ले जाकर लेंड कराया, जिससे सैकड़ों लोगों की जान बच गई, लेकिन स्वयं अपने प्राणों की आहुति दे दी। स्वास्थ्य मंत्री

ने कहा कि हमारा यह क्षेत्र हमेशा से ही वीरों की धरती रहा है और शहीद सिद्धार्थ ने उसी गौरवशाली परंपरा को निभाते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव की अमर गाथा सदैव देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी और उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। उन्होंने कहा कि शहीद के परिजनों द्वारा रखी गई मांगों को सरकार के समक्ष रखा जाएगा और उन्हें पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की जानकारी दी, नशे के खिलाफ जागरूक किया

एजेंसी

कनीना। दौंगड़ा अहीर चौकी इंचार्ज, चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कम सचिव व जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण की टीम द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दौंगड़ा अहीर में साइबर फ्रॉड के खिलाफ जागरूकता एवं कानूनी सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य अमर सिंह ने की। कार्यक्रम की संयोजिका कानूनी साक्षरता मंच की प्रभारी रेणु रही और मंच संचालन प्रवक्ता नीरज ने किया। चौकी इंचार्ज प्रीतम सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युग में सब जगह लेन-देन में डिजिटल माध्यम से व्यक्ति को आसानी और राहत मिली तथा समय भी बचा है। लेकिन साइबर अपराधी अलग-अलग तरीके अपनाकर लोगों को इसका शिकार बना रहे हैं और जीवन भर की पूंजी एक पल में साफ कर देते हैं। इसलिए अपनी डिजिटल दुनिया को सुरक्षित करने के लिए जागरूक होना बहुत जरूरी है। उन्होंने डिजिटल अरेस्ट के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि पुलिस अधिकारी या क्राईम ब्रांच का नाम लेकर आपके पास कॉल आए तो आप घबराएं नहीं, उन्हें

किसी भी प्रकार की निजी जानकारी शेयर ना करें और ना ही मांगी गई धनराशि ट्रांसफर करें। यदि गलती से राशि ट्रांसफर कर भी दी तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। प्राचार्य अमर सिंह ने कहा कि युवा नशे से दूर रहें, नशे से धन की बर्बादी, स्वास्थ्य का नुक़सान, परिवार की इज्जत दांव पर और पूरे परिवार की मानसिक शांति भंग हो जाती है। इस तरह युवा अपराध की दुनिया में चला जाता है जहां से उसकी वापसी संभव नहीं है। इसलिए पुलिस प्रशासन विभिन्न माध्यमों से नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक कर रहा है। सरकार ड्रग फ्री हरियाणा अभियान के तहत साइक्लोथॉन 2.0 साइकिल रैली के माध्यम से युवाओं को जागरूक कर रहा है। इसलिए विद्यार्थियों को चाहिए कि आज इस चुनौती पूर्ण माहौल में कुसंग से बचकर अपनी पढ़ाई व खेलों पर पूरा ध्यान लगाएं, नित्य व्यायाम करें।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन राजा परीक्षित का सुनाया वृत्तांत

श्रीमद्भागवत कथा सुनने से पापी भी पाप मुक्त हो जाते हैं : मोहित कौशिक

एजेंसी

कनीना। आज श्री निवास धर्मशाला में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन राजा परीक्षित का वृत्तांत सुनाया। कथावाचक भागवत आचार्य मोहित कौशिक ने कहा कि जन्म-जन्मांतर एवं युग-युगांतर में जब पुण्य का उदय होता है, तब ऐसा अनुष्ठान होता है। श्रीमद्भागवत कथा एक अमर कथा है। इसे सुनने से पापी भी पाप मुक्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि वेदों का सार युगों-युगों से मानव जाति तक पहुंचाता रहा है। भागवत पुराण उसी सनातन ज्ञान की पयस्विनी है, जो वेदों से प्रवाहित होती चली आई है। इसलिए भागवत महापुराण को वेदों का सार कहा गया है। उन्होंने श्रीमद्भागवत महापुराण का बखान किया। उन्होंने कहा कि युद्ध में गुरु द्रोण के मारे जाने से क्रोधित होकर उनके पुत्र अश्वत्थामा ने क्रोधित होकर पांडवों को मारने के लिए ब्रह्मास्त्र चलाया। ब्रह्मास्त्र लगने से अभिमन्यु की गर्भवती पत्नी उत्तरा के गर्भ से परीक्षित का जन्म हुआ। परीक्षित जब बड़े हुए नाती-पोतों से भरा पूरा परिवार था, सुख वैभव से समृद्ध राज्य था। वह जब 60 वर्ष के थे तो एक दिन वह क्रमिक मुनि से मिलने उनके आश्रम गए। उन्होंने आवाज लगाई, लेकिन तप में लीन होने के कारण मुनि ने कोई उत्तर नहीं दिया। राजा परीक्षित स्वयं का अपमान मानकर निकट मृत पड़े सर्प को क्रमिक मुनि के गले में डाल कर चले गए। अपने पिता के गले में मृत सर्प को देख मुनि के पुत्र ने श्राप दे दिया कि जिस किसी ने भी मेरे पिता के गले में मृत सर्प डाला है। उसकी मृत्यु सात दिनों के अंदर सांप के डसने से हो जाएगी। ऐसा ज्ञात होने पर राजा परीक्षित ने विद्वानों को अपने दरबार में बुलाया और उनसे राय मांगी। उस समय विद्वानों ने उन्हें सुखदेव का नाम आगमन हुआ। भागवत कथा के दूसरे दि कथा का रसपान किया।

NAME CHANGE

I hitherto known as VIKAS AGGARWAL S/O SHRI KRISHAN AGGARWAL R/O H No-771, Sector -14, Escortsnagar Faridabad, PO: Escortsnagar Faridabad, DIST: Faridabad, Haryana -121007 have Changed my name and shall hereafter be known as VIKKAS AGARWAAL

जिला परियोजना कार्यान्वयन इकाई की मीटिंग आयोजित

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला परियोजना कार्यान्वयन इकाई की बैठक स्थानीय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में हुई। जिसमें सभी खंड शिक्षा अधिकारी, सभी खंड संसाधन संयोजक, जिला समन्वयक एफएलएन व बीआरपी ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी नारनौल संतोष चौहान ने की और सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्चों को दक्षता के आधार पर शिक्षण सुनिश्चित किया जाए। जिसके लिए क्लास रीडीनेस प्रोग्राम विभाग द्वारा चलाया गया है। आगामी डेढ़ महीने में बच्चों को उसकी पिछली कक्षा की सभी दक्षता में पारंगत करने के लिए योजना तैयार की गई है। इसके लिए सभी खंड शिक्षा अधिकारी अपने-अपने खंड में क्लस्टर मुखिया की बैठक का आयोजन करें और सभी अध्यापकों को अपने बच्चों की दक्षताओं का डाटा तैयार करने का निर्देश देवें। राज्य परियोजना क्रियान्वयन इकाई के सदस्य जतिन कुमार ने जिला महेंद्रगढ़ की वस्तु स्थिति को प्रदर्शित किया और सभी अधिकारियों से विस्तृत रूप से चर्चा की। जिला समन्वयक एफएलएन डा. विक्रम सिंह ने बताया कि जब तक बच्चों की पिछली कक्षा की दक्षताओं पर कार्य नहीं होगा तब तक वह बच्चा अगली कक्षा में सहज महसूस नहीं करेगा। यदि बच्चे को उसकी पिछली कक्षाओं की सभी दक्षताएं हासिल हो जाती हैं तो वह अपनी वर्तमान कक्षा में बहुत बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। इसलिए आगामी डेढ़ महीने तक क्लास रीडीनेस प्रोग्राम के तहत बच्चों को खेल-खेल के माध्यम से उसकी सभी दक्षता में परिपूर्ण करना है और बच्चे के द्वारा पिछली कक्षा की परीक्षा में की गई त्रुटियों का निवारण बच्चों के सामने ही करना है। जिससे बच्चे यह जान सके की परीक्षा में किन गलतियों से अंक

NAME CHANGE

It is for general information that I. AADITYA S/O RANJEET SINGH R/O Bamla (15), Bhiwani Haryana -127021 declare that name of my mother has been wrongly written as PARMILA DEVI in my 10th and 12th class education documents The actual name of my mother is PARMILA which may be amended accordingly.

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता सकारात्मक दिशा में : पीयूष

एजेंसी

मुंबई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ पर 90 दिनों की रोक की घोषणा के बाद कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता अच्छी गति से आगे बढ़ रही है और भारत टैरिफ से जुड़े मुद्दों को कुशलता से संभाल रहा है। श्री गोयल ने कहा, भारत शुरू से ही इस मुद्दे को बहुत प्रभावी तरीके से संभाल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने फरवरी में यह निर्णय लिया था कि दोनों देश एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे, जिससे व्यापार सरल बनेगा और द्विपक्षीय व्यापार 500 अरब डॉलर तक पहुंच सकेगा, जो वर्तमान से ढाई गुना अधिक है। मंत्री ने यह भी बताया कि इस प्रस्तावित समझौते से देश में रोजगार के नए अवसर बनेंगे, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने दुहराया, अमेरिका के साथ हमारी बातचीत बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। इससे पहले श्री गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग संघों के साथ बैठक कर अमेरिका के साथ चल रही बहुक्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर चर्चा की। बैठक के बाद उन्होंने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, उद्योग जगत को भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार वैश्विक व्यापार परिवेश में हाल के बदलावों को ध्यान में रखते हुए उन्हें अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

'भीम' ने लॉन्च किया नया ब्रांड कैंपेन 'पैसों की कदर'

नई दिल्ली। सरकार की भुगतान सेवा 'भीम' (बीएचआईएम) ने खुद को 'भारत का अपना पेमेंट्स ऐप' के रूप में दोबारा प्रस्तुत करते हुए एक नया ब्रांड कैंपेन 'पैसों की कदर' लॉन्च किया है। इस अभियान का उद्देश्य भारत में डिजिटल भुगतान के पीछे की सांस्कृतिक और भावनात्मक गहराई को सामने लाना है। बीएचआईएम को विकसित करने वाली संस्था एनपीसीआई बीएचआईएम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीसीएल) ने इस अभियान के माध्यम से देश के हर नागरिक तक पहुंच बनाने की रणनीति अपनाई है। यह कैंपेन टिल्ट ब्रांड सॉल्यूशंस द्वारा तैयार किया गया है और इसमें पांच ब्रांड फिल्मों को शामिल किया गया है, जिन्हें नौ भारतीय भाषाओं में पेश किया जाएगा। इन फिल्मों को स्लाइस-ऑफ-लाइफ शैली में बनाया गया है, जो आम भारतीयों की रोजमर्रा की जिंदगी में बीएचआईएम के उपयोग और विश्वास को दर्शाती हैं। कैंपेन का फोकस प्रमुख रूप से भरोसे, सुरक्षा, समावेशिता और ग्राहक केंद्रितता जैसे मूल्यों पर है। इस अवसर पर भीम ने अपना नया वर्जन भीम 3.0 भी लॉन्च किया है, जिसमें कई नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इनमें 15 से अधिक भारतीय भाषाओं का विकल्प, कम इंटरनेट कनेक्टिविटी में भी काम करने की क्षमता और फैमिली मोड, स्प्लिट एक्सपेंस, खर्च विश्लेषण और एक्शन रिमाइंडर जैसे स्मार्ट मनी मैनेजमेंट टूल्स शामिल हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने घटाई ऋण दरें

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती किए जाने के एक दिन बाद अपने खुदरा और एमएसएमई ग्राहकों के लिए कर्ज को सस्ता करने की घोषणा की। बीओबी ने बयान जारी कर कहा कि वह बाहरी बेंचमार्क-लिंक्ड ऋण दरों में कमी कर रहा है ताकि ग्राहकों को मौद्रिक नीति के लाभ का त्वरित फायदा मिल सके। बैंक ने जानकारी दी कि उसकी ओवरनाइट एमसीएलआर (मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट) 8.15 प्रतिशत और एक वर्षीय एमसीएलआर नौ प्रतिशत है, जो बैंक ऑफ बड़ौदा को उद्योग में सबसे प्रतिस्पर्धी कर्ज दरों वाले बैंकों में शामिल करता है। बीओबी ने कहा, यह कदम व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों को सस्ती दरों पर ऋण देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह न केवल ग्राहकों को तत्काल राहत देगा बल्कि देश के व्यापक आर्थिक विकास और वित्तीय समावेशन को भी गति देगा।

टीसीएस का तिमाही मुनाफा 1.69 प्रतिशत गिरकर 12224 करोड़ पर

मुंबई। सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कंस्लटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 12434 करोड़ रुपये के मुकाबले 1.69 प्रतिशत घटकर 12224 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 12224 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही के 12434 करोड़ रुपये से 1.69 प्रतिशत कम है। हालांकि आलोच्य अवधि में उसका कुल राजस्व 61237 करोड़ रुपये की तुलना में 5.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 64479 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं उसका कुल व्यय 45319 करोड़ रुपये से 7.9 प्रतिशत बढ़कर 48878 करोड़ रुपये हो गया।

टीसीएस ने बताया कि 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 48553 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ जो वित्त वर्ष 2023-24 के 46585 करोड़ रुपये की तुलना में 4.2 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह उसका कुल राजस्व 240893 करोड़ रुपये से छह प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 255324 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हालांकि इस अवधि में उसके कुल व्यय में भी 6.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 181582 करोड़ रुपये से बढ़कर 193159 करोड़ रुपये हो गया।

सर्राफा बाजार में तूफानी तेजी से ऑल टाइम हाई पर पहुंचा सोना, चांदी ने भी लगाई 4,200 रुपये की छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई तेजी के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में आज तूफानी तेजी का माहौल बना हुआ है। सोना आज एक झटके में 2,700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा होकर अभी तक सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 4,200 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती दर्ज की गई है। सर्राफा बाजार में आई आज की तेजी के कारण 24 कैरेट सोना महंगा होकर 93,390 रुपये से लेकर 93,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 85,610 रुपये से लेकर 85,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसर ओर, चांदी के भाव में आए उछाल के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 97,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 93,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत

85,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 93,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 93,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 85,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 93,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 85,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 93,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 93,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 85,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 93,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 85,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 93,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 93,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 85,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ब्रिटेन की यात्रा के बाद ऑस्ट्रिया पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली/लंदन। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ब्रिटेन की यात्रा के बाद ऑस्ट्रिया पहुंचीं। ब्रिटेन से वियना पहुंचने पर ऑस्ट्रिया में भारत के राजदूत शंभू एस. कुमारन ने उनका स्वागत किया। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर दी जानकारी में बताया कि ऑस्ट्रिया में भारत के राजदूत शंभू एस. कुमारन ने वियना में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का स्वागत किया। मंत्रालय ने बयान में बताया कि ''ऑस्ट्रिया की आधिकारिक यात्रा के दौरान सीतारमण ऑस्ट्रिया के वित्त मंत्री मार्कस मार्टरबाउर और ऑस्ट्रिया सरकार के प्रमुख संघीय चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी।'' मंत्रालय के मुताबिक वित्त मंत्री सीतारमण ऑस्ट्रिया के अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और पर्यटन मंत्री वोल्फगैंग हैटमैन्सडॉर्फर के साथ मिलकर वहां की विभिन्न कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ एक सत्र की सह-अध्यक्षता भी करेंगी। इस बैठक के दौरान उद्योग प्रमुखों को दोनों देशों के बीच मजबूत निवेश सहयोग के लिए भारत में मौजूदा और आने वाले

अवसरों से अवगत कराया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की यह यात्रा इस सप्ताह ब्रिटेन में उनके व्यस्त कार्यक्रम के बाद हो रही है। उन्होंने अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने के अलावा ब्रिटेन यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बातचीत की। उल?लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण आठ अप्रैल से 13 अप्रैल 2025 तक ब्रिटेन और ऑस्ट्रिया की आधिकारिक दौरे पर हैं।

एनटीपीएल करेगी एनएसपीएल में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण

एजेंसी

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी की पेट्रोलियम समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी नौयान ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (एनटीपीएल) नौयान शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड (एनएसपीएल) में वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) से 10 प्रतिशत अतिरिक्त इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने आज डब्ल्यूसीएल के साथ एक शेयर खरीद समझौता किया है। इस समझौते के तहत एनटीपीएल कंपनी की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली सहायक कंपनी एनएसपीएल में डब्ल्यूसीएल से 10 प्रतिशत अतिरिक्त इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। यह अधिग्रहण कुल 51.72 करोड़ रुपये में किया जाएगा। आरआईएल ने बताया कि यह एक संबंधित पक्ष लेनदेन समझौता है लेकिन यह आर्म्स लेंथ आधार पर किया गया है। उसने स्पष्ट किया है कि

इसके किसी भी प्रमोटर, प्रमोटर समूह या समूह की अन्य कंपनियों का इस सौदे में कोई हित नहीं है। एनएसपीएल और संबंधित सरकारी अधिकारियों के बीच हुए समझौतों के तहत आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के लिए संबंधित प्राधिकरणों को आवेदन किए जा रहे हैं। इस अधिग्रहण के 11 अप्रैल, 2025 तक पूर्ण होने की संभावना है।

जेएसएल सुपर स्टील और सनश्योर एनर्जी का 11 मेगावाट सौर ऊर्जा आपूर्ति के लिए करार

एजेंसी

नई दिल्ली। सनश्योर एनर्जी और जेएसएल सुपर स्टील ने 11 मेगावाट सौर ऊर्जा आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा कि यह साझेदारी न केवल जेएसएल सुपर स्टील की ऊर्जा खपत को हरित बनाएगी, बल्कि धातु उद्योग में पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक नया मानक भी स्थापित करेगी। समझौते के तहत जेएसएल सुपर स्टील को उत्तर प्रदेश के औगासी में स्थित सनश्योर की 49 मेगावाट सौर परियोजना से ऊर्जा आपूर्ति प्राप्त होगी। इससे कंपनी की पारंपरिक ऊर्जा खपत का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा स्वच्छ ऊर्जा से प्रतिस्थापित किया जाएगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश की पावर बैंकिंग नीति के तहत कार्यान्वित की जाएगी, जो राज्य की ऊर्जा सुरक्षा और स्मार्ट बिजली प्रबंधन के विज़न से मेल खाती है। इसके माध्यम से, जेएसएल सुपर स्टील को हर वर्ष 1.65 करोड़ यूनिट (एमयू) स्वच्छ बिजली मिलेगी, जिससे कंपनी सालाना 1.2 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कटौती कर सकेगी, जो

पर्यावरणीय प्रभाव के लिहाज़ से 5.45 लाख से अधिक पेड़ लगाने के बराबर है। जिंदल स्टेनलेस के पूर्णकालिक निदेशक और सीओओ जगमोहन सूद ने कहा, हमारा यह गठजोड़ जिंदल स्टेनलेस के नेट जीरो लक्ष्य की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना हमारा अल्पकालिक लक्ष्य है और इसके लिए हम नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और जैव ईंधन जैसे स्वच्छ विकल्पों को अपनी उत्पादन प्रक्रिया में तेजी से शामिल कर रहे हैं। सनश्योर एनर्जी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शशांक शर्मा ने कहा,जैसे-जैसे उद्योग भारत के अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों के साथ कदमताल कर रहे हैं, ऐसे साझेदारी मॉडल जिम्मेदार विकास की मिसाल पेश करते हैं। यह समझौता इस बात का प्रमाण है कि स्वच्छ ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि औद्योगिक भविष्य का आधार है।

पॉलिसीज और हितों के टकराव की समीक्षा करने के लिए सेबी ने बनाई हाईलेवल कमेटी, 3 महीने में आएगी रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने डिस्क्लोजर्स और बोर्ड मेंबर्स के हितों के टकराव से जुड़े नियमों पर विचार करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। सेबी के बोर्ड ने पिछले महीने ही इस उच्च स्तरीय समिति का गठन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। सेबी की यह उच्च स्तरीय समिति 3 महीने में अपनी सिफारिशें सौंपेगी। इस उच्च स्तरीय समिति में 6 लोगों को शामिल किया गया है। पूर्व चीफ विजिलेंस कमिश्नर प्रत्यूष सिन्हा को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के पूर्व सेक्रेटरी और आईएफएससी अथॉरिटी के पूर्व अध्यक्ष आई श्रीनिवास को इस समिति का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके

अलावा इस समिति में सेबी के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य और आरबीआई के पूर्व कार्यकारी निदेशक जी महालिंगम, कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय कोटक, पूर्व डिप्टी सीएजी सरित जाफा तथा आईआईएम, बेंगलुरु के पूर्व प्रोफेसर आर नारायण स्वामी को शामिल किया गया है। सेबी के अनुसार यह उच्च स्तरीय समिति बोर्ड के सदस्यों और अधिकारियों के हितों के टकराव से जुड़े नियमों की समीक्षा करने के बाद मार्केट रेगुलेटर को अपनी राय से अवगत कराएगी। इसके साथ ही टकराव की आशंका वाली दूसरी पॉलिसीज तथा मौजूदा नियमों की कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करने के बारे में भी ये समिति सेबी को अपने सुझाव देगी। इसका उद्देश्य सेबी के कामकाज में पारदर्शिता को बढ़ाना है। सेबी के नए चेयरमैन तुहीन कांत पांडेय ने पद संभालने के बाद सेबी के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने की बात पर बल देते हुए अधिकारियों के हितों के टकराव से जुड़े नियमों की समीक्षा करने की बात कही थी। सेबी को इस उच्च स्तरीय समिति का गठन इसलिए भी करना पड़ा है, क्योंकि पिछले साल ही हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में मार्केट रेगुलेटर सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर हितों के टकराव का आरोप लगाया था।

रियलमी ने लांच किया नार्ज़ो 80प्रो और 80एक्स

एजेंसी

लखनऊ। स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी को लॉन्च किया। रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी में आईपी69 वॉटरप्रूफिंग, मिलिट्री-ग्रेड शॉक रेजिस्टेंस और एडवांस कूलिंग सिस्टम जैसे कई इंडस्ट्री-फर्स्ट फीचर्स दिए गए हैं। रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि, नार्ज़ो 80 सीरीज़ हमारा अब तक का सबसे पावरफुल ऑफर है। 80 प्रो की गेमिंग ताकत और 80एक्स की बैलेंस्ड परफॉर्मेंस के साथ, हम मिड-रेंज सेगमेंट में प्रीमियम फीचर्स लाए हैं। 80 प्रो में 4500निट्स की डिस्प्ले है और 6000एमएएच की बैटरी दी गई है, साथ ही 80एक्स में सेगमेंट का पहला मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6400 चिपसेट है।

टैरिफ टालने को लेकर ट्रंप के ऐलान से क्रिप्टो करेंसी मार्केट में आई तेजी, बिटकॉइन 8 प्रतिशत से अधिक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के अलावा शेष देशों पर लगाए जाने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ को फिलहाल 90 दिनों के लिए टालने का ऐलान करके स्टॉक मार्केट के साथ ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट को भी उत्साह से भर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस ऐलान के साथ ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट में तेजी आ गई है। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन 8.29 प्रतिशत उछल कर 81,688.96 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके पहले इंट्रा-डे में यह आभासी मुद्रा 83,541 डॉलर के स्तर तक पहुंच गई थी। बिटकॉइन के अलावा मार्केट कैप के लिहाज से टॉप 10 में शामिल अन्य क्रिप्टो करेंसीज में भी आज 13 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। दरअसल, अपने चुनाव प्रचार में डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो करेंसी

से जुड़े नियमों में ढील देने और स्ट्रैटेजिक क्रिप्टो रिजर्व बनाने का वादा किया था। उनके इसी वादे की वजह से राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव का परिणाम आने के बाद से ही बिटकॉइन समेत दूसरी क्रिप्टोकरंसी की कीमत में लगातार तेजी का रुख बनने लगा था। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से दुनिया भर में ट्रेड वॉर की आशंका बन जाने के कारण स्टॉक मार्केट की तरह ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट में भी जबरदस्त गिरावट का रुख बन गया। अर्थव्यवस्था में मंदी आने के डर से बिटकॉइन 73 हजार डॉलर के स्तर तक गिर गया लेकिन अब डोनाल्ड ट्रंप ने नया टैरिफ लागू करने की बात को 90 दिन तक टालने का ऐलान करके क्रिप्टो करेंसी मार्केट में एक बार फिर तेजी का माहौल बना दिया है। भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 4 बजे तक बिटकॉइन 8.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 81,688.96 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी एथेरियम की कीमत भी आज 13.04 प्रतिशत की तेजी के साथ उछल कर 1,614.67 डॉलर के स्तर पर आ गई थी। बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा एक्सआरपी 12.69 प्रतिशत, सोलाना 11.28 प्रतिशत, डॉगकॉइन 10.79 प्रतिशत, कार्डानो 10.68 प्रतिशत, ट्रॉन 5.63 प्रतिशत, बीएनबी 5.61 प्रतिशत, टेथर 0.06 प्रतिशत और यूएसडी कॉइन 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

अमेजन क्यू डेवलपर में अब और अधिक भाषाओं का समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी अमेजन ने वैश्विक स्तर पर डेवलपर को उनकी अपनी भाषा में तकनीकी बातचीत, डॉक्युमेंटेशन और सॉफ्टवेयर डिजाइन की सुविधा देने के उद्देश्य से अपने लोकप्रिय सॉफ्टवेयर विकास प्लेटफॉर्म अमेजन क्यू डेवलपर में कई नई भाषाओं का समर्थन जोड़ने की घोषणा की। कंपनी ने बताया कि अब डेवलपर हिंदी, स्पैनिश, फ्रेंच, कोरियन, पुर्तगाली, चीनी सहित कई भाषाओं में अमेजन क्यू डेवलपर का उपयोग कर सकेंगे। इससे उन्हें तकनीकी विषयों पर ज्यादा सहज और स्वाभाविक संवाद करने की सुविधा मिलेगी। अमेजन क्यू डेवलपर एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)-संचालित प्लेटफॉर्म है, जिसका उपयोग डेवलपर आर्किटेक्चर पर चर्चा करने, दस्तावेज तैयार करने, यूजर इंटरफेस

डिजाइन करने और एप्लिकेशन डेवलप करने के लिए करते हैं। अब बहुभाषी सपोर्ट की मदद से यूजर अपनी मातृभाषा में जटिल तकनीकी अवधारणाओं को समझ और व्यक्त कर सकेंगे। अमेजन ने बताया कि यह सुविधा वर्तमान में इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट एनवायरनमेंट (आईडीई) और कमांड लाइन इंटरफेस (सीएलआई) में उपलब्ध है और जल्द ही इसे एडब्ल्यूएस मैनेजमेंट कंसोल में भी शुरू किया जाएगा। कंपनी ने बताया कि क्यू डेवलपर अब यूजर द्वारा पूछे गए सवालों को जिस भाषा में पूछा गया है, उसी में सटीक जवाब देने में सक्षम है। यह सिस्टम भाषा की बारीकियों के अनुरूप तकनीकी जवाब तैयार करता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने और सरकार के इन ईंधनों पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) में दो-दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) में दो-दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी लेकिन आम उपभोक्ता पर इस वृद्धि का असर नहीं पड़ेगा। यह फैसला वैश्विक तेल कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव और ट्रंप प्रशासन की ओर से जवाबी टैरिफ के एलान के बीच लिया गया है। यह वृद्धि 08 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो गई है। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.95 प्रतिशत लुढ़ककर 61.76 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.75 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

अमेरिकी टैरिफ में राहत के ऐलान से ग्लोबल मार्केट में जबरदस्त तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के तमाम देशों को रेसिप्रोकल टैरिफ के मामले में 90 दिनों के लिए राहत का ऐलान किया है। ट्रंप द्वारा टैरिफ में राहत दिए जाने का ऐलान करने के कारण दुनिया भर के तमाम बाजारों में आज जबरदस्त मजबूती नजर आ रही है। इस तेजी का असर कल के ट्रेडिंग सेशन में भारतीय बाजार में भी नजर आ सकता है। हालांकि, चीन पर अमेरिकी टैरिफ को 104 प्रतिशत से बढ़ा कर 125 प्रतिशत कर दिया गया है। चीन पर ये नया टैरिफ तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस टैरिफ गिफ्ट का असर गिफ्ट निफ्टी पर भी काफी हुआ है। महावीर जयंती के कारण आज भारतीय शेयर बाजार में छुट्टी है लेकिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के इंटरनेशनल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म गिफ्ट निफ्टी पर आज जबरदस्त मजबूती के साथ कारोबार हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान से उत्साहित गिफ्ट निफ्टी दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद 832.50 अंक यानी 3.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,319.50 अंक के स्तर पर पहुंच कर कारोबार कर रहा था। गिफ्ट निफ्टी की इस मजबूती से घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई के सेंसेक्स और एनएसई के निफ्टी में भी जोरदार रैली आने का संकेत मिल रहा है। आज की छुट्टी के बाद घरेलू शेयर बाजार कल 11 अप्रैल को कारोबार के लिए खुलेगा। गिफ्ट निफ्टी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई के निफ्टी 50 इंडेक्स पर आधारित फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट है। इसका कारोबार गुजरात के गिफ्ट सिटी में स्थित एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज के जरिए होता है। गिफ्ट निफ्टी को पहले एसजीएक्स निफ्टी कहा जाता था। उस समय इसकी ट्रेडिंग सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स) पर होती थी। गिफ्ट निफ्टी में दो सत्रों में ट्रेडिंग होती है। भारतीय समय के हिसाब से पहले सत्र में इसकी ट्रेडिंग सुबह 6:30 बजे से शाम 3:40 बजे तक होती है। इसी तरह दूसरे सत्र में इसकी ट्रेडिंग शाम 4:35 बजे से लेकर आधी रात के बाद 2:45 (एएम) बजे तक होती है। गिफ्ट निफ्टी की चाल के आधार पर घरेलू शेयर बाजार में होने वाले कारोबार का भी अनुमान लगाया जाता है। हालांकि कई बार ये अनुमान वास्तविकता से अलग भी होता है। आज घरेलू शेयर बाजार में छुट्टी होने के बावजूद गिफ्ट निफ्टी में कारोबार हो रहा है और फिलहाल यह सूचकांक जबरदस्त मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। ग्लोबल मार्केट में गिफ्ट निफ्टी के अलावा दूसरे सूचकांकों पर अगर नजर डालें तो अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त मजबूती का माहौल बना हुआ था, जिसके कारण एसएंडपी 500 इंडेक्स 474.13 अंक यानी 9.52 प्रतिशत उछल कर 5,456.90 के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह नैस्डेक ने 1,857.06 अंक यानी 12.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,124.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था।

एशियाई बाजारों में भी आज जोरदार मजबूती नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से गिफ्ट निफ्टी समेत सभी 9 बाजारों के सूचकांक बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। अभी तक के कारोबार में ताइवान वेटेड इंडेक्स 9 प्रतिशत से अधिक उछल गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 8 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स फिलहाल 1,608.27 अंक यानी 9.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,000.03 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

गर्मियों में मैंगो शेक पीने के फायदे और नुकसान, किन लोगों को नहीं पीना चाहिए

गर्मी में मैंगो शेक पीना ज्यादातर सभी लोग पसंद करते हैं. यह शरीर को ताजगी प्रदान करने में मदद करता है. लेकिन हर चीज के फायदे और नुकसान दोनों होते हैं. इसलिए आइए जानते हैं एक्सपर्ट से की गर्मी में मैंगो शेक पीने के फायदे और नुकसान, साथ ही किन लोगों को इसे नहीं पीना चाहिए.

फलों का राजा कहे जाने वाले आम का स्वाद बहुत ही लजीज होता है. इसे कच्चा और पक्का दोनों तरह से खाया जाता है. इससे बहुत ही स्वादिष्ट खाने की चीजें और ड्रिंक बनाई जाती है. इसमें मैंगो शेक सबसे कॉमन है. बच्चों लेकर बड़े सभी पीना पसंद करते हैं. दूध और पके हुए आम से बना मैंगो शेक गर्मी में शरीर को तरोताजा महसूस कराता है.

आम में फोलेट, पोटेशियम, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट' विटामिन ए, सी, ई, के और बी6 जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद होते हैं जैसे कि विटामिन ए आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है. ऐसे में गर्मी में मैंगो शेक पीने से क्या फायदे और नुकसान हैं. साथ ही किन लोगों को इसे नहीं पीना चाहिए. आइए जानते हैं इसके बारे में एक्सपर्ट से

मैंगो शेक पीने के फायदे

दिल्ली के श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट में चीफ डायटिशियन प्रिया पालीवाल ने बताया कि गर्मियों में मैंगो शेक पीना बहुत टेस्टी और ठंडक देने वाला होता है, लेकिन इसे पीने के फायदे और नुकसान दोनों होते हैं. आम में विटामिन ए, सी और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इम्युनिटी को बढ़ाने, पाचन में सुधार करने और स्किन में निखार लाने में मदद करते हैं. दूध के साथ मिलकर यह शेक ताकत का अच्छा स्रोत बन जाता है, जिससे शरीर को एनर्जी मिलती है और गर्मी में थकावट कम होती है.

किन लोगों को नहीं पीना चाहिए मैंगो शेक?

एक्सपर्ट का कहना है कि आम का शेक सीमित मात्रा में ही पीना चाहिए, खासकर डायबिटीज के मरीजों को इससे परहेज करना चाहिए क्योंकि इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है. इसके अलावा जो लोग वजन कम करना चाह रहे हैं, उन्हें भी मैंगों शेक कम ही पीना चाहिए, क्योंकि इसमें कैलोरी ज्यादा पाई जाती है. कई बार लोग इसमें ऊपर से और भी चीनी मिला देते हैं, जिससे यह और भी हानिकारक हो सकता है. गैस, एसिडिटी या लिवर से जुड़ी समस्याओं वाले लोगों को भी आम का शेक सोच-समझ कर पीना चाहिए या इसे पीने से परहेज करना चाहिए.

एक्सपर्ट की सलाह

एक्सपर्ट की सलाह के मुताबिक दिन में एक बार, सीमित मात्रा में चीनी के और छोटे गिलास में आम का शेक पीना फायदेमंद हो सकता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करने से वजन बढ़ सकता है और ब्लड शुगर लेवल बिगड़ सकता है. इसलिए गर्मी में आम का शेक जरूर पिएं, लेकिन अपने शरीर को जरूरत के मुताबिक ही इसे संतुलित मात्रा में पीना चाहिए. अगर आपको सेहत से जुड़ी किसी तरह की समस्या है तो डॉक्टर की सलाह लेकर ही इसका सेवन करें.

अमृतकाल में आभासी करोड़पति

गरीबी अभिशाप है, यह वाक्य कहने के लिए ठीक है, मगर हकीकत है कि गरीबी मानवनिर्मित त्रासदी है। इंसानी सभ्यता के शुरुआती दौर में सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट यानी जो सर्वाधिक योग्य रहेगा, वो बचेगा, पनपेगा, ऐसी धारणा मानी जा सकती थी, भारत की आदि संस्कृति में इसी बात को दूसरे तरीके से कहा गया है कि -%दैवो दुर्बलघातक~% यानी भगवान भी दुर्बल को ही मारते हैं।19 वीं सदी में मिर्ज़ा मोहम्मद हादी अज़ीज़ लखनवी के लिखे इस शेर को पढ़कर 20वीं सदी में लिखे शकील बदायूंनी के अमर गीत की पंक्तियां याद आ गईं- दुनिया में हम आए हैं तो जीना ही पड़ेगा, जीवन है अगर जहर तो पीना ही पड़ेगा। फिल्म मदर इंडिया का यह गीत जैसे आज भी करोड़ों भारतीयों की हकीकत ही है। गुलामी के लंबे दौर के बाद हम आजाद हो गए, और अब तो आजादी के अमृत महोत्सव को मनाकर आगे भी निकल चुके हैं, लेकिन जीवन के प्याले में जहर खत्म होने की जगह बढ़ता ही जा रहा है।गरीबी अभिशाप है, यह वाक्य कहने के लिए ठीक है, मगर हकीकत है कि गरीबी मानवनिर्मित त्रासदी है। इंसानी सभ्यता के शुरुआती दौर में सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट यानी जो सर्वाधिक योग्य रहेगा, वो बचेगा, पनपेगा, ऐसी धारणा मानी जा सकती थी, भारत की आदि संस्कृति में इसी बात को दूसरे तरीके से कहा गया है कि -%दैवो दुर्बलघातक~% यानी भगवान भी दुर्बल को ही मारते हैं। लेकिन आज के युग में ऐसी बातें कतई स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। खासकर भारत के संदर्भ में बात करें तो यहां आजादी के बाद लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को अपनाया गया, जिसमें राज्य पर लोककल्याणकारी होने की जिम्मेदारी तय की गई। अगर इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी के साथ निभाया जाए तो फिर न किस्मत को दोष देने की नौबत आएगी, न गरीबी को पिछले जन्म के कर्मों का परिणाम समझकर उसे अभिशाप कहा जाएगा।

क्वआज भारत में अगर 80 करोड़ लोग गरीबी के कारण पांच किलो अनाज लेने पर मजबूर हैं तो यह सवाल सरकार से बनता है कि आखिर पांच सालों से चल रही इस योजना को और कितने साल चलाया जाएगा। कब हालात ऐसे बनेंगे कि हर हाथ को काम होगा ताकि आत्मसम्मान के साथ अपने भोजन-पानी का इंतजाम नागरिक खुद करें। अफसोस की बात है कि इस बुनियादी सवाल पर लगभग शून्य चर्चा होती है। अगर कहीं सवाल उठे तो मोदी महामानव हैं, अवतारी हैं, ऐसे कसीदे गढ़कर उन जवाबों को खारिज किया जाता है। हाल ही में भाजपा सांसद कंगना रानौत ने नरेन्द्र मोदी को अवतारी कहा है और ये अकेला या पहला उदाहरण नहीं है। जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, उन्हें प्रातःस्मरणीय बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। हालांकि ऐसी प्रशस्तियों से कोई इंसान वाकई भगवान का अवतार नहीं बन जाता, नरेन्द्र मोदी इंसान हैं और वहीं रहेंगे। और इंसान नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर जब बैठे हैं तो स्वाभाविक तौर पर उनसे ही सवाल किए जाएंगे कि अगर उनके शासन में लोगों को किसी भी किस्म का कष्ट है तो उन्हें दूर करने के लिए वे क्या उपाय कर रहे हैं।मगर ऐसे सवाल करने की जगह हिंदू-मुस्लिम विमर्शों में वक्त जाया किया जा रहा है, या फिर ऐसी खबरें प्रसारित-प्रचारित हो रही हैं, जिनका जनसामान्य से कोई लेना-देना नहीं है। अभी पिछले साल मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी के पहले के भव्य जलसे और बाद में शादी की धूमधाम कितने वक्त तक मीडिया में छाई रहीं ये पाठकों को याद होगा। फिर उन्हीं अनंत अंबानी के निजी जंगल वनतारा पर ऐसी खबरें बनने लगीं, हालंकि यहां भी जो सवाल उठाया जाना चाहिए था कि कैसे किसी व्यक्ति को जंगल बनाकर उसमें जंगली जानवरों को पालतुओं की तरह रखने की छूट दी गई, वो लगभग गुम ही रहा। अब अनंत अंबानी की एक और खबर कई दिनों तक दिखाई जाती रही। जामनगर से द्वारकाधीश तक की पदयात्रा उन्होंने की। रोजाना लगभग 20 किमी की यात्रा अनंत अंबानी 56 घंटे में करते थे।

एक व्यक्ति की निजी उद्देश्यों के लिए गई पदयात्रा किस तरह बाकी समाज का सरोकार बन सकती है, ये समझ से परे है। मगर पत्रकारिता के नाम पर चाटुकारों की मंडली ने इसमें कई किस्म की खबरें ढूंढ निकाली। जैसे अनंत अंबानी रोजाना हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पढ़ते हुए चलते थे। अच्छी बात है, लेकिन इस देश में करोड़ों हिंदू रोजाना ऐसे ही पाठ करते हैं, तो क्या ये खबर बन गई। फिर बताया गया कि अनंत अंबानी कुशिंग सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ हार्मोनल बीमारी से जूझते हैं, उन्हें मोटापा, अस्थमा जैसे कई रोगों की दिक्कत है। उनके अच्छे स्वास्थ्य लाभ की कामना है, लेकिन एक व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित है और वो भक्ति और आस्था के साथ पदयात्रा कर रहा है, इसमें भी कौन सी खबर है। क्योंकि इस देश में करोड़ों लोग ऐसे हैं जो टीबी, अस्थमा, कैंसर, हेपेटाइटिस बी जैसी घातक बीमारियों के साथ-साथ बुखार, जुकाम आदि साधारण समझी जाने बीमारियों से भी जूझते हुए रोजाना काम करते हैं, ताकि जीवनयापन हो सके। ये काम लाव लश्कर के साथ की जाने वाली पदयात्रा से कहीं ज्यादा कठिन है। अगर घर में झाड़ू पोंछा, बर्तन करने वाली महिलाएं खुद की या बच्चों की बीमारी के कारण एक से दूसरे दिन की छुट्टी कर लें, तो लाखों कमाने वाले लोग उनके 2-3 हजार मासिक वेतन में से सौ-पचास रूपए काट लेते हैं। इस पर क्या कभी कोई खबर बनी है। पांच साल पहले लॉकडाउन के वक्त श्री मोदी ने मजबूरी में कितने लोगों को सैकड़ों किमी की पदयात्रा करने पर मजबूर कर दिया था, क्या उसे भूला जा सकता है। असली खबरें तो वहां थीं, लेकिन मीडिया में अनंत अंबानी अचानक ध्यानाकर्षण का नया किरदार बन गए हैं। इसकी असली वजह शायद आने वाले वक्त में सामने आए।वैसे मुकेश अंबानी ने हाल ही में एक अवार्ड समारोह में कहा कि अब जमाना सर्वाइवल ऑफ द काइंडेस्ट का है, ये बात उन्होंने अपनी बेटी ईशा अंबानी को इंगित करके कही, ईशा को भी इस समारोह में अवार्ड मिला था। उनके मुताबिक दुनिया अब ज्यादा उदारता, सहानुभूति और सहृदयता की तरफ बढ़ रही है, इसलिए जमाना सबसे भले लोगों का है। अब पाठक खुद सोचें कि क्या वाकई ऐसा है। इजरायल गज़ा पर जो कहर बरपाया जा रहा है, उसकी खबरें यहां तक भी पहुंच रही हैं, मान लिया कि दूर होने के कारण लोग वहां के कष्ट को महसूस नहीं कर पा रहे। लेकिन क्या मणिपुर भी हमसे दूर है, क्या बिलकिस बानो भी हमसे दूर हैं, क्या गरीबों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं, आदिवासियों पर रोजाना जो अत्याचार हो रहे हैं, वो भी किसी दूसरे ग्रह पर हो रहे हैं। लेकिन समाज को इन खबरों से अब पीड़ा कहां होती नजर आ रही है, क्योंकि समाज इन खबरों पर जब तक विचार करे, उसका ध्यान भटकाने के लिए नए मुद्दे खड़े कर दिए जाते हैं।

इसलिए हत्या, बलात्कार जैसे अपराधों में बंद गुरमीत राम रहीम जैसे अपराधी को बार-बार जेल से बाहर आने की इजाज़त मिल जाती है और उमर खालिद जैसे लोग बिना अपराध साबित हुए लंबे वक्त तक सलाखों के पीछे रखे जाते हैं। अभी 29 अप्रैल को डेरा सच्चा सौदा का स्थापना दिवस है, और मजे की बात है कि 13 बार फरलो पर बाहर आ चुका गुरमीत राम रहीम फिर 21 दिन के लिए बाहर है। कहने को उसे 20 साल की सजा मिली है, लेकिन असल में ये सजा के नाम पर मजाक बना कर रख दिया गया है। मीडिया में सवाल इस पर भी होने चाहिए, मगर पूरा यकीन है कि इसे दबाने के लिए फिर कोई कब्र खोदने, मजार तोड़ने जैसी धमकियों वाली खबर आ जाएगी। या फिर खड़गे जी को कांग्रेस अधिवेशन में अलग कुर्सी पर क्यों बिठाया गया और क्यों राहुल गांधी, सोनिया गांधी सोफे पर बैठे, ऐसे अनावश्यक मुद्दों पर माथापच्ची की जाएगी।

भारत के आम लोग जी तो रहे हैं, लेकिन जिंदा रहना जरूरी है, केवल इसलिए जी रहे हैं, इस जीने में सम्मान, खुशी, आराम, चैन ये सिरे से गायब है। बाकी लोगों को इन भावनाओं का अहसास कराने का एक और खेल सामने आया है, मुकेश अंबानी के जियो फाइनेंस लिमिटेड ने एक नई सुविधा शुरू की है, जिसके तहत डीमैट खाते में रखे शेयर और म्यूचुअल फंड को गिरवी रखकर कर्ज लिया जा सकता है। बताया गया है कि 10 मिनट में एक करोड़ का कर्ज मिल जाएगा।

संपादकीय

अहमदाबाद में मजबूती पाती कांग्रेस

गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में बुधवार को समाप्त हुई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की दो दिवसीय बैठक संगठन को कई कारणों से मजबूती प्रदान करेगी। इस राज्य की विधानसभा में वह 17 सीटों के साथ क्षीण विपक्ष की भूमिका निभा रही है और लोकसभा में भी उसका यहां से एकमात्र प्रतिनिधि है। फिर भी महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्मभूमि होने के कारण गुजरात उसके लिये प्राण वायु का काम करती रही है। हालांकि जब से गुजरात में नरेन्द्र मोदी का उद्भव हुआ है और बाद में उन्हें अमित शाह का साथ मिला, कांग्रेस इस राज्य में लगातार पिछड़ती गयी है। इसके बावजूद उसने अपने 84वें अधिवेशन के लिये गुजरात को चुनकर मजबूत इरादे जाहिर किये हैं। केन्द्र में तीन बार से और 18 राज्यों में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के साथ सतत लड़ती हुई कांग्रेस का संदेश साफ है कि वह लोकतंत्र की रक्षा में पीछे नहीं हटेगी। अधिवेशन में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने भाषण के जरिये जहां स्पष्ट किया कि कांग्रेस अपनी विरासत की रक्षा के प्रति सतर्क है और वह इस पर किसी अन्य का अधिकार नहीं होने देगी, वहीं राहुल गांधी का उद्बोधन बतलाता है कि अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित वर्गों की आवाज वह उठाती रहेगी।

खड़गे ने कांग्रेस के नेतृत्व में छेड़े गये स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास के कई पन्ने पलटते हुए भाजपा की कलई खोलकर रख दी। उन्होंने अनेक दृष्टांत उद्धृत करते हुए भाजपा और उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बतलाया कि जिन भाजपा-संघ के पास आजादी की लड़ाई में अपने योगदान के रूप में दर्शाने के लिए कुछ भी नहीं है, वे ही स्वतंत्रता संग्राम की विरासत पर दावा कर रहे हैं जो हास्यास्पद है। उन्होंने यह विसंगति भी सामने लाई कि सरदार वल्लभभाई पटेल की विचारधारा आरएसएस के विचारों के विपरीत थी, परन्तु उन पर भी भाजपा अपना दावा करती है। दरअसल वह पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के विरोध में पटेल को खड़ा कर रही है। भाजपा सरदार पटेल और नेहरू को एक-दूसरे के खिलाफ़ दिखाने की साजिश करती है जबकि सच्चाई यह है कि वे एक ही सिक्के के दो पहलू थे।खड़गे का आरोप था कि भाजपा और संघ परिवार के लोग गांधी से जुड़ी तमाम संस्थाओं पर कब्जा कर रहे हैं और उन्हें विपरीत विचारधारा के लोगों को सौंप रहे हैं। उन्होंने वाराणसी में सर्व सेवा संघ, गुजरात विद्यापीठ आदि के उदाहरण दिये जिनमें आज गांधी विरोधी लोग प्रमुख पदों पर बैठे हुए हैं। उनका कहना था कि %गांधीवादी और सहकारी आंदोलन के लोगों को हाशिए पर रखा जा रहा है। उन्होंने तंज कसा कि ऐसी सोच रखने वाले गांधीजी का चश्मा चुरा सकते हैं और छड़ी मार सकते हैं लेकिन उनके आदर्शों का पालन नहीं कर सकते।% उन्होंने भाजपा-संघ पर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ दुष्प्रचार करने का भी आरोप लगाया जिसका 140 वर्षों का देश-सेवा और स्वतंत्रता की लड़ाई का इतिहास है।राहुल गांधी ने जो कहा वह उनके हालिया विमर्श का ही एक तरह से पुनर्प्रस्तुतीकरण था। पिछले दिनों उन्होंने यह ईमानदार स्वीकारोक्ति की थी कि %कांग्रेस ने अन्य पिछड़े वर्गों की उपेक्षा की जिसके कारण उसकी यह स्थिति हुई है।% अधिवेशन में उन्होंने इसे पुनर्प्रतिपादित करते हुए कहा कि पिछले कुछ वक्त से हम दलित, मुस्लिम और ब्राह्मण में उलझे रहे और ओबीसी हमारा साथ छोड़ गया। हम मुस्लिमों की बात करते हैं, इसलिए हमें मुस्लिम परस्त कहा जाता है। हमें ऐसी बातों से डरना नहीं है। मुद्दे उठाते रहने हैं।% राहुल का बयान बताता है कि भाजपा-संघ के इस तरह के आरोपों से वह विचलित होने वाली नहीं है। लोकसभा में वे कह ही चुके हैं कि वे पिछड़ों की बात उठाते हैं इसलिये उन पर हमले होते हैं। याद हो कि अनुराग ठाकुर ने उन पर तंज कसा था कि %जिसकी अपनी जाति का पता नहीं वह जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है।उदयपुर (राजस्थान) में मई 2022 और रायपुर (छत्तीसगढ़) में फरवरी 2023 में हुए सीडब्ल्यूसी अधिवेशनों के परिप्रेक्ष्य में अहमदाबाद सम्मेलन को देखें तो कुछ बातें साफ होकर सामने आती हैं। पहली तो यही कि 2022 और 2023 के अधिवेशन जिन राज्यों में हुए थे .

संशोधित वक्फ अधिनियम को लागू करना मोदी सरकार के लिए बड़ी चुनौतीइ

संशोधन वक्फ न्यायाधिकरण को बहुत अधिक लचीलापन प्रदान करता है, क्योंकि इसमें विलंब के लिए पर्याप्त कारण नहीं बताया गया है। यह विस्तार के लिए अधिकतम समय भी निर्धारित करता है तथा अनुरोध करने के लिए चरणों की रूपरेखा भी बताता है। सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने अल्पसंख्यकों के लिए लाभकारी बताते हुए इस कानून का दृढ़तापूर्वक बचाव किया।वक्फ संपत्ति संशोधन अधिनियम-2025 को लेकर काफ़ी चिंता है, जिसे गत बुधवार को लोकसभा ने पारित कर दिया था। यह विवादास्पद विधेयक 1995 के वक्फ अधिनियम को आद्यतन करता है और केंद्र सरकार को वक्फ संपत्तियों पर ज़्यादा नियंत्रण देता है। अगले दिन राज्यसभा ने इसे मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले हफ़्ते इसे स्वीकृति प्रदान की और इस प्रकार यह विधेयक अब क़ानून में तब्दील हो गया है।वक्फ इस्लाम के उद्देश्यों के लिए चल या अचल संपत्ति का समर्पण है और इतिहास में इसका एक महत्वपूर्ण स्थान है। इनमें मस्जिदें, मदरसे, आश्रय गृह और मुसलमानों द्वारा दान की गयी हज़ारों एकड़ ज़मीन शामिल हैं। इनका प्रबंधन बोर्ड द्वारा किया जाता है, तथा कुछ को अपनी संपत्तियों पर अतिक्रमण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

वक्फ संशोधन विधेयक 2025 (उमीद) पारदर्शिता, जवाबदेही, आधुनिकीकरण तथा दक्षता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रस्तुत करता है। इसमें गैर-मुस्लिम प्रतिनिधित्व, सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं तथा वित्तीय सुधार के प्रावधान शामिल हैं। इन परिवर्तनों में अतिक्रमण को रोकना तथा संसाधनों का उपयोग समुदाय के कल्याण के लिए सुनिश्चित करना शामिल है।संशोधन वक्फ न्यायाधिकरण को बहुत अधिक लचीलापन प्रदान करता है, क्योंकि इसमें विलंब के लिए पर्याप्त कारण नहीं बताया गया है। यह विस्तार के लिए अधिकतम समय भी निर्धारित करता है तथा अनुरोध करने के लिए चरणों की रूपरेखा भी बताता है।सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने अल्पसंख्यकों के लिए लाभकारी बताते हुए इस कानून का दृढ़तापूर्वक बचाव किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया, संसद द्वारा पारित कानून पारदर्शिता को बढ़ावा देगा तथा लोगों के अधिकारों की भी रक्षा करेगा, उन्होंने सोशल मीडिया एक्स में लिखा।सरकार का कहना है कि 1995 के कानून में वक्फ संपत्तियों, शीर्षक विवादों तथा वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे को विनियमित करने के संबंध में कुछ खामियां हैं। केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, अगर सरकार यह विधेयक नहीं लाती है, तो संसद भवन और हवाई अड्डे को वक्फ संपत्ति माना जायेगा।% यह संदर्भ हमें उन विशिष्ट मुद्दों को समझने

में मदद करता है, जिन्हें संशोधन संबोधित करने का लक्ष्य रखता है।

इस सप्ताह संसद में लगभग 12 घंटे तक चली बहस के दौरान विपक्ष ने इसे मुस्लिम विरोधी कदम बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि निचले सदन में 288 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया, जबकि 232 ने इसका विरोध किया। हम अनुमान लगा सकते हैं कि विभिन्न दलों के विरोध के बावजूद, यह विधेयक मोदी सरकार द्वारा मनमाने ढंग से लाया गया। विचारों की यह विविधता इस मुद्दे की जटिलता और महत्व को दर्ाती है।कांग्रेस सदस्य इमरान मसूद ने सरकार से पूछा कि वह अभ्यास करने वाले मुसलमान को कैसे परिभाषित करेगी। उन्होंने पूछा,आपकी परिभाषा क्या है? सभी मुसलमान पांच बार नमाज़ नहीं पढ़ते हैं, और सभी मुसलमान रोज़ा नहीं रखते हैं। मानदंड क्या होंगे?मुस्लिम समूहों ने तर्क दिया है कि वक्फ विधेयक का उद्देश्य वक्फ कानूनों को कमजोर करना है। उनका मानना है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह अनुच्छेद 14, 25, 26 और 29 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता को कमजोर करेगा। उन्होंने बढ़ते सरकारी नियंत्रण और व्यापक परामर्श की कमी का भी विरोध किया। ये चिंताएं मुस्लिम समुदाय पर विधेयक के संभावित नकारात्मक प्रभाव और आगे की चर्चा और परामर्श की आवश्यकता को उजागर करती हैं।

कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों का मानना है कि यह सरकार को बहुत अधिक शक्ति देता है और वर्तमान कानून में कई बदलावों का सुझाव देता है। लोकसभा में बोलते हुए, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि यह विधेयक संविधान को कमजोर करेगा, अल्पसंख्यक समुदायों को बदनाम करेगा, भारतीय समाज को विभाजित करेगा और अल्पसंख्यकों को वंचित करेगा।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि विपक्ष अल्पसंख्यकों को डरा रहा है और यह भ्रम पैदा कर रहा है कि यह विधेयक मुस्लिम भाइयों की धार्मिक गतिविधियों और उनकी दान की गयी संपत्ति में हस्तक्षेप करेगा। सरकार का दावा है कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी बनायेगा।

इस विधेयक को पहली बार पिछले साल अगस्त में संसद में पेश किया गया था। कड़े विरोध के कारण इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने संशोधित संस्करण प्रस्तुत किया जिसमें समिति द्वारा सुझाये गये 25 बदलाव शामिल हैं। जेपीसी में विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी दोनों के सदस्य थे।समर्थकों का दावा है कि वक्फ बोर्ड भारत के सबसे बड़े भूस्वामियों में से हैं। कम से कम 872 51 वक्फ संपत्तियां हैं, जो 940,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली हुई हैं। इन संपत्तियों का मूल्य लगभग 12खरब रुपये या गभग 14.22अरब डॉलर है।

मुसलमानों के लिए एक चिंताजनक संशोधन सरकार को राज्य स्तरीय वक्फ बोर्डों में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। यह वक्फ बोर्डों की सामान्य संरचना को बदल देता है, जिसमें आमतौर पर केवल मुसलमान शामिल होते हैं क्योंकि वक्फ संस्थाएं इस्लामी कानून पर आधारित होती हैं।

संशोधन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह वक्फ न्यायाधिकरण को बहुत लचीलापन देता है, क्योंकि यह निर्दिष्ट नहीं करता है कि देरी के लिए पर्याप्त कारण क्या है। जे.पी.सी. ने भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के संशोधन को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया है कि नियुक्त सरकारी अधिकारी संयुक्त सचिव स्तर का होना चाहिए, जिसे वक्फ मामलों में विशेषज्ञता हासिल हो। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बोर्ड में जानकार लोग शामिल हों।

संशोधित विधेयक में वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम प्रतिनिधित्व का प्रावधान बरकरार रखा गया है। फिर भी, यह न्यायाधिकरण में इस्लामी कानूनी विशेषज्ञता की आवश्यकता के साथ इसे संतुलित करता है। यह शामिल विभिन्न पक्षों के बीच एक समझौते का प्रतिनिधित्व करता है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, जो अब एक अधिनियम है, एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। फिर भी, इसकी सफलता अंततः सावधानीपूर्वक निष्पादन, हितधारक जुड़ाव और सभी समुदायों के लिए निष्पक्षता पर निर्भर करेगी।

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नही है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

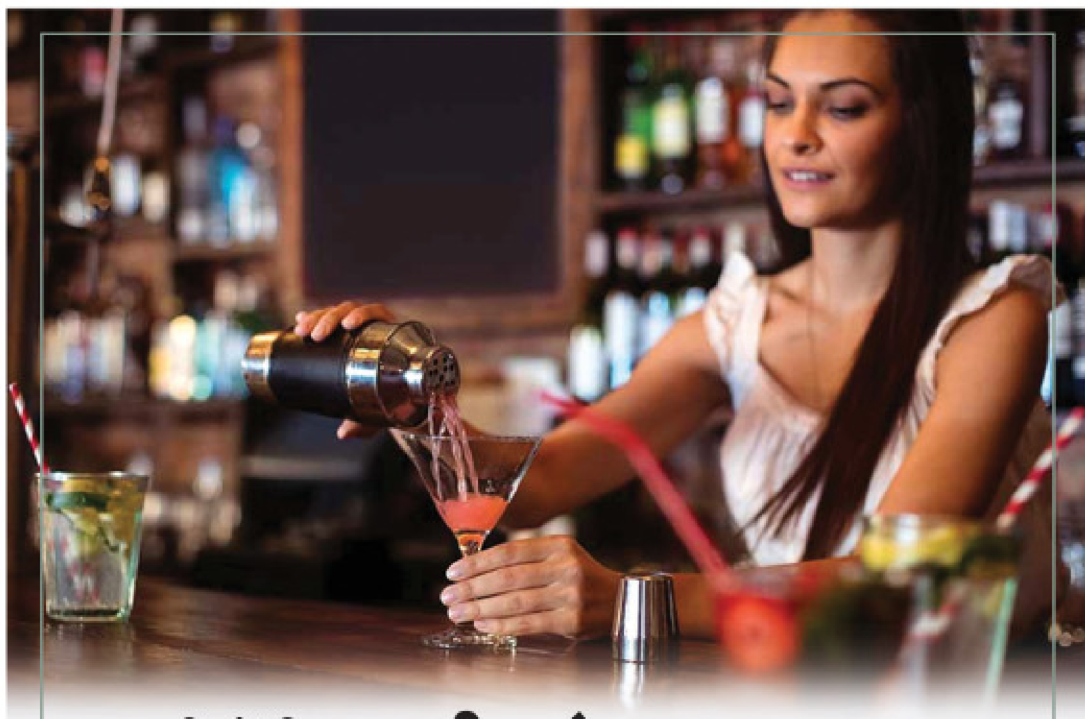

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद ड्रिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की ड्रिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए ड्रिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है।

आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं -

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कांटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढ़ाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

ऐसे ना करें पालक का सेवन, हो सकती है किडनी स्टोन

कहा जाता है कि हरी सब्जियां खाना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता हैं। जो बिलकुल सही है, हरी सब्जियों में सभी तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। अगर हरी सब्जी में पालक की बात की जाए, तो पालक को सबसे सेहतमंद डाइट माना जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि पालक आपके हेल्थ के लिए फायदेमंद होने के साथ-साथ नुकसानदायक भी होता है। जी हां, पालक का ज्यादा सेवन आपको खतरे में डाल सकता है।

दरअसल अधिक मात्रा में पालक का सेवन करने से किडनी इन्फेक्शन के साथ बुखार, डायरिया और सेप्सिस जैसी गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। एक शोध के मुताबिक, कच्चे पालक में आक्सीलिक एसिड पाया जाता है, जो आंतों में खनिजों के लिए ऑक्सालेटेस या अघुलनशील लवण बनाने की क्षमता रखता है।

बता दें कि, ऑक्सालेट्स किडनी की पथरी में पाए जाते हैं। साथ ही आक्सीलिक एसिड पालक में पाए जाने वाले पोषक तत्वों जैसे आयरन, पोटेशियम, विटामिन ए और कैल्शियम के अवशोषण को बनने से रोकते हैं और अपने आप को और भी ज्यादा विकसित करते हैं। इसके अलावा सलाद के रूप में कच्चा पालक खाने से लिस्टिरिया, सल्मोनेला या ई कोली बैक्टीरिया फैल सकता है जिससे कई गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

ऐसे करें सेवन

- अगर आपको पालक खाना बेहद पसंद है, तो आप बेबी पालक ही खाएं।
- पालक को पकाकर खाना ज्यादा बेहतर होता है, क्योंकि इसको पकाने से इसमें मौजूद ऑक्सीलिक एसिड नष्ट हो जाते है। जिसके बाद पालक में सिर्फ पोषक तत्व ही मौजूद रहते हैं। जो आपके सेहत के लिए लाभदायक होते हैं।

घास पर नंगे पाँव चलने के फायदे

एक समय था जब लोग बिना चप्पल, जूतों के पैदल ही चलते थे, लेकिन अब गंदगी और चोट से बचने के लिए अधिकतर लोग पैरों में बिना कुछ पहने घर से बाहर नहीं निकलते। हांलाकी अगर आप वॉक करने के लिए साफ मैदान या घास पर जा रहे हैं, तो आपको चप्पल पहनने की अधिक आवश्यकता नहीं रहती, बल्कि नंगे पैर घास पर पैदल चलने से आपको कई लाभ होते हैं। आइए, जानते हैं उन्हीं के बारे में -

- सबसे पहला फायदा तो यह है, कि दिनभर आप अपने पैर जूते या चप्पलों से पैक रखते हैं, ऐसे में नंगे पैर खुली हवा में रहने से, पैरों को भरपूर ऑक्सीजन मिलती है, रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे उनकी थकान या दर्द खत्म हो जाता है।
- नंगे पैर पैदल चलने से वे सारी मांसपेशियां सक्रिय हो जाती है, जिनका उपयोग जूते-चप्पल पहनने के दौरान नहीं होता। मतलब आपके पैरों के अलावा, उससे जुड़े सभी शारीरिक भाग सक्रिय हो जाते हैं।

- नंगे पैर पैदल चलते वक्त, आपके पंजों का निचला भाग सीधे धरती के संपर्क में आता है, जिससे एक्युप्रेशर के जरिए, सभी भागों की एक्सरसाईज होती है, और कई तरह की बीमारियों से निजात मिलती है।
- प्राकृतिक तौर पर धरती की उर्जा पैरों के जरिए आपके पूरे शरीर में संचारित होती है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। इससे आपको भूमि तत्व से संबंधित रोग नहीं होते।
- दिनभर जूते-चप्पल पहनकर आप चलने में जरूर संतुलन बनाए रखते हैं, परंतु नंगे पैर चलना आपके शरीर की सभी इंद्रियों के संतुलन की प्राकृतिक चेतना को बरकरार रखने में मदद करता है।
- नंगे पैर चलने से शरीर में प्राकृतिक रूप से उर्जा बनी रहती है, और इससे शरीर के अंग अधिक सक्रिय, सुडौल व उपयोगी बनते हैं। इसके साथ ही आपका रक्तसंचार भी बेहतर होता है।
- नंगे पैर चलना एक तरह से प्रकृति के साथ, खुद के और करीब आने जैसा है। इसके जरिए आप खुद के प्रति अधिक जागरूक होते हैं और पहले से अधिक संवेदनशील होते हैं।
- इस प्रयोग से उर्जा का स्तर बढ़ने के साथ ही, तनाव, हाईपरटेंशन, जोड़ों में दर्द, नींद न आना, हृदय संबंधी समस्या, ऑथ्राईटिस, अस्थमा, ऑस्टियोपोरोसिस की समस्याएं भी समाप्त होती है, और रोगप्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।

रेसिपी

शकरकंद की चाट

- 4 से 5 छोटी शकरकंद
- 2 छोटे चम्मच हरी चटनी
- 2 छोटे चम्मच इमली की मीठी चटनी
- 1/2 इंच अदरक (बारीक कटा)
- 1 चम्मच बारीक कटी हरी धनिया
- 1/4 छोटा चम्मच सेंधा नमक
- 1/2 नीबू

विधि

इमली की चटनी: 2 बड़े चम्मच इमली के गूदे को गरम पानी में आधे घंटे के लिए भिगो दें। फिर इसे पीसकर छान लें। इसमें 3 से 4 बड़े चम्मच चीनी डाल के थोड़ा गाढ़ा होने तक उबाल लें। इमली की चटनी तैयार है। इसे आप फ्रिज में स्टोर भी कर सकते हैं। **धनिया चटनी के लिए:** धनिया पत्ती, हरी मिर्च, अदरक, सेंधा नमक डालकर पीस लें। पिसे हुए पेस्ट में नीबू का रस मिल दें। आपकी हरी चटनी तैयार है। **चाट के लिए:** उबली हुई शकरकंद को छील कर 1/4 इंच के टुकड़ों में काट लें। इसमें सेंधा नमक, हरी मिर्च, जीरा पाउडर, अदरक, हरी धनिया, हरी चटनी, मीठी चटनी डाल के मिला दें। चाट को सर्व करने के लिए इसे प्लेट में निकालें और ऊपर से थोड़ा सा हरा धनिया, जीरा पाउडर व नीबू के रस से गार्निश कर सर्व करें।

दही के शोले

- 8 ब्रेड स्लाइस, तलने के लिए तेल
- 1/2 कप दही
- 1 बारीक कटा प्याज
- आधा कप बारीक कटी शिमला मिर्च
- 2 टेबलस्पून मिक्स्ड सब्जियां (गाजर, फ्रेंच बीन्स, गोभी), 1/3 टीस्पून पेपर पाउडर
- नमक स्वादानुसार
- 1 टेबलस्पून मैदा
- 1 टेबलस्पून पानी

विधि

एक बोल में दही, सब्जियां, प्याज, काली मिर्च पाउडर और नमक डालकर मिलाएं।
ब्रेड स्लाइस के किनारों को चाकू की सहायता से काट दें। अब ब्रेड को बेलन से पतला कर लें।
मैदा और पानी का गाढ़ा घोल तैयार करें। इस घोल को ब्रेड के चारों किनारे पर लगाएं।
बीच में स्टफिंग भरे। इसे रोल कर दें।
ऐसे ही सारे रोल्स तैयार कर डीप फ्राई करें।
इसे बीच में काटें और पुदीने की चटनी के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-5-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगें। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

▯ ▯ ▯

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमॉटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

▯ ▯ ▯

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

▯ ▯ ▯

काकुरो पहेली -4023

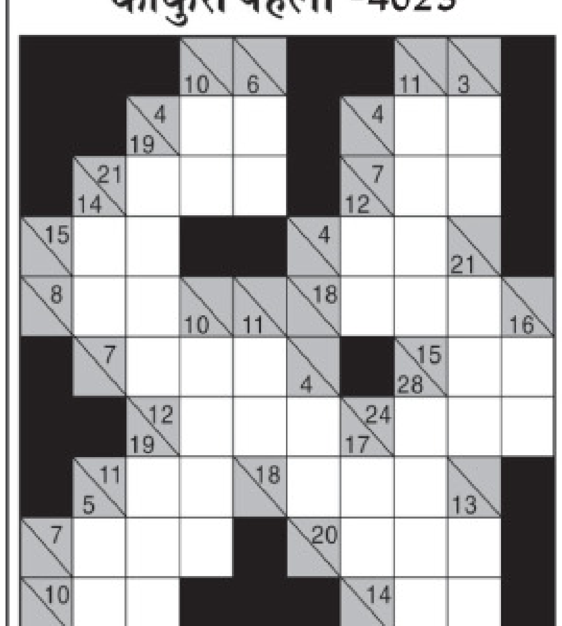

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

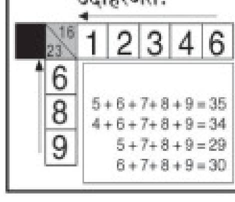

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 4022 का हल

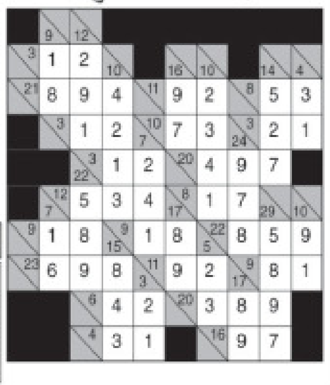

फिल्म वर्ग पहेली- 4023

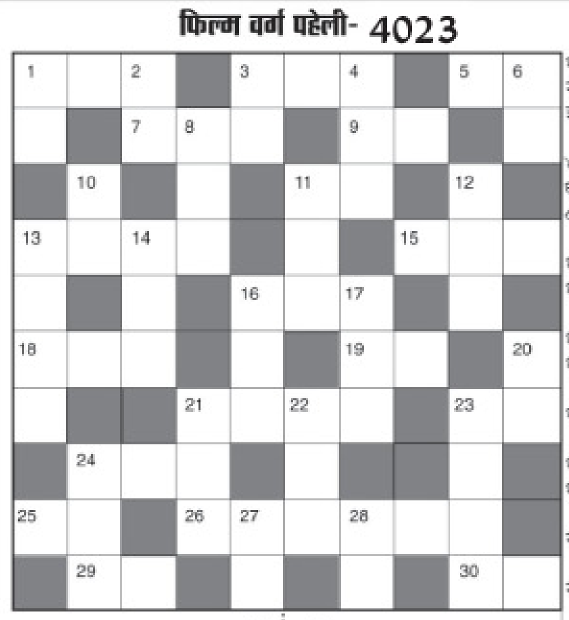

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4022

सूडोकु -4023

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4022 हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 4023

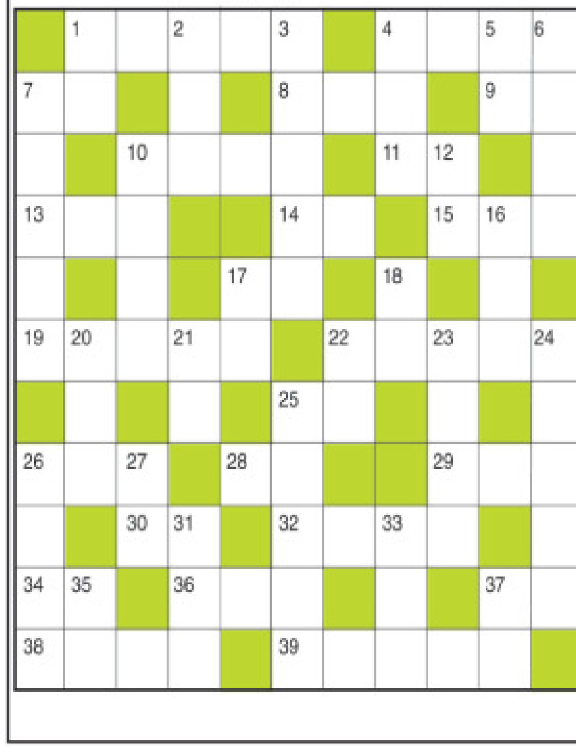

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -4022 का हल

बिहार में बीते दो दिन में आकाशीय बिजली गिरने से 38 लोगों की मौत

पटना। बिहार में आसामानी आफत से बीते दो दिन में सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 38 लोगों की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हुई है। बीते जहां 13 लोगों की मौत हुई थी, वहीं 25 लोगों की मौत हो गई है। इन मौतों पर मुख्यमंत्री ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। भीषण आंधी-पानी से आज नालंदा में 18, आकाशीय बिजली से सीवान में 02, कटिहार में 01, दरभंगा में 01, बेगूसराय में 01, भागलपुर में 01 तथा जहानाबाद में 01 व्यक्ति की मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मर्माहत हैं। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने सभी मृतक के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

सम्राट विक्रमादित्य की यशोगाथा से परिचित होगी दिल्ली : मुख्यमंत्री डॉ यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा 'विक्रमोत्सव 2025' के अंतर्गत देश और प्रदेश की सभी पीढ़ियों को सम्राट विक्रमादित्य के जीवन चरित्र, विशेषकर उनके पराक्रम, शौर्य, दानशीलता, न्यायप्रियता और सुशासन से अवगत कराया जा रहा है। इसी श्रृंखला में दिल्ली में 12 से 14 अप्रैल तक लाल किला मैदान के माधव दास पार्क में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का भव्य मंचन किया जाएगा। इसके पहले शुक्रवार, 11 अप्रैल को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में फतेहपुरी, चांदनी चौक से लाल किला तक सम्राट विक्रमादित्य की शोभा यात्रा निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से उक्त जानकारी देते हुए बताया कि महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित इस महानाट्य में प्रस्तुति उज्जैन की विशाला सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति द्वारा दी जाएगी। महानाट्य का लेखन पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित और निर्देशन संजीव मालवीय का है। महानाट्य में विक्रमादित्य के जन्म से लेकर सम्राट बनने तक की गाथाएं लगभग 250 कलाकारों द्वारा प्रदर्शित की जाएंगी। महानाट्य के दृश्यों को सजीव बनाने के लिए पालकी, रथ, घोड़ों और एलईडी ग्राफिक्स के स्पेशल इफेक्ट का प्रयोग किया जाएगा।

अटारी-वाघा बार्डर से पाकिस्तान रवाना हुआ सिख श्रद्धालुओं का जत्था

चंडीगढ़। बैसाखी के अवसर पर पाकिस्तान में होने वाले धार्मिक आयोजनों में भाग लेने के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के माध्यम से 1942 श्रद्धालुओं का एक जत्था पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ। 50 वर्षों में पहली बार ऐसा हुआ है कि सभी आवेदक श्रद्धालुओं को वीजा मिल गया है। शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष प्रो.एचएस धामी की मौजूदगी में सभी श्रद्धालु अटारी-वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान के लिए रवाना हुए। इस संबंध में दरबार साहिब के मैनेजर सतनाम सिंह ने बताया कि शिरोमणि कमेटी ने दिल्ली स्थित पाकिस्तान दूतावास को भेजे गए सभी पासपोर्ट पर वीजा मिल गया है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु ननकाना साहिब, लाहौर साहिब, पंजा साहिब और करतारपुर साहिब सहित कई गुरुद्वारों में माथा टेकेंगे। गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब हसन अब्दाल में खालसा साजना दिवस का मुख्य समारोह होगा। यह श्रद्धालु 19 अप्रैल को भारत वापस लौटेंगे। इस बीच एसजीपीसी के अध्यक्ष प्रो. एचएस धामी ने कहा कि वे पाकिस्तान दूतावास के अधिकारियों के आभारी हैं, जिन्होंने शिरोमणि कमेटी के भेजे गए सभी नामों को वीजा जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि अतीत में कई तीर्थयात्रियों को वीजा नहीं दिया गया, जिससे तीर्थयात्रियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। हाल ही में मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली स्थित पाकिस्तान दूतावास के अधिकारियों से मुलाकात कर सभी श्रद्धालुओं के लिए वीजा जारी करने की मांग की थी।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने उज्जैन पहुंचकर किया भगवान महाकाल का पूजन

उज्जैन। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मध्य प्रदेश के प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन किए और पूजन-अभिषेक किया। पूजन पुजारी संजय शर्मा, पुजारी राजेश शर्मा और आकाश पुजारी ने पूजन कराया। इस दौरान उनके साथ नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह भी मौजूद रहे। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सांसद अनिल फिरोजिया एवं कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री विजयवर्गीय और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का सम्मान स्मृति चिन्ह, शाल और प्रसाद देकर सम्मान किया गया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव धार जिले के बदनावर से हेलीकाप्टर से उज्जैन पहुंचे। यहां हेलीपैड पर जन प्रतिनिधियो और अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। धाकड़, संभाग आयुक्त संजय गुप्ता, आईजी उमेश जोगा, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने उज्जैन हेलिपैड पर उनका स्वागत किया।

योगी सरकार की जल प्रबंधन नीति को पेरिस समिट में मिला वैश्विक सम्मान

एजेंसी

लखनऊ। पेरिस में आयोजित ग्लोबल इनोवेशन समिट में योगी सरकार द्वारा लागू की गई जल और ठोस कचरा प्रबंधन की नीतियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भरपूर सराहना मिली है। इस सम्मेलन में यूपी के वन सिटी, वन ऑपरेटर मॉडल को सीवर प्रबंधन के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ माना गया। हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ मेला 2025 में योगी सरकार द्वारा अपनाई गई अत्याधुनिक जल प्रबंधन तकनीकों ने सभी का ध्यान खींचा। महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं को कुशल अपशिष्ट और जल प्रबंधन सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

तकनीकों का अनूठा संगम

पेरिस में आयोजित ग्लोबल इनोवेशन समिट में राज्य के नगर

विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने योगी सरकार की उपलब्धियों को दुनिया के सामने पेश किया। उन्होंने यूपी सरकार की ओर से प्रस्तुति देते हुए बताया कि कैसे योगी सरकार के मार्गदर्शन में वन सिटी, वन ऑपरेटर मॉडल को सफलतापूर्वक लागू किया गया, जो अब सीवरेज प्रबंधन में एक आदर्श बन चुका है।

उन्होंने कहा, महाकुंभ 2025 में लागू की गई तकनीक पहल योगी सरकार की बड़े पैमाने पर टिकाऊ शहरी समाधानों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। महाकुंभ में मोबाइल फेकल स्लज और सेप्टेज मैनेजमेंट (एफएसएसएम) इकाइयों, सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (एससीएडीए) सिस्टम, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी), जीआईएस-आधारित स्प्रिंकलर और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए इनोवेटिव जियोट्यूब तकनीक का इस्तेमाल किया गया। इन तकनीकों ने न केवल मेले को स्वच्छ रखा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दिया। इस सम्मेलन में 25 देशों के 250 प्रतिनिधियों ने योगी सरकार के मॉडल की जमकर सराहना की। कई देशों ने यूपी के इस मॉडल को अपने क्षेत्रों में लागू करने की इच्छा जताई। यह योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की तकनीक-संचालित शहरी बुनियादी ढांचे में बदलाव की कहानी को रेखांकित करता है। इस वैश्विक मंच पर यूपी की भागीदारी ने भारत के नवाचारों को उजागर किया।

प्रदेश में रेल एवं सड़क तंत्र होगा सुदृढ़, विकास को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में सड़क एवं रेल कनेक्टिविटी को उत्कृष्ट बनाने की दिशा में केन्द्र सरकार द्वारा दी गई स्वीकृतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी एवं केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के विकास को नई गति मिल रही है। केन्द्र सरकार द्वारा दी गई इन विशेष सौगातों से प्रदेश में रेल एवं सड़क तंत्र सुदृढ होगा तथा आमजन को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने राजस्थान में 394.03 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-458 के रायपुर-जस्सा खेड़ा (लंबाई 7.95 किमी, पैकेज-2) खंड से पेव्ड शोल्डर एलिवेटेड संरचना के साथ 2-लेन के निर्माण की स्वीकृति दी है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-58 के जंक्शन से लाडनू में शुरू होकर जस्सा खेड़ा तक जाता है। इस खंड के विकास के बाद भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ की यात्रा 38 किमी कम हो जाएगी तथा इससे बर और पिपलिया कलां औद्योगिक पार्क से कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इस परियोजना में टॉडगढ़-रावली वन्यजीव अभयारण्य में आने वाले 7.95 किमी खंड पर एलिवेटेड संरचना का निर्माण भी किया जाएगा।

योगी सरकार का निर्देश- खुले में न रहे गेहूं, गोदाम में रखा जाए सुरक्षित

एजेंसी

लखनऊ। अन्नदाता किसानों के हित के लिए संकल्पित योगी सरकार घर-घर पहुंच रही है। विपरीत मौसम को देखते हुए एक तरफ योगी सरकार ने निर्देश जारी किए हैं कि गेहूं खुले में न रहे, इसे गोदाम में सुरक्षित रखा जाए तो वहीं दूसरी तरफ रविवार हो या अन्य अवकाश, मोबाइल क्रय केंद्र के माध्यम से किसानों से संवाद जारी है। योगी सरकार के निर्देश पर महावीर जयंती के अवकाश पर भी खाद्य व रसद विभाग के अधिकारी गांव-गांव पहुंचे और किसानों से संवाद स्थापित किया। आंकड़े बताते हैं कि योगी सरकार के प्रयासों को किसानों का भी साथ मिल रहा है। 10 अप्रैल (दोपहर 12 बजे तक) गेहूं खरीद के लिए 3,67,875 किसानों ने पंजीकरण करा लिया। 5784 क्रय केंद्रों के माध्यम से गेहूं खरीद हो रही है। 27388 किसानों से 1.43709 लाख मीट्रिक टन गेहूं की सरकारी खरीद भी हो चुकी है। आलम यह है कि दो दिन में लगभग 11 हजार से अधिक किसानों ने सरकारी बिक्री के लिए पंजीकरण कराया। 8 अप्रैल

तक जहां 20,409 किसानों से गेहूं क्रय किया गया था, वहीं 10 अप्रैल तक बिक्री करने वालों किसानों की संख्या बढ़कर 27388 से अधिक हो गई है। यानी दो दिन में लगभग सात हजार से अधिक किसानों ने सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं की बिक्री की। 8 अप्रैल तक 3.56 लाख किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण कराया था, जो 10 अप्रैल तक बढ़कर 3.67 लाख हो गई है। गेहूं की अच्छी ख़रीद हो, इसके लिए कटाई के पहले से ही गांव गांव जाकर किसानों से संपर्क साधा गया और उन्हें सरकारी क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए प्रेरित किया गया। खाद्य व रसद विभाग पहली बार मोबाइल क्रय केंद्रों के माध्यम से किसान के खेत तक पहुँचा। एक तरफ़ कटाई चल रही है तो वहीं दूसरी तरफ मौके पर ही गेहूं तौला जा रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर अवकाश के दिनों में भी क्रय केंद्र खुल रहे हैं, जिससे गेहूं बेचना अन्नदाता किसानों के लिए काफी आसान हो गया है। महावीर जयंती के अवकाश पर भी खाद्य व रसद विभाग के अधिकारी गांव-गांव पहुंचे और किसानों से संपर्क स्थापित किया। योगी शासन में बिचौलिया राज समाप्त हो गया। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 2425 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है।

बिहार चुनाव के दौरान तहव्वुर राणा को फांसी पर लटकाएगी सरकार - संजय राउत

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता और सांसद संजय राउत ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के मुख्य आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि सरकार राणा को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान फांसी पर लटका देगी। संजय राउत ने कहा कि राणा को तुरंत फांसी दी जानी चाहिए, लेकिन सरकार उसे बिहार चुनाव के दौरान फांसी पर लटकाएगी।

उन्होंने कहा, राणा को भारत लाने के लिए 16 साल लंबी लड़ाई चली और यह कांग्रेस के शासन के दौरान शुरू हुई। इसलिए राणा को वापस लाने का श्रेय किसी को नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि राणा भारत प्रत्यर्पित होने वाला पहला आरोपी नहीं है। अतीत में 1993 के सीरियल ब्लास्ट के आरोपी अबू सलेम को भी भारत प्रत्यर्पित किया गया था। राउत ने यह प्रतिक्रिया पाकिस्तानी मूल के 64 वर्षीय कनाडाई नागरिक और 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मुख्य आरोपियों में से एक राणा को दिल्ली लाए जाने के बाद दी। राणा को भारतीय खुफिया और जांच अधिकारियों की संयुक्त टीम की

निगरानी में एक विशेष विमान से लाया गया।राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बयान में कहा कि 2008 की तबाही के पीछे कथित मुख्य साजिशकर्ता को न्याय के कठघरे में लाने के लिए वर्षों तक लगातार और ठोस प्रयासों के बाद प्रत्यर्पण हुआ। बयान में कहा गया, यूएसडीओजे, यूएस स्काई मार्शल की सक्रिय सहायता से, एनआईए ने पूरी प्रत्यर्पण प्रक्रिया के दौरान अन्य भारतीय खुफिया एजेंसियों, एनएसजी के साथ मिलकर काम किया, जिसमें भारत के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने मामले को सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाने के लिए अमेरिका में अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय किया। राउत ने यह भी मांग की कि कुलभूषण जाधव को वापस लाया जाना चाहिए, जिन्हें 2016 में पकड़ा गया था और कथित जासूसी के लिए पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को मनगढ़ंत बताते हुए खारिज कर दिया है। इस बीच, भाजपा सांसद अशोक चव्हाण ने कहा कि मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण भारत के लिए बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि 26/11 के हमलों की कड़वी यादें अभी भी भारतीयों, खासकर मुंबईवासियों के दिमाग में ताजा हैं। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी हमला था।

मुख्यमंत्री ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आंधी-बारिश,ओलावृष्टि के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नज़र रखें।आकाशीय बिजली, आंधी तूफान,बारिश, वज्रपात आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल

प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें। घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि वर्तमान में गतिमान गेहूं की सरकारी खरीद के दृष्टिगत मंडियों सहित सभी खरीद केंद्रों पर गेहूं के सुरक्षित भंडारण का पूरा ध्यान रखा जाए। अधिकारीगण सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस संबंध में अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

राजस्थान में कोई सड़क पर उतर कर कानून-व्यवस्था बिगाड़ेगा तो उसका जवाब दिया जाएगा - पटेल

एजेंसी

जोधपुर। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने अजमेर दरगाह के सचिव सरवर चिश्ती के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने वक्फ बिल के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन करने की धमकी दी थी।

जोगाराम पटेल ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर कोई सड़क पर उतरेगा और प्रदेश की कानून-व्यवस्था को बिगाड़ेगा, तो उसका जवाब दिया जाएगा। दरअसल, अजमेर दरगाह के सचिव सरवर चिश्ती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके हाल ही में संसद से पास हुए वक्फ (संशोधन) बिल, 2025 के खिलाफ एकजुट होकर प्रदर्शन करने के लिए मुस्लिम समाज का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि 99 प्रतिशत मुसलमान बिल के विरोध में हैं। यह एक राजनीतिक मुद्दा बना

दिया गया है। इसके साथ ही सड़क पर उतरकर लड़ाई लड़ने की आवश्यकता है। अब शेरवानी उतारने का वक्त आ गया है। उनके अनुसार, पिछले 11 साल से वे जुल्म सह रहे थे, अब मुसलमान सड़कों पर उतरेंगे। सरवर चिश्ती के बयान पर मंत्री जोगाराम पटेल ने पलटवार करते हुए कहा, ज्यादातर मुस्लिम इस बिल के समर्थन में हैं। कई मुस्लिम लोगों ने वक्फ (संशोधन) बिल, 2025 के लागू होने के बाद मेरा स्वागत भी किया है और इस पर खुशी भी जताई है।

वह 99 प्रतिशत वाला आंकड़ा कहां से लेकर आए हैं, मुझे नहीं मालूम। विधेयक के खिलाफ सड़क पर उतरकर लड़ाई करने को लेकर मंत्री ने कहा, किसी भी चीज का विरोध करना उनका हक है। अपनी लड़ाई लड़ना भी उनका हक है। वह अपना विरोध सुप्रीम कोर्ट में जाकर दर्ज करवा सकते हैं। रिट पिटीशन फाइल कर सकते हैं। लेकिन अगर सड़क पर किसी तरह के लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ने की स्थिति पैदा होती है, तो इसका जवाब देना बखूबी आता है।

मध्यप्रदेश में तेज रफ्तार वाहन पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में गिरा, चार लोगों की मौत और दो घायल

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश में जबलपुर के चरगवां थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में गिर गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, चालक ने तेज रफ्तार वाहन पर से अचानक नियंत्रण खो दिया। वाहन पुल की रेलिंग से टकराने के बाद नदी में गिर गया। चरगवां थाना प्रभारी अभिषेक प्यासी ने बात करते हुए कहा, घटना दोपहर करीब 3.30 से 3.45 बजे हुई। ग्रामीणों ने हादसे की सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य घायलों को इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की

हालत गंभीर है, लेकिन वे होश में हैं। कार में सवार लोग एक बकरा भी ले जा रहे थे। अधिकारी ने कहा, प्रथम दृष्ट्या ऐसा लगता है कि वे पास के देवता को बकरे की प्रतीकात्मक भेंट देने के बाद लौट रहे थे, जो एक अनुष्ठान का हिस्सा था, क्योंकि सभी लोग एक ही समुदाय से थे। हालांकि, बकरा दुर्घटना में बच गया। अधिकारी के अनुसार, घायल यात्री बयान देने की स्थिति में नहीं हैं। पुलिस घटना के बारे में स्पष्ट जानकारी प्राप्त करने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बचे हुए लोगों के बयानों का इंतजार कर रही है। बता दें कि चरगवां थाने की टीम हादसे की जानकारी मिलने के बाद तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने स्थानीय निवासियों की मदद से कार में फंसे घायलों और मृतकों को बाहर निकाला। घायलों को तुरंत इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।

चारों मृतक चौकीताल गांव के निवासी हैं। मृतकों की पहचान किशन पटेल (35), महेंद्र पटेल (35), सागर पटेल (17) और राजेंद्र पटेल (35) के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल हुए लोगों की पहचान मनोज प्रताप (35) और जितेंद्र पटेल लोधी (36) के रूप में हुई है, जो चौकीताल के ही रहने वाले हैं।

शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन करने पर सरकार को आपत्ति नहीं होनी चाहिए - डिंपल यादव

एजेंसी

मैनपुरी। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 के खिलाफ हो रहे विरोध-प्रदर्शन पर समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि अगर आंदोलन संयम और शांति के साथ हो तो मुझे नहीं लगता कि सरकार को कुछ आपत्ति होगी। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 के विरोध पर डिंपल यादव ने कहा, अगर आंदोलन संयम के साथ और शांतिपूर्वक हो तो मैं नहीं समझती हूं कि सरकार को ऑब्जेक्शन होना चाहिए, क्योंकि यह हमारा संवैधानिक अधिकार है। मैं समझती हूं कि कहीं न कहीं अधिकांश लोग (उत्तर प्रदेश) सरकार के रवैये से आहत महसूस कर रहे हैं। सरकार एफआईआर लिखने और प्रताड़ित करने का काम कर रही है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए सरकार इस तरह

के निर्णय ले रही है। 26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर डिंपल यादव ने कहा, अच्छी बात है कि उसे लाया गया। अब कड़ी कार्रवाई होगी। लेकिन आरोपी को लाने में इतने साल क्यों लगे? इस सरकार का 11वां साल चल रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर कहीं न कहीं यह एक बड़ा प्रश्नचिह्न उठने वाली बात है। अब हमें पूरा भरोसा है कि कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भाजपा विधायक संगीत सोम द्वारा रामगोपाल यादव को दौड़ा कर पीटने वाले बयान पर डिंपल यादव ने कहा, यह दर्शाता है कि भारतीय जनता पार्टी के लोग नहीं चाहते कि देश संविधान के हिसाब से चले। वे मनमाने ढंग से देश चलाना चाहते हैं। यह उनके शब्दकोश में ही है कि पीटेंगे, मारेंगे, बुलडोजर चलाएंगे, लोगों को प्रताड़ित करेंगे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा अखिलेश यादव पर की गई टिप्पणी पर डिंपल यादव ने कहा, अगर किसी भी पार्टी का नेता जो एक संवैधानिक पद पर है और फिर इस तरह की टिप्पणी करता है, तो यह उसकी पार्टी की सोच और मानसिकता को दर्शाता है। दिखाता है कि उसका क्या चरित्र है। ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी करना बहुत ही निंदनीय है। उन्हें अगली बार सोच-समझकर बात रखनी चाहिए।

योगी सरकार ने कर्मचारियों का बढ़ाया दो प्रतिशत महंगाई भत्ता

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के 26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत लाए जाने के बाद कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि अजमल कसाब की तरह उसे भी अपना बचाव करने का पूरा अधिकार दिया जाए। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, हमारी मांग है कि जिस तरह से अजमल कसाब के खिलाफ मुकदमा चलाया गया, उसे अपना बचाव करने का पूरा अधिकार दिया गया, पूरी प्रक्रिया का पालन करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने उसे फांसी की सजा सुनाई। हमारी मांग है कि तहव्वुर राणा के खिलाफ इसी तरह का मुकदमा चलाया जाए, क्योंकि पूरी दुनिया की नजर इस ट्रायल पर होगी। हमारे यहां एक न्याय व्यवस्था है, जिसे दुनिया को दिखाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, यह एक कानूनी कार्रवाई है। साल 2008 के हमले के बाद मुंबई पुलिस ने पूरी घटना की जांच की थी। पुलिस ने दोनों मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा और डेविड कोलमैन हेडली के नाम ढूंढे। दोनों पाकिस्तान के नागरिक थे और बाद में कनाडा में जाकर वहां के नागरिक बन गए। उनका जो रोल था, उसे मुंबई पुलिस ने ढूंढ़ निकाला। दोनों के नाम और उनसे जुड़ी जानकारी अमेरिकी सरकार को दी। अमेरिकी एजेंसियों ने अक्टूबर 2009 में दोनों को शिकागो में गिरफ्तार किया। उसी समय से यह मुकदमा अमेरिका में चल रहा है। तहव्वुर राणा को 14 साल की सजा हुई।

मोदी सरकार गुनहगारों को विदेशों से ला रही, कांग्रेस के समय होते थे बम धमाके : अनुराग ठाकुर

एजेंसी

हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ पार्टी पर झूठ फैलाने, वादे पूरे न करने और वक्फ बोर्ड के माध्यम से गलत लाभ पहुंचाने के गंभीर आरोप लगाए। अनुराग ठाकुर ने उनके पिता एवं हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के जन्मदिन पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से कहा, कांग्रेस के कार्यकाल में देश में बम धमाके होते थे, लेकिन अब मोदी सरकार गुनहगारों को विदेशों से पकड़कर भारत ला रही है और उन्हें न्याय दिलाने का काम कर रही है। आज अपराधी बच नहीं सकते, चाहे वह कहीं भी छिपे हों। कांग्रेस के वक्त देश आतंकवाद से त्रस्त था, लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है और आतंकवाद पर कड़ा प्रहार हुआ है।कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। समीरपुर स्थित आवास पर कार्यकर्ताओं ने केक काटकर और बधाई गीत गाकर पूर्व मुख्यमंत्री का जन्मदिन मनाया। अनुराग ठाकुर ने अपने पिता को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धूमल आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं। हर वर्ष यह दृश्य बताता है कि जनता का प्यार आज भी उनके साथ है। कार्यक्रम में हमीरपुर विधायक आशीष शर्मा, धर्मशाला विधायक सुधीर शर्मा, और प्रदेश भर से आए भाजपा नेताओं ने भी धूमल को शुभकामनाएं दीं।अनुराग ठाकुर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा कांग्रेस अधिवेशन में गारंटियों को पूरा करने के दावे को झूठा करार दिया। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री बताएं कि उन्होंने कौन सी गारंटी पूरी की? प्रदेश की जनता को अब जवाब चाहिए। केवल भाषण देने से विकास नहीं होता। कांग्रेस नेताओं पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल की दिल खोलकर मदद करती है, लेकिन कांग्रेस नेता धन्यवाद देने की बजाय दिल्ली जाकर फोटो खिंचवाकर गुमराह करने वाले बयान देते हैं। वक्फ बोर्ड से जुड़े मुद्दों पर बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने वक्फ बोर्ड के माध्यम से कुछ चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचाया, जबकि मुस्लिम समाज के हित की बात केवल कागजों में रही। उन्होंने कहा कि सच्चर समिति की रिपोर्ट को कांग्रेस सरकार ने दबा दिया, लेकिन मोदी सरकार वक्फ बोर्ड से जुड़ी कमियों को दूर कर, उसमें पारदर्शिता लाई है। अब बोर्ड की आय मुस्लिम समाज के उत्थान में इस्तेमाल होगी, किसी विशेष वर्ग के हित में नहीं।

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

बच्चों के लिए बनाएं हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन- 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फ्राई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी - कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

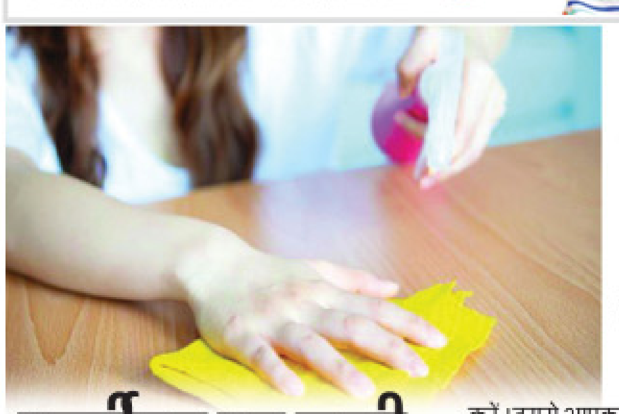

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें ।।सिसे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

रिदान अंडर-14 यूपीसीए टीम में चयनित

एजेंसी

प्रयागराज। मोहम्मद रिदान खान का चयन 13 से 16 अप्रैल तक कानपुर के कमला क्लब में लगने वाले अंडर-14 यूपीसीए टीम के कैम्प के लिए किया गया है। रिदान को 12 अप्रैल को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त संयोजक (लीग एवं मंडल) एलबी काला के अनुसार करेली निवासी पूर्व विजी ट्रॉफी क्रिकेटर मोहम्मद राशिद के पुत्र मोहम्मद रिदान बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज हैं। रिदान ने एमआईसी मैदान पर जुल नूरैन और विपिन कुमार से प्रशिक्षण लिया है। रिदान के चयन पर इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक क्रमशः ताहिर हसन, आरपी भटनागर, डॉ. सुरेश द्विवेदी, एसडी कौटिल्य, यासर हसन, डॉ. जूली ओझा एवं राघव द्विवेदी, सत्यव्रत सहाय, अनुराग श्रीवास्तव, उत्पल दास, सलीम अहमद, एलबी काला, सोमेश्वर पांडेय आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

कोमल प्रदेशीय विद्यालयीय फुटबाल टीम में चयनित

प्रयागराज। इम्फाल (मणिपुर) में 15 से 21 अप्रैल तक होने वाली 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय अंडर-19 बालिका फुटबाल प्रतियोगिता के लिए ईश्वर शरण बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा कोमल गौड़ का चयन उत्तर प्रदेश की टीम में किया गया है। यह जानकारी कोमल के कोच अनिल सोनकर ने दी है। रसूलाबाद तेलियरगंज निवासी दीपक गौड़ और बिन्नु देवी की पुत्री कोमल सदर बाजार कैंट मैदान पर अनिल सोनकर से प्रशिक्षण प्राप्त करती है।

थाईलैंड विश्व कप किक बॉक्सिंग में फरीदाबाद की रिद्धिमा ने जीता स्वर्ण पदक

चंडीगढ़। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में चल रही थाईलैंड वर्ल्ड कप किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में 31 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल फरीदाबाद की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रिद्धिमा कौशिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान थाईलैंड की खिलाडी को हराकर फाइनल राउंड में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता है। 'वाको इण्डिया किकबॉक्सिंग महासंघ' के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल ने गुरुवार को बताया की इस वर्ल्ड कप किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में लगभग 42 देशों के 1000 से ज्यादा खिलाडी भाग ले रहे हैं और भारतीय टीम ने दूसरे दिन शानदार सफलता हासिल की है जिसमें से रिद्धिमा कौशिक ने किक लाइट इवेंट के दो वजन भार वर्ग में 2 स्वर्ण पदक जीते, अनुष्का तमांग ने रजत पदक, मिथिलेश नीलम बड़ोलिया ने रजत पदक, पूजा पटेल ने 2 रजत पदक, अभिषेक सैनी ने रजत पदक, श्रद्धा रंगर ने कांस्य पदक, रियांशी रॉय ने कांस्य पदक, आदित्य मकोरवाल एवं अभिषेक सैनी ने अपने अपने वजन वर्ग में कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवन्वित किया है।

सीएसके को बड़ा झटका, ऋतुराज चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर, धोनी करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। टीम अब तक खेले पांच मैचों में से केवल एक मैच में जीत दर्ज कर सकी है, जबकि चार मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इस बीच कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोट के कारण इस सत्र से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह एक बार फिर दिग्गज विकेटकीपर और बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। वह अब गायकवाड़ की जगह आगामी मैचों में टीम का नेतृत्व करते नजर आएंगे। चेन्नई सुपर किंग्स ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि ऋतुराज गायकवाड़ कोहनी में हेयरलाइन फ्रैक्चर के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए। एमएस धोनी टीम का नेतृत्व करेंगे। इससे पहले 2022 के आईपीएल सीजन में रवींद्र जडेजा को चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी सौंपी गई थी। उन्होंने बीच सीजन में ही कप्तानी छोड़ दी थी और तब भी एमएस धोनी को फिर से कप्तानी सौंपी गई थी। इसके बाद 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया गया। अब इस सीजन गायकवाड़ के चोटिल होने के कारण एक बार फिर धोनी को कमान सौंपी गई है। एमएस धोनी की कप्तानी में सीएसके ने कुल पांच बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है। टीम ने 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में आईपीएल की ट्रॉफी जीती है। इस सीजन ऋतुराज का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहाऋतुराज गायकवाड़ का आईपीएल 2025 में खेले पांच मैचों में प्रदर्शन साधारण रहा है। उन्होंने दो अर्धशतक लगाए, जबकि तीन मैचों में कुछ खास नहीं कर पाए।

पीसीबी ने कोर्बिन बॉश पर लगाया एक साल का बैन, आईपीएल खेलने के लिए छोड़ा था पीएसएल

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कोर्बिन बॉश को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक साल के लिए बैन कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह फैसला गुरुवार, 10 अप्रैल को सुनाया। बॉश ने पीएसएल 2025 सीज़न की शुरुआत से पहले ही टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था ताकि वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हिस्सा ले सकें।

पीएसएल छोड़ आईपीएल से जुड़े बॉश

30 वर्षीय बॉश को इस साल जनवरी में पीएसएल ड्राफ्ट के दौरान पेशावर जाल्मी ने डायमंड कैटेगरी में चुना था। लेकिन आईपीएल फ्रेंचाइज़ी मुंबई इंडियंस ने उन्हें घायल लिज़ाड विलियम्स के स्थान पर रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में बुलाया। इसके बाद बॉश ने पीएसएल से अपना नाम वापस ले लिया और आईपीएल से जुड़ गए, जिससे पीएसएल से पहले ही वे

टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

बॉश ने जताया पछतावा, मांगी माफी

पीएसएल से बैन लगने के बाद कोर्बिन बॉश ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए अपनी गलती मानी और माफी मांगी। उन्होंने कहा मैं पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से हटने के अपने फैसले पर गहरा खेद व्यक्त करता हूं और पाकिस्तान की जनता, पेशावर जाल्मी के प्रशंसकों और क्रिकेट समुदाय से दिल से माफी मांगता हूं। पीएसएल एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है और मैं समझता हूं कि मेरे इस कदम से लोगों को निराशा हुई है।

उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं और पीएसएल से एक साल के प्रतिबंध और जुर्माने को भी स्वीकार करता हूं। यह मेरे लिए एक कठिन सबक है, लेकिन मैं इससे सीखकर भविष्य में बेहतर वापसी के लिए प्रतिबद्ध हूं।

पीसीबी का कड़ा संदेश

पीएसएल से अचानक नाम वापस लेने और टूर्नामेंट को प्राथमिकता न देने पर पीसीबी ने यह फैसला लेते हुए एक सख्त संदेश दिया है कि लीग के अनुशासन और प्रतिबद्धता से समझौता नहीं किया जाएगा। बॉश पर लगे एक साल के बैन के साथ-साथ उन पर आर्थिक जुर्माना भी लगाया गया है।

नॉर्वे चेस 2025 : विश्वनाथन आनंद ने गुकेश का बढ़ाया हौसला, भारत में विस्तार की तैयारी में आयोजक

एजेंसी

मुंबई। विश्वनाथन आनंद ने आज मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नॉर्वे चेस 2025 में युवा विश्व चैंपियन डी. गुकेश का समर्थन करते हुए कहा कि यह मुकाबला शतरंज प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक होगा। कार्यक्रम का आयोजन नॉर्वे चेस और स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई (एसजेएएम) ने संयुक्त रूप से किया था। नॉर्वे के स्टावेंगर में 26 मई से 06 जून तक होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गुकेश और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के बीच बहुप्रतीक्षित भिड़ंत होगी। आनंद ने कहा, गुकेश के पास प्रेरणा की कोई कमी नहीं है, और मैग्नस भी ऐसे युवा खिलाड़ियों से भिड़ने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। यह मुकाबला शतरंज प्रेमियों के लिए एक आदर्श जंग होगी। 18 वर्षीय गुकेश ने इस वर्ष टाटा स्टील मास्टर्स, चेस ओलंपियाड, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद सिंगापुर में विश्व चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। अब उनका सामना मैग्नस से नॉर्वे चेस में होगा, जहां छह खिलाड़ियों का डबल राउंड रॉबिन फॉर्मेट रखा गया है। पुरुष वर्ग में कार्लसन, नाकामुरा, कारुआना, एरिगैसी और वेई यी जैसे दिग्गज शामिल होंगे। वहीं, महिला वर्ग में हू यिफान, कोनेरू हम्पी, वैशाली रमेशबाबू, अन्ना मुझिचुक और सारा खातेमलशरियेह भाग लेंगी। खास बात यह है कि दोनों वर्गों में समान पुरस्कार राशि और समान प्रारूप रखा गया है। आनंद ने नॉर्वे चेस की अनूठी विशेषताओं की सराहना करते हुए कहा, यह टूर्नामेंट हमेशा कुछ नया करता है, कभी कन्फेशनल बूथ तो कभी आर्मागेडन जैसे फॉर्मेट्स। यही इसे औरों से अलग बनाता है। वहीं, नॉर्वे चेस के प्रबंध निदेशक क्जेल मैडलैंड ने कहा, और मैग्नस की भिड़ंत को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं।

फीबा ने 3×3 बास्केटबॉल टीमों की ओलंपिक कोटा वृद्धि के फैसले का किया स्वागत

एजेंसी

माइस, स्विट्ज़रलैंड। अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल संघ (फीबा) ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में 3×3 बास्केटबॉल टीमों (महिला और पुरुष दोनों वर्गों में) की संख्या 8 से बढ़ाकर 12 किए जाने के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के निर्णय का स्वागत किया है। फीबा ने इस फैसले को इस खेल के लिए एक मील का पत्थर बताया है। फीबा ने जारी एक बयान में कहा, यह विस्तार हाल के वर्षों में 3×3 बास्केटबॉल की लोकप्रियता और विकास को दर्शाता है। टीमों की संख्या बढ़ने से अधिक देशों को ओलंपिक मंच पर भागीदारी का अवसर मिलेगा, जिससे खेल की सार्वभौमिकता और व्यापक राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिलेगा। आईओसी की कार्यकारी बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पेरिस 2024 ओलंपिक में शामिल 8 टीमों की तुलना में लॉस एंजेलिस 2028 में प्रति वर्ग 12 टीमें भाग लेंगी।

फीबा अध्यक्ष शेख सऊद अली अल थानी ने कहा, हम इस निर्णय के लिए आईओसी के आभारी हैं। यह हमारे शहरी खेल को बढ़ावा देने हेतु

एक बड़ी प्रेरणा है। पुरुषों और महिलाओं की प्रतियोगिताओं में चार-चार अतिरिक्त टीमों का जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में ओलंपिक बास्केटबॉल ने कितनी उत्सुकता और रुचि जगाई है। फीबा के महासचिव एंड्रियास ज़ाग्लिस ने कहा, आज का दिन फीबा और हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। कोटा में हुई यह वृद्धि दुनिया भर के खिलाड़ियों और राष्ट्रीय संघों को यह सपना देखने का अवसर देती है कि वे गलियों और सड़कों से उठकर ओलंपिक तक पहुँच सकते हैं। गौरतलब है कि 3×3 बास्केटबॉल ने पहली बार टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों में पदार्पण किया था, और लॉस एंजेलिस 2028 में यह खेल तीसरी बार ओलंपिक कार्यक्रम का हिस्सा बनेगा। फीबा को उम्मीद है कि इस बदलाव से खेल को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैमः अर्जुन एरिगैसी की कड़ी टक्कर के बावजूद नाकामुरा से हार, सेमीफाइनल लाइनअप तय

एजेंसी

पेरिस। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल के दूसरे दिन अनुभवी हिकारू नाकामुरा के खिलाफ जमकर संघर्ष किया, लेकिन 62 चालों तक चले इस कड़े मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सफेद मोहरों से खेलते हुए नाकामुरा ने इंग्लिश ओपनिंग (cy) से शुरुआत की। शुरुआती खेल में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की चालों की नकल करते हुए सातवीं चाल पर एक साथ कासलिंग किया। पहले 15 मूव तक मुकाबला बेहद संतुलित और सतर्क रहा, जहां दोनों खिलाड़ी बिना कोई जोखिम उठाए खेलते नजर आए। मिडिल गेम में नाकामुरा ने धीरे-धीरे स्थिति पर नियंत्रण बनाना शुरू किया। उन्होंने अर्जुन की डिफेंसिव रणनीति को तोड़ते हुए लगातार दबाव बनाया। 21 वर्षीय भारतीय ग्रैंडमास्टर ने कड़ी कोशिश की लेकिन समय की कमी और कमजोर होती स्थिति को देखते हुए अंततः उन्हें हार स्वीकार करनी पड़ी। इस जीत के साथ नाकामुरा ने

सेमीफाइनल में जगह पक्की की। पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने नोडिर्बेक अब्दुसत्तारोव के खिलाफ दूसरा गेम ड्रॉ खेला, जबकि पहला मुकाबला जीतने की बदौलत वह सेमीफाइनल में पहुंच गए। फैबियानो कारुआना ने मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव को हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। दोनों के बीच पहला मुकाबला ड्रॉ रहा था, लेकिन दूसरे मैच में कारुआना ने जीत दर्ज की। आखिरी सेमीफाइनल स्थान का फैसला टाईब्रेकर से हुआ, जहां दो ड्रा मुकाबलों के बाद जर्मनी के 20 वर्षीय विंसेंट कीमर ने रूस के इयान नेपोम्नियाची को मात दी। 9वें से 12वें स्थान के प्लेऑफ मुकाबलों में विश्व चैंपियन डी. गुकेश को रिचर्ड रापोर्ट से 1.5-0.5 से हार झेलनी पड़ी।

हैम्शायर से जुड़ी एलिस पैरी, इंग्लैंड की घरेलू क्रिकेट में मचाएंगी धमाल

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज ऑलराउंडर एलिस पैरी इस गर्मी इंग्लैंड की घरेलू महिला क्रिकेट में हैम्शायर टीम की ओर से खेलती नज़र आएंगी। हैम्शायर ने उन्हें महिला काउंटी क्रिकेट के पहले टियर वन टूर्नामेंट के लिए साइन किया है, जो महिला क्रिकेट में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। पैरी जुलाई में वाइटैलिटी ब्लास्ट के छह मुक़ाबलों में उपलब्ध रहेंगी, इसके साथ ही वह मेट्रो बैंक वन डे कप के दो मैचों में भी टीम का हिस्सा होंगी। यदि हैम्शायर फ़ाइनल्स डे तक पहुंचता है, तो पैरी वहाँ भी टीम के लिए खेलेंगी। वह 4 जुलाई को चेस्टरफ़ील्ड में द ब्लेज़ के खिलाफ़ डेब्यू करेंगी, जबकि 6 जुलाई को समरसेट के खिलाफ़ यूटिलिटा बाउल में पहली बार घरेलू मैदान पर उतरेंगी।एलिस

पैरी का क्रिकेटिंग रिकॉर्ड उन्हें महिला क्रिकेट का लीजेंड बनाता है। उनके नाम छह टी-20 वर्ल्ड कप, दो वनडे वर्ल्ड कप, कॉमनवेल्थ गोल्ड और पाँच एशेज़ खिताब हैं। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ़ 16-0 की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह महिला एशेज़ में सबसे ज़्यादा रन बनाने और विकेट लेने वाली खिलाड़ी हैं। पैरी हाल ही में 2024 डब्ल्यूपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलीं और 2025 डब्ल्यूपीएल में 372 रन बनाकर दूसरे स्थान पर रहीं, उनका औसत 93 रहा। हैम्शायर के साथ उनका कार्यकाल ख़त्म होने के बाद वह द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी, जहाँ उन्होंने पिछले सीज़न कप्तानी की थी। एलिस पैरी ने क्लब की वेबसाइट से कहा, मैं इस गर्मी हैम्शायर टीम के साथ जुड़ने को लेकर उत्साहित हूँ। यह क्लब पिछले दस वर्षों से महिला क्रिकेट में अग्रणी रहा है और मुझे ऐसे रोमांचक समय में टीम का हिस्सा बनने का अवसर मिला है।

हैम्शायर महिला टीम के अंतरिम कोच पॉल प्रिचार्ड ने कहा, एलिस दुनिया की सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक हैं और हमें इस गर्मी उन्हें टीम में शामिल करके बेहद खुशी हो रही है। उनका अनुभव और प्रदर्शन हमारी युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत कुछ सीखने का मौक़ा देगा। एलिस पैरी का यह करार ऐसे समय आया है जब पॉल प्रिचार्ड को हाल ही में शार्लोट एडवर्ड्स की जगह अंतरिम कोच नियुक्त किया गया है। एडवर्ड्स अब इंग्लैंड महिला टीम की मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगी।

राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप : मध्य प्रदेश और कर्नाटक की दमदार जीत, क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

एजेंसी

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के सातवें दिन हॉकी मध्य प्रदेश और हॉकी कर्नाटक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दिन के पहले मुकाबले में हॉकी मध्य प्रदेश ने हॉकी पंजाब को 3-2 से हराया। मुकाबले की शुरुआत में ही कप्तान यूसुफ अफ्फान ने चौथे मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मोहित कर्मा (18') और सद्दाम अहमद (45') ने एक-एक गोल कर मध्य प्रदेश को तीन क्वार्टर तक मजबूत स्थिति में ला दिया। हालांकि अंतिम क्वार्टर में पंजाब ने वापसी की कोशिश की, जिसमें अराइजीत सिंह हुंदल (54') और गुरसाहिबजीत सिंह (56') ने गोल किए, लेकिन वे जीत के लिए पर्याप्त नहीं रहे। इस जीत के साथ हॉकी मध्य प्रदेश पूल ए में शीर्ष स्थान पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है। दूसरे मुकाबले में हॉकी कर्नाटक ने ले पुदुचेरी हॉकी को रोमांचक अंदाज में 3-2 से हराया। कप्तान मोहम्मद रहील ने 12वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन टी. अरुण कुमार (27') और पी. महेन्द्रन (37') ने पुदुचेरी के लिए खेल को पलटते हुए बढ़त बना ली। अंतिम समय में शेषे गौड़ा बीएम (58', 60') ने दो शानदार गोल करते हुए न केवल स्कोर बराबर किया।

बिली जीन किंग कप 2025: भारत ने हांगकांग (चीन) पर जीत दर्ज की, श्रीवल्ली ने हैट्रिक पूरी की

एजेंसी

पुणे। भारतीय टीम ने हांगकांग (चीन) को 2-1 से हराकर बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 में अपना विजयी अभियान जारी रखा है। यह टूर्नामेंट एमएसएलटीए द्वारा आईटीएफ, एआईटीए और पीएमडीटीए के सहयोग से पुणे के महालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया रहा है। वैदेही चौधरी के दमदार प्रदर्शन ने भारत को तीसरे दिन शानदार शुरुआत दी। वैदेही ने दिन के पहले मैच में हो चिंग वू के खिलाफ पूरा दमखम दिखाया। अहमदाबाद की इस युवा खिलाड़ी ने टाई-ब्रेकर तक खिंचा पहला सेट कड़े मुकाबले में 10-8 से जीता। दूसरे सेट में वह बिना समय गंवाए शुरुआत से ही अपनी प्रतिद्वंद्वी पर हावी हो गई और 2 घंटे, 3 मिनट तक चले मैच को 7-6 (10-8), 6-1 से जीत लिया। इससे भारत को

हांगकांग, चीन के खिलाफ 1-0 की बढ़त मिल गई। दोनों देशों के बीच दूसरे एकल मैच में, श्रीवल्ली भामिदीपती ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन मैचों के बाद अपना शत-प्रतिशत रिकॉर्ड जारी रखा। हालांकि इस युवा भारतीय स्टार को तीन सेटों तक चले मुकाबले में हॉन्ग यी कोडी वोंग से कड़ी चुनौती मिली। इसके बावजूद श्रीवल्ली ने 2 घंटे, 27 मिनट तक चले मुकाबले का पहला सेट टाईब्रेक में 8-6 से जीता, लेकिन उसके बाद उनकी हांगकांग की प्रतिद्वंद्वी ने वापसी की। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी 8 ऐस के साथ 7-6, 2-6, 6-3 से महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में सफल हुई। उनकी जीत से भारत मुकाबले में 2-0 की अजेय बढ़त पर आ गया। दिन का अंतिम मुकाबला डबल्स मैच था, जिसमें अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की भारतीय जोड़ी उतरी और उनकी भिड़ंत यूडिस चोंग और हांग यी कोडी वोंग से हुई। इस कठिन मुकाबले में भारतीय जोड़ी पिछड़ गई। हालांकि अनुभवी भारतीय जोड़ी ने पहला सेट टाई-ब्रेक में जरूर जीता, लेकिन हांगकांग (चीन) की जोड़ी ने दूसरे सेट में वापसी करके अपना दबदबा बनाया और बेहतर प्रदर्शन जारी रखते हुए अंतिम सेट जीत लिया।

अंडर-19 डे क्रिकेट एकेडमी धर्मशाला के लिए ट्रायल 20 अप्रैल को

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट ऐसोसिएशन एचपीसीए द्वारा अंडर-19 डे क्रिकेट एकेडमी धर्मशाला के लिए 20 अप्रैल को ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान वर्ष 2025-26 के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। ट्रायल क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 20 अप्रैल को सुबह 10 बजे से होंगे। ट्रायल में पूर्व वर्ष में चयनित खिलाड़ियों को भी भाग लेना होगा, उनकी प्रतिभा के तहत ही उन्हें आगामी वर्ष के लिए रिटेन किया जाएगा। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का जन्म एक सितंबर 2006 के बाद होना जरूरी है। साथ ही मात्र हिमाचली बोनोफाईड खिलाड़ी ही ट्रायल में भाग ले सकेंगे। इसके लिए खिलाड़ियों को ट्रायल वाले दिन ही रजिस्ट्रेशन करवानी होगी। बिना पंजीकरण के ट्रायल में खिलाड़ी भाग नहीं ले पाएंगे।

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से हराया

एजेंसी

बेंगलुरु। केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स की 100 से ज्यादा रनों की नाबाद साझेदारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को उसके ही घर में छह विकेट से पटखनी दी है। चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में आरसीबी ने 7 विकेट खोकर 163 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में चार विकेट गवांकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आरसीबी की ओर से मिले 164 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत खराब रही। दिल्ली ने महज 58 के स्कोर पर चार विकेट खो दिए थे। फॉफ डुप्लेसिस (2 रन), जैक फ्रेजर मैक्गर्क (7 रन), अभिषेक पोरेल (7 रन) और कप्तान अक्षर पटेल (15 रन) जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने पांचवें विकेट के लिए 111 रनों की नाबाद साझेदारी की और टीम को जीत दिलाई। इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज केएल ने 37 गेंदों में

अपना अर्धशतक पूरा किया और 53 गेंदों में 93 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके बल्ले से सात चौके और छह छक्के निकले। वहीं, स्टब्स ने चार चौके और एक छक्के की सहायता से नाबाद 38 रन बनाए। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने दो विकेट चटकाए, जबकि यश दयाल और सुयश शर्मा को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की टीम ने 163 रन का स्कोर खड़ा किया। आरसीबी की शुरुआत धमाकेदार रही। पॉवर प्ले के चार ओवर पूरे होने से पहले ही टीम ने 60 रन के आंकड़े को छू लिया। हालांकि 61 के कुल योग पर ओपनर फिल सॉल्ट रन आउट हो गए। सॉल्ट ने 17 गेंदों में 37 रन बनाए।

रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (सेना) लखनऊ ने जीती महिला वर्ग की ट्रॉफी

एजेंसी

लखनऊ। रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (सेना) लखनऊ ने 8वीं अखिल भारतीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता - मध्य ज़ोन जोनल राउंड में महिला वर्ग की विजेता ट्रॉफी जीत ली। वहीं पुरुषों में रक्षा लेखा नियंत्रक (सेना) मेरठ चैंपियन बनी। रक्षा लेखा खेल नियंत्रण बोर्ड द्वारा सूर्या खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता के बुधवार शाम फाइनल मुकाबले खेले गए।

महिला वर्ग के फाइनल में रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (सेना) लखनऊ ने रक्षा लेखा नियंत्रक जबलपुर को सीधे सेटों में 25-10, 25-13 से हराया। पुरुष वर्ग के फाइनल में रक्षा लेखा नियंत्रक (सेना) मेरठ को संघर्ष के बाद जीत मिली, जिसने रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन संवितरण) मेरठ को तीन सेट तक चले मैच में 25-15, 20-25, 25-13 से हराकर खिताब जीता।पुरस्कार वितरण समारोह में संजय कुमार चौधरी (आईडीएएस, रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (सेना) लखनऊ, हरिहर मिश्रा (आईडीएएस, रक्षा लेखा नियंत्रक, एकीकृत वित्तीय सलाहकार (मध्य कमान) लखनऊ एवं एवं संयुक्त एकीकृत वित्तीय सलाहकार हिमांशु त्रिपाठी ने विजेता खिलाड़ियों को पुस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सेना तथा सिविल सेवाओं के विशिष्ट अधिकारी भी उपस्थित रहे।

धर्मशाला में दिखेगा आईपीएल मैचों का रोमांच, सभी तैयारियां समय रहते पूरा करने के निर्देश

एजेंसी

धर्मशाला। इन दिनों क्रिकेट प्रेमियों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैचों का जबरदस्त रोमांच देखने को मिल रहा है। यह सीजन 25 मई तक चलेगा। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में भी तीन मैच खेले जाएंगे। धर्मशाला में यह मैच 4 मई, 8 मई और 11 मई को खेले जाएंगे। इसको लेकर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) तैयारियों में जुटा है। आईपीएल के इन तीन मैचों के लिए खिलाड़ियों तथा दर्शकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में जिला प्रशासन तथा एचपीसीए के अधिकारियों के बीच तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि चार मई, आठ मई तथा 11 मई को तीन मैच धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

खत्म हुई हिमांशी खुराना और शहनाज गिल की दुश्मनी? एक्स- बॉयफ्रेंड आसिम रियाज को किया रिजेक्ट

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की दो मशहूर एक्ट्रेस हिमांशी खुराना और शहनाज गिल की आपस में बिलकुल भी नहीं बनती थीं. इन दोनों के बीच का मनमुटाव इतना बढ़ गया था कि 'बिग बॉस 13' के घर में भी दोनों की दुश्मनी एक बड़ा मुद्दा बन गया था. बाहरी दुनिया में भी इन दोनों के फैंस आपस में भिड़ते रहते थे. 5 साल पहले बिग बॉस के होस्ट सलमान खान ने भी कई बार इस मामले को सुलझाने की कोशिश की थी, लेकिन दोनों की तरफ से इस दोस्ती को मिटाने के लिए कोई मेहनत नहीं ली गई. लेकिन अब हिमांशी ने एक चैट शो में अपने एक्स-बॉयफ्रेंड आसिम रियाज को रिजेक्ट करते हुए शहनाज गिल का नाम लिया है. फैंस का मानना है कि हिमांशी ने अपने जवाब से शहनाज गिल की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया है.हाल ही में हिमांशी खुराना एक चैट शो 'स्पॉटलाइट विद मैंडी' में नजर आईं. इस दौरान उनसे एक दिलचस्प सवाल पूछा गया. उन्हें दो नामों के बीच किसी

एक को चुनने के लिए कहा गया. जब उनसे उनके एक्स-बॉयफ्रेंड आसिम रियाज और शहनाज गिल में से किसी एक को चुनने के लिए कहा गया, तो हिमांशी का जवाब चौंकाने वाला था. उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के शहनाज गिल का नाम लिया.

चैट शो में की खुलकर बात

शो के होस्ट ने हिमांशी को कई सवाल पूछे गए. लेकिन जब शहनाज और आसिम का नाम आया, तो उनका चुनाव बड़ा ही स्पष्ट था. उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, जाहिर है, शहनाज। उनका जवाब सुनकर होस्ट दंग रह गईं.

'बिग बॉस 13' में बनी थी जोड़ी

गौरतलब है कि हिमांशी खुराना और आसिम रियाज की मुलाकात 'बिग बॉस 13' के घर में ही हुई थी. शो में आने से पहले हिमांशी नौ साल के एक रिश्ते में थीं, लेकिन उन्होंने उस रिश्ते को तोड़कर आसिम का साथ चुना था. शो के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं. हालांकि, शो खत्म होने के कुछ महीनों बाद ही दोनों का ब्रेकअप हो गया.

अजय देवगन की RAID 2 के सेट से लीक हुआ वीडियो, तमन्ना भाटिया ने कुछ सेकंड में उड़ाया गर्दा!

अजय देवगन की 'रेड 2' 1 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. फिल्म में मेकर्स ने आखिरी वक्त में दो गाने जोड़े हैं. जिसमें से एक आइटम नंबर होने वाला है. तमन्ना भाटिया इस स्पेशल सॉन्ग का शूट कर रही हैं. बीते दिनों ट्रेलर लॉन्च में भी वो रेड 2 की टीम के साथ दिखाई दी थी. हालांकि, अब रेड 2 के सेट से एक वीडियो लीक हो गया है, जिसमें तमन्ना भाटिया अपने गाने का शूट करती दिखाई दे रही हैं. कुछ सेकंड के वीडियो के लीक होने के बाद हर तरफ गाने को हिट बताया जा रहा है.दरअसल रेड 2 का काम काफी वक्त पहले ही पूरा किया जा चुका है. लेकिन फिल्म में कुछ अलग जोड़ने की आखिर वक्त पर प्लानिंग हुई. मेकर्स ने प्लान किया था कि वो कहानी को स्पेशल बनाने के लिए लास्ट टाइम पर ऐसे बदलाव करा रहे हैं.

RAID 2 से लीक हुआ वीडियो

RAID 2 में तमन्ना भाटिया का धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस होने वाला है. अब तमन्ना भाटिया के स्पेशल सॉन्ग का कुछ सेकंड का वीडियो वायरल हो रहा है. जिससे उन्होंने हर किसी का ध्यान खींच लिया है. फैन्स सुपर एक्साइटेड हैं, साथ ही उनकी काफी तारीफ कर रहे हैं. दरअसल ट्रेलर में भी डांस नंबर की छोटी सी झलक थी. लेकिन वायरल वीडियो के बाद सोशल मीडिया पर सिर्फ तमन्ना भाटिया ही छाई हुई हैं. वीडियो में देखा जा रहा है कि वो अपने मूव्स की फुल एनर्जी के साथ प्रैक्टिस कर रही हैं.

व्हाइट एंड गोल्डन कलर के आउटफिट में एक्ट्रेस नजर आ रही हैं. वीडियो में जहां वो दिख रही है, वो कोई अंडरग्राउंड सेट लग रहा है. जहां ग्लैमरस वाइब और पीछे लाइट्स लगाई गई हैं. इस वीडियो में लिखा गया है कि तमन्ना ने रेड 2 के आइटम सॉन्ग की शूटिंग शुरू कर दी है. हालांकि, पहले चर्चा थी कि वो हनी सिंह के गाने पर परफॉर्म करेंगी. लेकिन आखिरी वक्त पर पता लगा कि हनी सिंह गाने में नहीं होंगे. कौन सा होगा सिंगर, इसकी डिटेल्स अबतक मेकर्स ने छिपाकर रखी है.

करण जौहर ने मलाइका से पूछा ऐसा सवाल, फिल्ममेकर की गोद में जाकर बैठ गईं एक्ट्रेस

हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने आइटम नंबर्स के जरिए खास और बड़ी पहचान बनाई है. मलाइका अरोड़ा के लटके झटकों का हर कोई दीवाना है. मलाइका डांस बेस्ड कई शोज को जज भी कर चुकी हैं. इन दिनों एक्ट्रेस 'हिप हॉप इंडिया' सीजन 2 में बतौर जज नजर आ रही हैं, जिसमें उनका साथ रेमो डिसूजा दे रहे हैं.डांस शो के अलावा मलाइका ने 'इंडियाज गॉट टैलेंट' को भी जज किया है. इसके अलावा वो खुद का शो भी ला चुकी हैं, जिसका नाम था 'मूविंग विद मलाइका'. साल 2022 में आए इस शो में एक बार उनके मेहमान करण जौहर भी बने थे. दोनों के बीच ढेर सारी बातचीत हुई थी. तब सरेआम मलाइका, करण जौहर की गोद में भी बैठ गई थीं. वहीं एक्ट्रेस से करण ने उनके प्राइवेट पार्ट को लेकर भी सवाल कर लिया था. जिसे सुनकर एक्ट्रेस शर्म से लाल हो गई थीं.

करण की गोद में बैठ गईं थीं मलाइका

करण जौहर और मलाइका अरोड़ा एक दूसरे के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं. दोनों के बीच दोस्ती का एक अच्छा रिश्ता है. 'मूविंग विद मलाइका' के एक एपिसोड में करण जौहर बतौर गेस्ट पहुंचे थे. शो के दौरान मलाइका ने करण का गले लगाकर वेलकम किया था. इसके बाद मस्ती मजाक के सिलसिले के बीच एक्ट्रेस, डायरेक्टर की गोद में बैठ गईं थीं. तब करण ने मलाइका को अपने दोनों हाथों से पकड़ लिया था.

करण ने मलाइका से प्राइवेट पार्ट पर पूछा था सवाल

मस्ती मजाक के बीच करण और मलाइका अरोड़ा की बातचीत अलग लेवल पर पहुंच गई थी. तब करण जौहर ने मलाइका से पूछा था कि, हर कोई आपके *#$% के बारे में बातें करता है. इस बारे में उन्हें कैसा लगता है? मलाइका ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया था. करण के इस सवाल को सुनकर एक्ट्रेस अनकंफर्टेबल हो गई थीं.

बेडरूम सीक्रेट्स और शादी पर भी किया सवाल

करण जौहर ने मलाइका से उनके बेडरूम सीक्रेट्स पर भी सवाल किया था. उन्होंने पूछा था, आप बेडरूम में एक्सपेरिमेंट्स करते हो? साथ ही करण ने एक्ट्रेस से सवाल किया था, आप शादी कब कर रही हो? उस समय मलाइका अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप में थीं. हालांकि मलाइका ने करण के इन सवालों के जवाब में कहा था कि ये सोफा उनका है. मलाइका कहना चाह रही थीं कि करण उनके शो पर आए हैं न कि वो करण के शो पर हैं.

बॉलीवुड के इस विलेन से बहुत डरती थीं हेमा मालिनी, एक्ट्रेस ने बताई बड़ी वजह

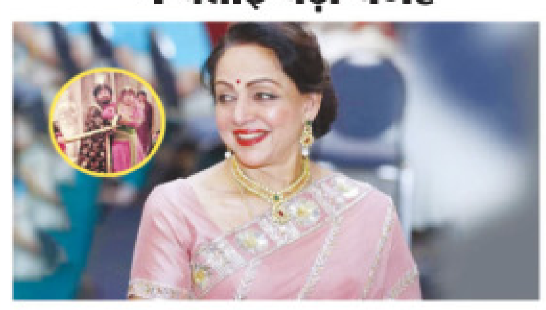

बॉलीवुड एक्ट्रेस हेमा मालिनी काफी समय से फिल्मों से दूर हैं और राजनीति में ज्यादा एक्टिव हैं. लेकिन फिर भी अक्सर हेमा रियलिटी शोज में जाती हैं और उनके लिए स्पेशल एपिसोड्स रखा जाता है. एक बार हेमा 'इंडियन आइडल' के सेट पर गईं और वहां कई किस्से शेयर किए थे. इसी दौरान जब हेमा से पूछा गया कि वो किस विलेन से डरती थीं तो उन्होंने ऐसा नाम लिया जो आपको हैरान कर देगा.हेमा मालिनी बॉलीवुड में 70'ह्य से एक्टिव हैं और कई बेहतरीन फिल्में की जिन्हें आज भी पसंद की जाती हैं. उनके एक को-एक्टर रहे हैं जिनके साथ सीन करते हुए अक्सर वो अन-कंफर्टेबल हो जाती थीं, वो कौन थे, आइए जानते हैं.

इस एक्टर के विलेन बनने पर डरती थीं हेमा मालिनी

इंडियन आइडल के एंकर आदित्य नारायण ने हेमा मालिनी से पूछा, 'ऐसे कौन से विलेन हैं जिनसे आपको डर लगता था सच में?' इसपर हेमा मालिनी ने जवाब दिया था, 'प्रेम चोपड़ा सेञ्ज मैं उनके साथ राजा जानी फिल्म की शूटिंग कर रही थी जयपुर में. पिक्चर में एक पूरा गाना उनके साथ फिल्माया गया था कितना मजा आ रहा हैञ्बहुत ही अच्छा गाना था. 'हेमा मालिनी ने आगे कहा था, 'फिल्म के उस गाने में धरम जी को जलाना था. तो उस गाने में प्रेम जी हीरो की तरह एक्टिंग कर रहे थे लेकिन मुझे उनसे डर लग रहा था क्योंकि वो हमेशा विलेन बनकर आते थे और इस फिल्म में भी वो विलेन थे. धरम जी भी बीच-बीच में बोल रहे थे कि क्या कर रहा है ये क्योंकि वो मेरे साथ ज्यादा किसी को चेप होते नहीं देख पाते थे.'

हेमा मालिनी ने प्रेम चोपड़ा के साथ कितनी फिल्में कीं?

1968 में हेमा मालिनी ने फिल्म सपनों के सौदागर से अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्होंने एक के बाद 'शोले', 'सीता और गीता', 'जॉनी मेरा नाम', 'वारिस', 'अभिनेत्री', 'तुम हसीन मैं जवान', 'चरस', 'नसीब', 'सत्ते पे सत्ता' जैसी सुपरहिट फिल्में कीं. वहीं अगर बात ये आए कि हेमा मालिनी के साथ प्रेम चोपड़ा ने कौन-कौन सी फिल्में कीं तो उनमें 'आस-पास', 'नसीब', 'त्रिशूल', 'क्रांति', 'अंधा कानून', 'अलीबाबा 40 चोर' जैसी फिल्में की हैं. हेमा मालिनी 70 के दशक की ऐसी एक्ट्रेस रही हैं जिन्होंने 2000 के बाद भी कई सफल फिल्मों में काम किया है. हेमा मालिनी को बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल कहा जाता है और आज भी फैंस उन्हें इसी नाम से पुकारते हैं.